PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, मंगलवार
17.11.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 13, अंक : 24

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374



राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

सोशल मीडिया की जवाबदेही के तंत्र बनाने के लिए समाज में हो विचार मंथन : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकार ने नागरिक समाज, बुद्धिजीवियों और डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के संचालकों का आज आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया के कंटेट को उत्तरदायित्वपूर्ण बनाने के लिए और शिकायतों के निवारण के वास्ते एक प्रभावी तंत्र बनाने के लिए क्या ढांचा बनाया जाना चाहिए, इस पर गहन विचार मंथन करें ताकि सोशल मीडिया समाज को मजबूत बनाने में योगदान दे, ना कि कमजोर एवं विभाजित करे। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर भारतीय प्रेस परिषद की ओर से यहां आकाशवाणी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर आज किसी की कोई स्पष्ट जिम्मेदारी नहीं है। प्लेटफॉर्म अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस और नीतियों के आधार पर आत्म नियमन करते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था पर्याप्त है? क्या नागरिकों की आवाज, शिकायतों के निवारण और उनके हितों की सुरक्षा के लिए केवल आत्म नियमन काफी है? पत्रकारिता सनसनी या जिम्मेदारी विषय पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने मीडिया की बदलती भूमिका, तकनीकी विकास, सोशल मीडिया के प्रभाव और पत्रकारिता की जिम्मेदारी पर विस्तार से अपनी बात रखी और बीते दो तीन दशकों में मीडिया के क्षेत्र में जो बदलावों और आने वाले पांच साल में उससे कहीं अधिक परिवर्तनों को लेकर सजग किया। उन्होंने सोशल एवं डिजिटल मीडिया की चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक विज्ञापन, सिंथेटिक तरीके से तैयार किए गए फर्जी कंटेंट और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय विषयों पर गुमराह करने वाले प्रचार की समस्या सामने आ रही है। वित्त मंत्रालय ने भी इस तरह के कई उदाहरण दिए हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को अपने



प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सामग्री के प्रति सचेत और सतर्क रहना चाहिए। केवल कम्युनिटी गाइडलाइंस बनाकर जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उन नियमों का प्रभावी तरीके से पालन हो। केंद्रीय मंत्री ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज खासकर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाकर उनके बैंक खातों से पैसे ठगे जा रहे हैं। इस तरह की घटनाओं में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भी कुछ जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्लेटफॉर्म को इस बात के प्रति सचेत नहीं रहना चाहिए कि उनके यहां किस तरह का कंटेंट प्रसारित हो रहा है और उसका इस्तेमाल लोगों को ठगने के लिए तो नहीं किया जा रहा है? वैष्णव ने कहा कि ये सभी ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर आज पूरी दुनिया में समाज, सरकारों, सिविल सोसाइटी और मीडिया के बीच गंभीर चर्चा और बहस चल रही है। मंत्री ने कहा कि नागरिकों को सशक्त करना, उन्हें अपनी बात रखने का अवसर देना और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराना जरूरी है। ऐसा मैकेनिज्म तैयार करना होगा, जिससे मीडिया और सोशल मीडिया दोनों के कारण समाज मजबूत हों, न कि कमजोर हो। इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर चर्चा करनी होगी और एक साझा दृष्टिकोण तथा आम सहमति बनानी होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मीडिया का उद्देश्य केवल सूचना पहुंचाना नहीं, बल्कि नागरिकों को आवाज देना और उनकी समस्याओं के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाना भी है। अश्विनी वैष्णव ने युवा पत्रकारों और मीडिया के विद्यार्थियों को भी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में तकनीक, इंटरनेट और समाज में बदलाव के कारण मीडिया में व्यापक परिवर्तन आया है, लेकिन अगले पांच वर्षों में इससे भी अधिक बदलाव देखने को मिलेंगे। अगले पांच साल में इतने बदलाव आएंगे, जितने पिछले 20 वर्षों में नहीं आए। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन युवा पत्रकारों के लिए चुनौतियों के साथ नए अवसर भी लेकर आएगा। जो व्यक्ति इस बदलाव और तेजी से बदलती दुनिया को स्वीकार करेगा तथा उसके अनुरूप खुद को ढालेगा, वही आने वाले समय में मीडिया का लीडर बनेगा। युवा पत्रकारों को खुद को समझने, लगातार सीखने और खुले दिमाग से नई तकनीक तथा बदलावों को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। बदलते दौर में नेतृत्व के अवसर उन्हीं लोगों को मिलेंगे, जो सीखने की इच्छा और क्षमता बनाए रखेंगे। प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत की रैंकिंग पर टिप्पणी करते हुए केंद्रीय मंत्री ने हल्के अंदाज में कहा कि जब इस इंडेक्स में भारत की रैंकिंग 137 थी और भारत से ऊपर अफगानिस्तान जैसे देश थे, तब हमने संबंधित संस्था से केवल इतना अनुरोध किया था कि वह अपनी रैंकिंग का पारदर्शी तंत्र और जिस पद्धति के आधार पर रैंकिंग प्रकाशित की गई है, उसे हमारे साथ साझा करे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा ने मुख्य उद्बोधन में डिजिटल मीडिया की चुनौतियों पर जोर देते हुए इसे जिम्मेदार बनाने पर जोर दिया।

पीएम मोदी बोले – जनजातीय समाज ने हमेशा अन्याय के खिलाफ उठाई आवाज



- **मप्र के धार में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को वर्चुअली किया संबोधित, बोले- स्वदेशी आत्मसम्मान के साथ याद किए जा रहे देश के नायक; 170 से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण**

एजेंसी, धार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई है। आज भारत अपने इतिहास और महान नायकों को स्वदेशी आत्मसम्मान के साथ याद कर रहा है। यह देश की राष्ट्रीय चेतना में आए बदलाव का परिणाम है। प्रधानमंत्री रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर धार जिले के डही में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा कि जनजातीय समाज के उत्थान और देश के विकास के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। वंचित वर्गों को प्राथमिकता देते हुए चार करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं और 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई गई है। आयुष्मान योजना के तहत 1.75 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, जिससे दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 12-13 वर्षों में भारत के 50 करोड़ लोग भीषण गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने इसे देश की सामूहिक शक्ति और नागरिकों के परिश्रम का परिणाम बताया। नक्सलवाद और माओवाद का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इनकी हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान जनजातीय समाज को हुआ। वर्ष 2014 में देश के करीब 125 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे। उन्होंने दावा किया कि नक्सलवाद में कमी आने से आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने मुद्रा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से जनजातीय समुदाय के लोगों को आर्थिक सहायता मिली है। साथ ही देश के 100 से अधिक आकांक्षी जिलों में विकास, बुनियादी सुविधाओं और नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए अभियान चलाया गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस पर देशभर में 170 से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण और 70 से ज्यादा परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। विभिन्न राज्यों में करीब 30 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्यों की शुरुआत की गई। इससे पहले राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया। समारोह की शुरुआत राज्यपाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। कार्यक्रम के लिए 90 हजार वर्गफीट में विशाल डोम बनाया गया है, जिसमें करीब 15 हजार लोग शामिल हुए।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का समापन, घाटों पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

विदेशों में भी दिखी छठ की छटा

एजेंसी, नई दिल्ली

चार दिवसीय छठ महापर्व का सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ विधिवत समापन हो गया। इसी के साथ व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला उपवास भी पूरा किया। छठ पूजा के अंतिम दिन देशभर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। सुबह तड़के चार बजे से ही श्रद्धालु पूजा की सामग्री लेकर नदी, तालाबों और अन्य जलाशयों के घाटों पर पहुंचने



लगे थे। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड समेत कई राज्यों में गंगा, यमुना और अन्य नदियों के घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दिल्ली के यमुना घाटों पर सूर्योदय के समय करीब सवा लाख लोग मौजूद रहे। कालिंदी कुंज समेत विभिन्न घाटों पर व्रतियों ने पानी में खड़े होकर भगवान सूर्य को ऊषा अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। बिहार में भी छठ पर्व की रौनक दिखाई दी। मोतिहारी सेंट्रल जेल में कैदियों के लिए विशेष घाट बनाया गया था। यहां 75 महिलाओं और 62 पुरुषों सहित कई कैदियों ने पूरी श्रद्धा के साथ छठ पूजा की। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने पैतृक गांव लखनपुर में परिवार के साथ उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। असम में बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। डिब्रूगढ़ और बोकाखात में व्रतियों ने नदी घाटों पर पूजा-अर्चना कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया। ओडिशा के पुरी स्थित नरेंद्र कोना तालाब में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा के लिए पहुंचे। छठ महापर्व का उत्सव भारत तक सीमित नहीं रहा। अमेरिका के वॉशिंगटन में पोटोमैक नदी के किनारे पूर्वांचल के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ छठ पूजा की। इस तरह देश-विदेश में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व संपन्न हो गया।

उपराष्ट्रपति ने विधायकों से जनसेवा के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का किया आह्वान

एजेंसी, भुवनेश्वर

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को भुवनेश्वर में 17वीं ओडिशा विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायकों से समर्पित जनसेवा के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने और जनता के विश्वास को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय विकास को गति देने के लिए स्वस्थ बहस, सार्थक चर्चा और रचनात्मक सहयोग बेहद जरूरी हैं। उपराष्ट्रपति ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के साथ विधायकों को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में सक्षम बनाते हैं। भारत की प्राचीन लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने वैशाली की लोकतांत्रिक संस्थाओं और चोल शासनकाल की कुडवोलाई प्रणाली का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भारत के सभ्यतागत इतिहास में लोकतंत्र की जड़ें गहराई तक फैली हुई हैं और भारत वास्तव में 'लोकतंत्र की जननी' होने का गौरव रखता है।

बांग्लादेश में बीएनपी नेताओं के घर, दफ्तर, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़, आगजनी

एजेंसी, ढाका (बांग्लादेश)

देश के गोपालगंज के तुंगीपाड़ा उपजिला में रविवार को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उससे जुड़े संगठनों के कई नेताओं और समर्थकों के घरों, पार्टी कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई और उनमें आग लगा दी गई। बीएनपी नेताओं का आरोप है कि दोपहर से उपजिला के अलग-अलग इलाकों में प्रतिबंधित अवामी लीग, जुबो लीग और छात्र लीग के कार्यकर्ताओं ने ये हमले किए। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, दोपहर करीब दो बजे डूमुरिया यूनियन के पाकुरतिया बाजार में अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला। इसके बाद उन्होंने पाकुरतिया मदरसे के पास बीएनपी समर्थकों के दो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग लगा दी। दोपहर करीब 3:30 बजे एक दूसरा जुलूस निकला। इस दौरान पाटगाती बाजार में जुबो दल के कार्यालय में तोड़फोड़ करने के बाद उसमें आग लगा दी गई। बताया गया है कि शाम करीब चार बजे हमलावरों ने श्रीरामकांडी में उपजिला स्वेच्छासेवक दल के पूर्व संयोजक जसीम शेख के घर को आग लगाकर फूंक दिया। इसके एक घंटे बाद गवरडांगा के चौरंगी चौराहे पर बीएनपी समर्थक महमूद बिस्वास की एक दुकान में आग लगा दी गई। उसी समय, तुंगीपाड़ा बाजार में नगर बीएनपी के संगठनात्मक सचिव अबू जफर खान के एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में भी तोड़फोड़ की गई। बाद में, रात करीब आठ बजे पाटगाती बाजार में नगर बीएनपी के अध्यक्ष इमदाद मोल्ला के घर में तोड़फोड़ की गई और उसमें आग लगा दी गई। उसी समय नगर बीएनपी के संगठनात्मक सचिव गोपाल सरकार के घर में भी तोड़फोड़ की गई। रिपोर्ट के अनुसार, रात करीब 8:30 बजे प्रतिबंधित छात्र लीग के कार्यकर्ताओं ने पाटगाती मध्यपारा गांव में नगर छात्र दल के संयोजक येन मुंशी के घर में तोड़फोड़ की। इसके बाद रात करीब 9 बजे तुंगीपाड़ा के पाटगाती में ग्रामीण बैंक की एक शाखा में आग लगा दी गई।



अमित शाह ने पुणे में अजित पवार की प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी, पुणे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने दो दिवसीय पुणे दौरे के दूसरे दिन सोमवार को स्व. अजित पवार की प्रतिमा का अनावरण किया। पुणे जिला परिषद की पहली मंजिल पर आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और मंत्री शामिल हुए। समारोह के दौरान पुणे जिला परिषद के मुख्य प्रवेश द्वार का नाम भी अजित पवार के नाम पर रखा गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार को आना था, लेकिन वे समारोह में नहीं आए पाए।



उनकी जगह सांसद सुप्रिया सुले ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अजित पवार को श्रद्धांजलि देने के लिए नेहरू मेमोरियल हॉल में एक संक्षिप्त सभा हुई। इस दौरान उपस्थित नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने दिवंगत नेता को याद किया। यह कार्यक्रम को केवल एक श्रद्धांजलि समारोह के रूप में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन तेजी से चक्रवाती तूफान में बदलने की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सोमवार शाम तक इसके चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। वहीं, मंगलवार शाम तक यह गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इसके बाद इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश के तट की ओर जाने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 17 से 21 नवंबर तक तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में 19 और 20 नवंबर को बेहद भारी बारिश



होने की आशंका है। लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। तूफान के प्रभाव से तेज हवाएं चलने और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की संभावना है। इसे देखते हुए मछुआरों को 20 नवंबर तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। इधर, राजस्थान में दो दिनों तक हुई बारिश के बाद सोमवार को ठंड का असर बढ़ गया। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में अगले तीन से चार दिनों तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। वहीं, मध्य प्रदेश में 20 नवंबर के बाद बारिश होने की संभावना जताई गई है। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में रविवार देर रात बर्फबारी हुई। इससे पहले बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में भी बर्फ गिर चुकी है। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के चलते तापमान में गिरावट आई है और सोमवार को मैदानी इलाकों में भी ठंड बढ़ गई। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बर्फबारी शुरू हो गई है। जम्मू-कश्मीर की माछिल घाटी बर्फ की सफेद चादर से ढक गई है। उत्तर प्रदेश के 25 शहरों में सोमवार को घना कोहरा छाया रहा।

कई इलाकों में दृश्यता बेहद कम हो गई, जिससे सड़क पर आवागमन प्रभावित हुआ। सुल्तानपुर समेत कई क्षेत्रों में 10 मीटर की दूरी पर देखना भी मुश्किल हो गया। मौसम के बदलते मिजाज से देश के अलग-अलग हिस्सों में कहीं बारिश, कहीं बर्फबारी तो कहीं घने कोहरे का असर देखने को मिल रहा है।

ईरान से तनाव के बीच अमेरिका ने तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर मिडिल ईस्ट भेजा

एजेंसी, वाशिंगटन (अमेरिका)

संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अपना तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) भेजा है। इसके साथ ही मिडिल ईस्ट में अमेरिका के तीन एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप तैनात हो गए हैं। इससे मिडिल ईस्ट में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी और मजबूत हो गई है।

एक्सिओस, सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, रूजवेल्ट रविवार को अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड के क्षेत्र में पहुंचा। संयुक्त राज्य अमेरिका के दो एयरक्राफ्ट कैरियर इस क्षेत्र में पहले से काम कर रहे थे। अब



थियोडोर रूजवेल्ट के पहुंचने से इनकी संख्या तीन हो गई है। एयरक्राफ्ट कैरियर समुद्र में बड़े सैन्य अड्डे की तरह होता है। इससे लड़ाकू विमान उड़ान भर सकते हैं और सैन्य अभियान चलाए जा सकते हैं। इसके साथ युद्धपोतों का एक समूह भी रहता है, जिसे कैरियर स्ट्राइक ग्रुप कहा जाता है। थियोडोर रूजवेल्ट को अमेरिका ने ऐसे समय पर भेजा है, जब उसका ईरान के साथ तनाव बढ़ रहा है। ईरान ने सप्ताहांत दावा किया कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया था कि उसने बहरीन में अमेरिका के शुरुआती चेतावनी देने वाले रडार सिस्टम को निशाना बनाया। हालांकि, अमेरिकी सेना ने रडार सिस्टम को नुकसान पहुंचने के ईरान के दावे को खारिज कर दिया। अमेरिका ने कहा कि उसकी सेना ने बहरीन की ओर बढ़ रहे ईरान के दो ड्रोन को बीच रास्ते में ही रोक लिया था। इस तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर के पहुंचने की पुष्टि के बावजूद अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) और अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने इसकी तैनाती की समय सीमा की आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। सेंटकॉम मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेना के अभियानों की निगरानी करता है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि अमेरिका अपने तीनों एयरक्राफ्ट कैरियर इस क्षेत्र में कितने समय तक तैनात रखेगा।

प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन मुंबई पहुंचे

एजेंसी, मुंबई

ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी प्रिंसेस केट मिडलटन तीन दिवसीय भारत दौरे पर सोमवार को मुंबई पहुंचे।बैलार्ड एस्टेट में सचिन तेंदुलकर और स्थानीय युवाओं के साथ गली क्रिकेट खेलना उनके दौरे का खास आकर्षण रहा। ब्रिटेन के शाही दंपति अर्थशॉट प्राइज समारोह में शामिल होने के बाद दोनों बुधवार को दिल्ली रवाना होंगे, जहां प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बैठक होगी।शाही दंपति की आवागमन को देखते हुए मुंबई में यातायात व्यवस्था में बदलाव किए गए हैं। मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने 16 से 19 नवंबर तक दक्षिण मुंबई के कई हिस्सों में प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि, पुलिस की सार्वजनिक सूचना में कुल डायवर्ट किए गए रूटों की निश्चित संख्या नहीं बताई गई है। प्रमुख बदलाव इस प्रकार हैं हुतात्मा राजगुरु चौक और फ्री प्रेस रोड पर वीआईपी वाहनों के लिए विशेष व्यवस्था। शहीद भगत सिंह मार्ग से बल्लार्ड पियर की ओर जाने वाले रास्ते पर सामान्य वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर बोकारो पुलिस ने पत्रकारों को दी शुभकामनाएं



बोकारो। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर बोकारो पुलिस ने जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों को शुभकामनाएं दीं। पुलिस अधीक्षक की ओर से जारी संदेश में प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए जनसुरक्षा, सामाजिक सद्भाव और सकारात्मक वातावरण के निर्माण में मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया। संदेश में कहा गया कि पुलिस और मीडिया दोनों का उद्देश्य समाज के हित में काम करना है। बोकारो पुलिस मीडिया के साथ आपसी समन्वय, सहयोग और बेहतर संवाद को महत्व देती है। साथ ही जनहित के मुद्दों पर प्रभावी भूमिका निभाने के लिए पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने की अपील की गई।

14 जिंदा कारतूस के साथ 19 वर्षीय युवक गिरफ्तार

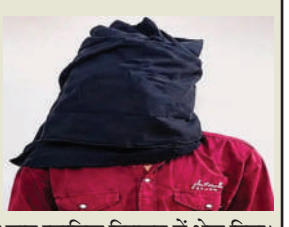

जमशेदपुर। सोनारी थाना पुलिस ने गश्ती के दौरान 14 जिंदा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान 19 वर्षीय गोलू सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गोलू सिंह के पास कारतूस कहां से आए थे और वह इन्हें किस उद्देश्य से अपने पास रखे हुए था। मामले की जांच जारी है।

पत्नी और उसके परिचित की हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

लोहरदगा। भंडरा थाना क्षेत्र के कुंबाटोली बस्ती में रविवार देर रात दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी पति सोनू लहेरी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल टांगी भी बरामद की है। मृतकों की पहचान सोनू लहेरी की पत्नी पूजा देवी और बिहार के पटना जिले के बाढ़ निवासी रोहित लहेरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पूजा और रोहित की पहचान फेसबुक के माध्यम से हुई थी और दोनों के बीच कथित प्रेम संबंध थे। रविवार रात रोहित पूजा से मिलने उसके घर पहुंचा था। इसी दौरान सोनू ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। इसके बाद आक्रोश में उसने टांगी से हमला कर दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही भंडरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में अवैध संबंध के संदेह में हत्या किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बेरमो में एक ही रात में तीन बंद घरों के ताले तोड़कर लाखों की चोरी

छठ पर्व मनाने ससुराल व गांव गए थे गृहस्वामी, चोर साफ कर गए नकदी और जेवर

बोकारो : जिले के बेरमो थाना क्षेत्र अंतर्गत व्यस्ततम करगली बाजार में शनिवार की देर रात अज्ञात चोरों ने पुलिस गश्ती को खुली चुनौती देते हुए एक ही रात में तीन बंद घरों को निशाना बनाया। चोरों ने तीनों आवासों के मुख्य दरवाजों के ताले तोड़कर भीतर रखी नकदी और कीमती जेवरात पर हाथ साफ कर लिया और आसानी से फरार हो गए। बाजार जैसे घनी आबादी और चहल-पहल वाले इलाके में एक साथ तीन घरों में हुई इस भीषण चोरी की वारदात से पूरे क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने रात्रि सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस गश्ती की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, करगली बाजार निवासी सुमित कुमार उर्फ डब्लू 14 नवंबर की रात लोक आस्था के महापर्व छठ को मनाने के लिए अपने ससुराल खलारी गए हुए थे। घर की सुरक्षा और देखरेख की जिम्मेदारी उन्होंने अपने मित्र सोनू साहू को सौंपी थी। पीड़ित गृहस्वामी सुमित कुमार के अनुसार, चोरों ने अलमारी और बक्सों का ताला तोड़कर घर में रखे करीब ढाई लाख रुपये नकद और कीमती सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए हैं।

चोरों का दुस्साहस यहीं नहीं थमा; इसी दौरान उन्होंने सुमित कुमार के पड़ोस में रहने वाले विवेक मोदक और राजा कुमार सिंह के आवासों को भी अपना निशाना बनाया। दोनों परिवार छठ पर्व के अवसर पर अपने-अपने घरों में ताला लगाकर पैतृक गांव गए हुए थे। चोरों ने इन दोनों घरों के ताले तोड़कर भी कमरों को खंगाला और सामान समेट ले गए। हालांकि, विवेक मोदक और राजा कुमार सिंह के आवासों से कुल कितने मूल्य की संपत्ति और आभूषणों की चोरी हुई है, इसका वास्तविक आकलन दोनों परिवारों के गांव से लौटने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस टीम ने तीनों घरों का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ कर तफ्तीश शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सोमवार को भी बेरमो पुलिस के पदाधिकारी धर्मेंद्र सिंह सरकार, सुभाष यादव एवं ननका उरांव ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर चोरी गए सामानों की विस्तृत जानकारी ली।

बेरमो थाना प्रभारी नित्यानंद महतो ने बताया कि चोरों की पहचान करने के लिए आसपास के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे घरों में ताला लगाकर बाहर जाने से पूर्व विशेष सतर्कता बरतें और अपने पड़ोसियों या स्थानीय थाने को इसकी सूचना अवश्य दें।

डायन बताकर महिला की हत्या, दंपती गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा



गिरिडीह। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बासाबुदा गांव में 59 वर्षीय महिला की डायन बताकर पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक दंपती को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव ने प्रेस वार्ता में बताया कि एसपी डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की है। टीम ने बासाबुदा निवासी शिवलाल मुर्मू और उसकी पत्नी बड़की देवी को गिरफ्तार किया है। दोनों ने पूछताछ में हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। मामले में मृतका के पति के बयान पर मुफस्सिल थाना में कांड संख्या 330/2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें गांव के मोतीलाल मुर्मू, उसकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, मोतीलाल मुर्मू का बेटा कई दिनों से बीमार था और रांची के रिम्स में भर्ती था। 13 नवंबर की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद मोतीलाल और उसके परिवार के सदस्यों ने महिला पर डायन होने का आरोप लगाना शुरू कर दिया। आरोप है कि 14 नवंबर की सुबह छह से सात बजे के बीच मोतीलाल अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ महिला के घर पहुंचा और उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। एसडीपीओ ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। प्रेस वार्ता में मुफस्सिल थाना प्रभारी ज्ञान रंजन, अवर निरीक्षक संजय कुमार और गौतम कुमार भी मौजूद थे।

छठ घाट पर हथियार लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार, देशी कट्टा बरामद



राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। चैनपुर थाना क्षेत्र के नरसिंहपुर पथरा छठ घाट पर हथियार लेकर घूम रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। घटना 15-16 नवंबर की मध्यरात्रि की है। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि छठ घाट पर एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है। वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही एक युवक भागने लगा, जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। उसकी पहचान 21 वर्षीय आकाश कुमार चौरसिया, निवासी महुआगंज, चैनपुर के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसकी कमर से एक देशी कट्टा और जींस की जेब से एक जिंदा कारतूस मिला। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन, स्टील का कड़ा, स्मार्ट घड़ी, ताश के पांच पैकेट और एक हजार रुपये नकद भी बरामद किए हैं। हथियार रखने के संबंध में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इस मामले में चैनपुर थाना कांड संख्या 234/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-B)(a)/26 में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

चाईबासा मंडल कारा में जेल अदालत, दो बंदियों की रिहाई का आदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा



पश्चिमी सिंहभूम । झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिमी सिंहभूम की ओर से सोमवार को चाईबासा मंडल कारा परिसर में जेल अदालत का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य बंदियों को त्वरित न्याय और कानूनी सहायता उपलब्ध कराना था। अदालत में प्रस्तुत मामलों की सुनवाई के दौरान एक मामले का निष्पादन किया गया, जबकि दो बंदियों की रिहाई का आदेश जारी किया गया। जेल अदालत का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में किया गया। इसके लिए अंकित कुमार सिंह की एक सदस्यीय पीठ गठित की गई थी। पीठ के समक्ष प्रस्तुत मामलों की सुनवाई के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई और पात्रता के आधार पर दो बंदियों की रिहाई का आदेश दिया गया। इस अवसर पर मंडल कारा परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित शिविर में बंदियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। चिकित्सकीय टीम ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने बताया कि राज्य स्थापना दिवस पर जेल अदालत आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य बंदियों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के साथ उनके मामलों का शीघ्र निस्तारण करना है। ऐसे आयोजनों से पात्र बंदियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत राहत मिलने का अवसर मिलता है। वहीं, स्वास्थ्य जांच शिविर के माध्यम से बंदियों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

पीएलएफआई के नाम पर लेवी की मांग , पुलिस सुरक्षा में दोबारा निर्माण कार्य शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा



पश्चिमी सिंहभूम। आनंदपुर थाना क्षेत्र के घाटबाजार घाटी में सड़क निर्माण कार्य के दौरान पीएलएफआई के नाम पर लेवी मांगने और ग्रेडर मशीन में आग लगाने की कोशिश का मामला सामने आया है। रविवार दोपहर करीब डेढ़ बजे लाल-काली पल्सर बाइक पर सवार तीन नकाबपोश युवकों ने हथियार दिखाकर मशीन चालक अशोक चौधरी को लेवी की पर्ची थमा दी। आरोपियों ने दो दिनों के भीतर रकम पहुंचाने का अल्टीमेटम देते हुए मांग पूरी नहीं होने पर निर्माण कार्य बंद कराने की धमकी दी। जानकारी के अनुसार, कोलेबिरा से रायकेरा (मनोहरपुर) तक एनएच-320जी सड़क का निर्माण बीकेएस इंफ्रास्ट्रक्चर, रांची की ओर से कराया जा रहा है। इसी क्रम में घाटबाजार घाटी में काम चल रहा था। आरोप है कि लेवी की पर्ची देने के बाद युवकों ने ग्रेडर मशीन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हुए। इसके बाद तीनों मौके से फरार हो गए। पर्ची कथित तौर पर पीएलएफआई के लेटरहेड पर थी, जिस पर 'अनल दा' का नाम लिखा होने की जानकारी मिली है। हालांकि, संगठन की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना पर मनोहरपुर डीएसपी डेविड ए डोडराय और आनंदपुर थाना प्रभारी प्रिंस झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर कर्मचारियों से पूछताछ की और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बाइक सवारों की पहचान और लेवी की पर्ची की सत्यता की पड़ताल कर रही है। घटना के बाद कर्मचारियों में दहशत फैल गई थी। हालांकि, सोमवार को पुलिस सुरक्षा के बीच घाटी में सड़क निर्माण कार्य दोबारा शुरू करा दिया गया।

बाइक चोर गिरोह का एक आरोपित गिरफ्तार, नाबालिग निरूद्ध

राष्ट्रीय मुख्यधारा



पूर्वी सिंहभूम । जिले के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को भी निरूद्ध किया है। वहीं आरोपित की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की तीन बाइक और बाइक का लॉक खोलने में इस्तेमाल की जाने वाली एक मास्टर-की बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आरोपित चोरी की बाइक को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल और ओडिशा के चोर बाजारों में बेचते थे। सोमवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) विकास आनंद लागुरी ने धालभूमगढ़ थाना परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर पर्व-त्योहारों को देखते हुए इलाके में लगातार गश्ती और वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान 15 नवंबर को धालभूमगढ़ थाना गेट के पास पुलिस टीम वाहनों की जांच कर रही थी। जांच के दौरान बिना हेलमेट बाइक चला रहे दो युवकों को रोका गया। पुलिस ने बाइक के कागजात मांगे, लेकिन दोनों कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। संदेह होने पर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने बाइक चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि बरामद बाइक जेएच 05 एपी 7978 को 13 नवंबर को मुड़ाकाटी गांव में आयोजित बांदना पर्व मेले से चोरी की गई थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों से गहन पूछताछ की, जिसके आधार पर दो अन्य चोरी की बाइक भी बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपित की पहचान फुदान हांसदा के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फुदान हांसदा को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया, जबकि नाबालिग के खिलाफ किशोर न्याय प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपितों के पास से बरामद मास्टर-की का इस्तेमाल बाइक का लॉक खोलने में किया जाता था। पूछताछ में उन्होंने चोरी की बाइक को पश्चिम बंगाल और ओडिशा के सीमावर्ती इलाकों में स्थित चोर बाजारों में बेचने की जानकारी दी है। जांच के दौरान बरामद एक बाइक बांसकटिया निवासी डाक विभाग के कर्मचारी पिनाकी पटनायक की बताई गई है। वहीं, तीन बरामद बाइकों में से एक के पश्चिम बंगाल के बांदवान इलाके से चोरी होने की जानकारी मिली है। पुलिस वहां दर्ज मामले की भी जानकारी जुटा रही है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को मुसाबनी, गालूडीह और कपाली क्षेत्र में सक्रिय बाइक चोर गिरोहों पर भी पहले से संदेह था। इसी को देखते हुए गिरफ्तार आरोपितों के संभावित संपर्क और अन्य गिरोहों से संबंधों की भी जांच की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि क्षेत्र में पहले हुई बाइक चोरी की कुछ घटनाओं में भी इन आरोपितों की भूमिका हो सकती है। हालांकि, दोनों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। पुलिस पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी की दूसरी घटनाओं का पता लगाने में जुटी है। कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक अजय कुमार सिंह, थाना प्रभारी धीरज कुमार मिश्रा, पुअनि प्रीतम राज, फिलिप कुजूर, चंदन मांझी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

छठ पूजा के लिए घर बंद कर जाना पड़ा महंगा, चोरों ने उड़ाए 45 हजार नकद समेत अन्य सामान



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बिश्रामपुर (पलामू)। लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान उटारी रोड थाना क्षेत्र के करकटा गांव में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर 45 हजार रुपये नकद समेत अन्य सामान की चोरी कर ली। घटना के समय घर के सभी सदस्य छठ पूजा करने सतबहिनी झरना गए हुए थे। जानकारी के अनुसार, करकटा गांव निवासी मनोज राम अपने परिवार के साथ छठ पूजा करने घर से बाहर गए थे। इसी दौरान सुनसान घर का फायदा उठाकर चोरों ने घर में प्रवेश किया और नकदी समेत अन्य सामान लेकर फरार हो गए। पूजा-अर्चना के बाद जब परिवार घर लौटा तो सामान बिखरा देखकर चोरी की जानकारी मिली। घटना से परिवार के लोग परेशान हो गए। इसके बाद पीड़ित मनोज राम ने उटारी रोड थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और अज्ञात चोरों की तलाश की जा रही है। छठ जैसे महापर्व के दौरान हुई इस चोरी की घटना से ग्रामीणों में चिंता व्याप्त है। त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के घरों से बाहर रहने के कारण बंद मकानों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

जमशेदपुर में 91 अपराधकर्मियों पर सीसीए के तहत कार्रवाई की तैयारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा



- 54 के खिलाफ निरुद्धादेश और 37 के विरुद्ध तड़ीपार की कार्रवाई प्रस्तावित-कई चर्चित हत्याकांड और फायरिंग के आरोपित भी सूची में शामिल

पूर्वी सिंहभूम । पूर्वी सिंहभूम जिले में अपराध नियंत्रण और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जमशेदपुर पुलिस ने कुख्यात एवं सक्रिय अपराधकर्मियों के खिलाफ सीसीए के तहत कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने जिले के कुल 91 अपराधकर्मियों को चिह्नित किया है। इनमें 54 के खिलाफ निरुद्धादेश और 37 के विरुद्ध तड़ीपार की कार्रवाई प्रस्तावित है। पुलिस के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य अपराधियों की गतिविधियों पर नियंत्रण के साथ विधि-व्यवस्था बनाए रखना और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एहतेशाम वकारिब की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कई चर्चित आपराधिक घटनाओं से जुड़े अपराधकर्मियों को भी सीसीए के दायरे में लाने की तैयारी है। इनमें निखार सबलोक हत्याकांड, गोलमुरी के कन्हैया यादव हत्याकांड, बिंदल मॉल फायरिंग और मानगो थाना क्षेत्र में एसआईआर कराने के नाम पर हुई लूट की घटना से जुड़े अपराधकर्मी शामिल हैं। इसके अलावा जिले में सक्रिय कुख्यात आपराधिक गिरोहों के सदस्यों के खिलाफ भी सीसीए के तहत कार्रवाई प्रस्तावित है। इनमें अखिलेश सिंह, गणेश सिंह, बिल्ला पाठक, कन्हैया सिंह, रंजीत-संजीत, हरपाल-मनप्रीत तथा मासुक-मनीष गिरोह से जुड़े अपराधकर्मी शामिल हैं। इनमें से कई अपराधकर्मी छिनतई समेत अन्य आपराधिक मामलों में भी संलिप्त रहे हैं। थानावार आंकड़ों के अनुसार, मानगो थाना क्षेत्र से सबसे अधिक अपराधकर्मी चिह्नित किए गए हैं। यहां 12 के खिलाफ निरुद्धादेश और दो के विरुद्ध तड़ीपार की कार्रवाई प्रस्तावित है। सोनारी में नौ के खिलाफ निरुद्धादेश और तीन के विरुद्ध तड़ीपार की कार्रवाई की जाएगी। बागबेड़ा और जुगसलाई में छह-छह अपराधकर्मियों के खिलाफ निरुद्धादेश प्रस्तावित है, जबकि बागबेड़ा में तीन के विरुद्ध तड़ीपार की कार्रवाई भी शामिल है। गोलमुरी में दो के खिलाफ निरुद्धादेश और सात के विरुद्ध तड़ीपार, ओलीडीह में 12 के खिलाफ निरुद्धादेश और दो के विरुद्ध तड़ीपार तथा बर्मामाइंस में दो के खिलाफ निरुद्धादेश और चार के विरुद्ध तड़ीपार की कार्रवाई प्रस्तावित है। अन्य थाना क्षेत्रों में भी चिह्नित अपराधकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जमशेदपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराध और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

निशा भगत मौत मामले की जांच सीबीआई ने संभाली, प्राथमिकी दर्ज

राष्ट्रीय मुख्यधारा



रांची। आदिवासी नेत्री निशा कुमारी भगत की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने हाथ में ले ली है। एजेंसी ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले को आरसी 0482026एस0007 नंबर दिया गया है। सीबीआई ने रांची के पिठोरिया थाने में पहले से दर्ज प्राथमिकी को दिल्ली स्थित स्पेशल क्राइम ब्रांच-1 में दोबारा दर्ज किया है। इसमें अजय तिर्की और ज्योत्सना केरकेट्टा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच शुरू होते ही सीबीआई की टीम मुख्य आरोपी अजय तिर्की के घर पहुंची और छानबीन की। सीबीआई के प्रवक्ता के अनुसार, झारखंड सरकार ने 10 नवंबर 2026 को दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (डीएसपीई) अधिनियम, 1946 की धारा 6 के तहत जांच सीबीआई को सौंपने की अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद 14 नवंबर को कार्मिक विभाग ने भी अधिसूचना जारी की। निशा भगत की 6 नवंबर 2026 को मौत हुई थी। इससे पहले उन्होंने अपने आवास से करीब 10 मिनट का फेसबुक लाइव किया था, जिसमें झारखंड सरकार, स्थानीय पुलिस-प्रशासन और जमीन के कारोबार से जुड़े कुछ लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। उन्होंने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग भी की थी। शुरुआती जानकारी में उनकी मौत को आत्महत्या बताया गया था, लेकिन उनके पिता हांदू भगत ने साजिश की आशंका जताते हुए 7 नवंबर को पिठोरिया थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि निशा को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियों, चरित्र को लेकर प्रचारित की जा रही बातों और जमीन कारोबार से जुड़े लोगों के दबाव के कारण लगातार परेशान किया जा रहा था। मामले को लेकर भाजपा ने भी आंदोलन किया था और वरिष्ठ नेताओं ने गुमला स्थित निशा के पैतृक आवास पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की थी। विवाद के बीच पिठोरिया थाना प्रभारी को निलंबित कर पुलिस लाइन भेज दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सीबीआई जांच की अनुशंसा की थी। अब केंद्रीय एजेंसी ने औपचारिक रूप से जांच शुरू कर दी है।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

छठ पर घर गुलजार तो घाट भी जगमग... बोकारो में उमड़ा आस्था का सैलाब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : प्रकृति, पवित्रता, अनुशासन और अटूट विश्वास के चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ का समापन उदीयमान भगवान भास्कर को पवित्र अर्घ्य अर्पित करने के साथ सोमवार को अत्यंत हर्षोल्लास, भक्तिभाव और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में हो गया। इस्पातनगरी बोकारो, उपनगर चास और आसपास के ग्रामीण अंचलों में इस महापर्व की अद्भुत छटा बिखरी रही। घर के आंगन से लेकर नदी और तालाबों के तट तक हर ओर आस्था का महासमुद्र हिलोरें लेता नजर आया। नन्हे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, समाज के हर वर्ग ने पूरी नियम-निष्ठा और पवित्रता के साथ आदिदेव भगवान सूर्य के प्रति अपनी कृतज्ञता निवेदित की।

इसके पूर्व, संध्याकालीन अर्घ्य के दौरान अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य देने के उपरांत, अगली सुबह पौ फटते ही उगते सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। जहां एक ओर हजारों श्रद्धालु जलाशयों पर पहुंचे, वहीं दूसरी ओर जिन व्रतियों ने अपने घरों में छठ व्रत का अनुष्ठान किया, उनके आवास भी किसी तीर्थ स्थल से कम नजर नहीं आए। किसी ने घर के परिसर में अस्थायी जलकुंड बनाकर तो किसी ने छत पर कृत्रिम सरोवर तैयार कर उसमें खड़े होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। यानी यदि शहर के घाट जगमग रोशन रहे, तो मोहल्लों के घर भी उत्सव से गुलजार बने रहे।

तड़के तीन बजे से ही बढ़े आस्था के कदम, गूंजते रहे पारंपरिक गीत- प्रातःकालीन अर्घ्य के दिन सुबह साढ़े तीन से चार बजे के बीच ही श्रद्धालुओं की टोलियां घाटों की ओर प्रस्थान करने लगीं। कांधे पर हरी-भरी लचकती ईंख, आगे-आगे माथे पर पवित्र पूजन सामग्री से सजा दउरा लिए परिजन और पीछे-पीछे नंगे पांव चलती छठव्रतियां और परिवार के सदस्य इस दृश्य को अलौकिक बना रहे थे। कोई पारंपरिक बैंड-बाजे की धुन पर झूमता हुआ घाट पहुंचा, तो कोई छठी मैया के जयकारों से दिशाओं को गुंजायमान करता रहा। कई श्रद्धालु अपनी मन्नतें पूरी होने पर सड़कों पर दंडवत प्रणाम करते हुए घाटों तक पहुंचे, वहीं अनेक सेवाभावी लोग शारीरिक अक्षमता के बावजूद व्रतियों के मार्ग को बुहारते और जल छिड़कते दिखाई दिए। गुलाबी ठंड, हल्के कोहरे और झिलमिलाती विद्युत-सज्जा तथा जगमगाते दीयों की रोशनी के बीच घाटों पर सूप और डाला सजाए



गए। अगरबत्ती, धूप और कपूर की पवित्र सुगंध ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। सूर्योदय से करीब एक घंटा पूर्व ही छठव्रती ठिठुरते पवित्र जल में प्रवेश कर हाथ जोड़े भगवान भास्कर के उदय की प्रतीक्षा में खड़े हो गए। जैसे ही पूर्वी क्षितिज पर भगवान सूर्य की अरुणिमा प्रकट हुई, लाखों आस्थावान हाथों ने दूध, जल, फल और ठेकुआ से सजे सूप के साथ उन्हें अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान शारदा सिन्हा, कल्पना पटवारी, देवी और पवन सिंह सहित लोक गायकों के सुमधुर छठ गीतों ने पूरे शहर को भक्तिरस में सराबोर कर दिया।

सिटी पार्क से गरगा और दामोदर तट तक उमड़ा जनसैलाब- महापर्व के अवसर पर बोकारो और चास के सभी प्रमुख जलाशयों पर तिल रखने तक की जगह नहीं बची थी। बोकारो शहर के सिटी पार्क छठ घाट, सेक्टर-4 एफ स्थित सूर्य मंदिर का सूर्य सरोवर, सेक्टर-3 का टू-टैंक गार्डन, सेक्टर-4 का जगन्नाथ मंदिर छठ घाट, अयप्पा मंदिर छठ घाट, सेक्टर-9 का कूलिंग पौंड, सेक्टर-12 स्थित बारी को-ऑपरेटिव मोड़ तथा सेक्टर-1 के गरगा घाट पर हजारों श्रद्धालु जुटे। इसी तरह चास के गरगा पुल छठ घाट, ऐतिहासिक सोलागीडीह तालाब, गरगा डैम, दामोदर नदी के तेलमोच्चो ब्रिज घाट तथा माराफारी के रितुडीह, बांसगोड़ा और सिवनडीह में गरगा नदी तट पर आस्था का अभूतपूर्व संगम दिखा। इस बीच तिरंगा पार्क की दूर



- उदयाचल भास्कर को अर्घ्य के साथ चारदिवसीय महापर्व संपन्न

से ही दिखने वाली भव्य और आकर्षक रोशनी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही। घाटों के बाहर खिलौनों और व्यंजनों के स्टॉल लगने तथा बच्चों की आतिशबाजी से मेले जैसा उल्लासपूर्ण दृश्य बना रहा।

मुस्तैद रहा प्रशासनिक अमला, घाटों पर तैनात रही गोताखोरों की टीम- चार दिवसीय इस महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए बोकारो जिला प्रशासन पूरी तरह जनसेवा में तत्पर रहा। उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के कुशल नेतृत्व एवं सतत निगरानी में कई दिनों पूर्व से ही व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई थी। सभी प्रमुख घाटों पर दंडाधिकारियों के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल के जवान तैनात रहे, जो हर गतिविधि पर पैनी नजर रख रहे थे। नगर निगम, नगर परिषद और जिला प्रशासन की टीमों ने मिलकर घाटों की युद्धस्तर पर साफ-सफाई और निर्बाध प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की। जलाशयों में किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए खतरनाक क्षेत्रों की बैरिकेडिंग कर सुरक्षा घेरा बनाया गया था तथा एहतियात के तौर पर प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती की गई थी। यातायात को सुगम बनाए रखने के लिए अर्घ्य के दौरान चास के धर्मशाला मोड़ से गरगा पुल तक तथा आईटीआई मोड़ से तालगड़िया मोड़ तक मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई और निर्धारित अवधि के लिए भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई। इसके अतिरिक्त सभी संवेदनशील स्थलों पर जीवन रक्षक एंबुलेंस और अग्निशमन दस्ते भी पूरी मुस्तैदी से तैनात रहे, जिससे श्रद्धालुओं ने बिना किसी असुविधा के महापर्व को संपन्न किया।

छठ घाटों पर सपरिवार घूमे डीसी-एसपी, भगवान भास्कर को किया नमन- लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ के अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने सपरिवार विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं से आत्मीय संवाद कर उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं। सेक्टर-4 स्थित सूर्य मंदिर छठ घाट पर डीसी-एसपी ने भगवान भास्कर को नमन कर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने सेक्टर-4 स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। निरीक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान युवाओं में डीसी-एसपी के साथ सेल्फी लेने का भी उत्साह दिखा। डीसी ने भी खुलकर युवकों के साथ फोटो खिंचाई। उपायुक्त श्री झा अपनी धर्मपत्नी डॉ. प्रतिमा झा तथा पुलिस अधीक्षक श्री मीणा अपनी धर्मपत्नी सुलेखा के साथ सेक्टर-1सी स्थित मॉडर्न तालाब छठ घाट पहुंचे। वहां उन्होंने पूरे श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना की तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

संक्षिप्त समाचार

बिरसा जयंती पर निर्धन विद्यार्थियों के चेहरे पर बिखेरी मुस्कान



बोकारो : जन कल्याण सामाजिक संस्था की ओर से नगर के सेक्टर-12ए में दशकों से संचालित बिरसा मुंडा निशुल्क विद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती व राज्य स्थापना दिवस का सोल्लास आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि निवारण चंद्र महतो व कुमार अमरदीप ने स्कूल के बच्चों के बीच बिस्कुट, टॉफी व कॉपी आदि का वितरण किया। संस्थापक परशुराम राम ने झारखंड राज्य के स्थापना दिवस पर प्रकाश डाला। बिरसा मुंडा के अधूरे सपनों को साकार करने का संकल्प लिया गया। मौके पर योगेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, राजीव कुमार, शंकर रजक, सियार दास, भादु लाल महतो, बबीता कुमारी, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

शांति और सौहार्द के साथ तुपकाडीह में मना छठ महापर्व



तुपकाडीह (बोकारो) : तुपकाडीह में शांति और सौहार्द के साथ छठ महापर्व मनाया गया। मानगो दामोदर नदी घाट पर शाम के समय गंगा आरती का कार्यक्रम धूमधाम से किया गया। तेनु-बोकारो नहर घाट पर लगभग एक किमी तक श्रद्धालुओं की कतार देखने को मिली। इसके साथ ही खुंटरी ओहदार बांध, ठाकुरटांड़ पत्थर खदान घाट में भी व्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किए। शनिवार और रविवार बाजार, पोखर, नदी और नहर क्षेत्र मेलास्थल में तब्दील बना रहा।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हुआ हमला : बोकारो प्रेस क्लब

पत्रकार अभिषेक भारती के खिलाफ कार्रवाई को बताया साजिश, निष्पक्ष जांच की मांग

बोकारो : राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जहां एक ओर देश भर में अभिव्यक्ति की आजादी और स्वतंत्र पत्रकारिता के मूल्यों पर चर्चा हो रही है, वहीं दूसरी ओर झारखंड में एक पत्रकार के विरुद्ध हुई दमनात्मक कार्रवाई ने झारखंड के पत्रकार जगत को झकझोर कर रख दिया है। रांची के वरिष्ठ युवा पत्रकार एवं 'भारत मित्र' के संपादक अभिषेक भारती के रांची स्थित कार्यालय में बीती रात हुई पुलिस छापेमारी और उनके खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) को लेकर बोकारो के पत्रकारों में गहरा आक्रोश है। बोकारो प्रेस क्लब ने इस पूरे प्रकरण पर कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस और प्रशासनिक कार्रवाई की कड़ी निंदा की है।

बोकारो प्रेस क्लब परिवार के सदस्यों ने एक स्वर में इस घटना की भर्त्सना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस जैसे पावन दिन पर झारखंड में एक पत्रकार के खिलाफ इस प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई कहीं न कहीं सरकारी तंत्र की तानाशाही मानसिकता को दर्शाती है। प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने इसे सीधे तौर पर स्वतंत्र पत्रकारिता और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला करार दिया है। इस मुद्दे पर झारखंड के सभी पत्रकार संगठनों ने भी एकजुटता दिखाते हुए पुलिसिया कार्रवाई के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की है।

उल्लेखनीय है कि यह पूरी पुलिसिया कार्रवाई सिमडेगा के कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर लगे गंभीर आरोपों से जुड़ी खबर के प्रसारण को आधार बनाकर की गई है। मामले के अनुसार, विधायक भूषण बाड़ा से जुड़े एक संवेदनशील प्रकरण में 14 वर्षीय नाबालिग बच्ची की शिकायत पर पुलिस में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पत्रकार अभिषेक भारती ने जनहित और सामाजिक सरोकार के तहत इस संवेदनशील मामले को सार्वजनिक करते हुए खबर प्रसारित की थी। इसके ठीक बाद खुद पत्रकार अभिषेक भारती के खिलाफ ही एक अलग प्राथमिकी दर्ज कर उनके कार्यालय में छापेमारी कर दी गई।

इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बोकारो प्रेस क्लब ने कहा कि किसी भी संवेदनशील और गंभीर मामले को समाज के सामने लाना तथा पीड़ित पक्ष की आवाज को शासन-प्रशासन और कानून तक पहुंचाना हर पत्रकार का नैतिक एवं पेशेवर कर्तव्य है। प्रेस क्लब ने गहरी आशंका जताई है कि कहीं पत्रकार अभिषेक भारती को सच उजागर करने की कीमत तो नहीं चुकानी पड़ रही है। संगठन ने स्पष्ट मांग की है कि पुलिस प्रशासन इस पहलू की भी उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच करे कि कहीं किसी राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव के तहत तो यह एकतरफा कार्रवाई नहीं की गई है।

बोकारो प्रेस क्लब ने दो-टूक शब्दों में कहा है कि यदि किसी खबर के तथ्यों या उसकी प्रस्तुति को लेकर किसी पक्ष को कोई आपत्ति थी, तो उसका जवाब लोकतांत्रिक और विधिसम्मत तरीके से दिया जाना चाहिए था। इसके विपरीत, खबर दिखाने वाले पत्रकार को ही अपराधी की तरह कठघरे में खड़ा करना और उसके दफ्तर पर छापेमारी करना किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। समय रहते समुचित और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो बोकारो के पत्रकार आंदोलन और प्रदर्शन को विवश होंगे।

बोकारो सूर्य मंदिर में श्रद्धालुओं ने की विशेष पूजा-अर्चना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: लोक आस्था के महापर्व छठ के शुभ अवसर पर सेक्टर-4एफ स्थित भव्य सूर्य मंदिर में सोमवार को भगवान सूर्य की विशेष पूजा-अर्चना की गई। सूर्य सप्तमी के पावन अवसर पर मंदिर परिसर को फूलों की मालाओं और रंग-बिरंगे विद्युत बल्बों से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जबकि भगवान सूर्य की प्रतिमा को भी भव्य रूप दिया गया था। मंदिर के पुजारी रामानंद मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान सूर्य की विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इस अवसर पर छठव्रतियों ने उदयाचलगामी भगवान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के पश्चात सीधे मंदिर पहुंचकर भगवान सूर्य की प्रतिमा के समक्ष माथा टेका और विधि-विधान से पूजा की। इसके उपरांत श्रद्धालुओं ने सामूहिक हवन



में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। पर्व को देखते हुए भास्कर सेवक समिति की ओर से विशेष व्यवस्था की गई थी, ताकि अर्घ्य देने के बाद व्रती सुगमतापूर्वक मंदिर परिसर पहुंचकर भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर सकें। इस भव्य सूर्य मंदिर में बोकारो शहर के सेक्टर-4एफ, सेक्टर-4जी, सेक्टर-5, सेक्टर-6, सेक्टर-8, सेक्टर-9 और सेक्टर-11 के अलावा दूरदराज के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में छठव्रती अपने सपरिवार पहुंचे थे। भगवान को अर्घ्य अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर में श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। अनुष्ठान को सफल बनाने और व्यवस्थाओं को संभालने में भास्कर सेवक समिति के संरक्षक चंद्र बिनोद मिश्रा, हेमंत पाठक, श्याम सुंदर मिश्र, भैरवानंद मिश्र, सूर्येश कुमार मिश्रा, तरुण मिश्रा, रवि शंकर और सीबी मिश्रा सहित कई गणमान्य श्रद्धालु एवं समिति के सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चास की किराना दुकान व जनरल स्टोर में भीषण अग्निकांड, 25 लाख का सामान जलकर नष्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास थाना क्षेत्र अंतर्गत गुजरात कॉलोनी स्थित एक किराना एवं मनिहारी दुकान में शनिवार की देर रात भीषण आग लग गई। बंद दुकान के भीतर रात भर सुलगती रही आग से दुकान में रखा लाखों रुपये मूल्य का राशन और जनरल स्टोर का सारा सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। इस हृदयविदारक घटना में दुकान संचालक उमेश प्रसाद को करीब 25 लाख रुपये की भारी आर्थिक क्षति पहुंची है।

घटना का पता रविवार की सुबह करीब छह बजे उस समय चला, जब स्थानीय राहगीरों और आसपास के लोगों ने बंद दुकान के शटर की दरारों से घना काला धुआं बाहर निकलते देखा। आनन-फानन में इसकी सूचना दुकान संचालक उमेश प्रसाद को दी गई। बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे दुकानदार ने जैसे ही दुकान का शटर ऊपर उठाया, भीतर भरी गैस और ऑक्सीजन के संपर्क में आते ही आग की विकराल लपटें बाहर की ओर भभक उठीं।

संचालक उमेश प्रसाद ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 से 11 बजे तक दुकान में सब कुछ पूरी तरह सामान्य था और वे रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। आशंका जताई जा रही है कि रात के समय ही किसी कारणवश दुकान के भीतर चिंगारी भड़की, जो बंद कमरे में धीरे-धीरे पूरे स्टॉक को अपनी चपेट में लेती रही। अग्निकांड में दुकान में रखा खाद्य तेल, आटा, चावल, दाल, मसाले, झाड़ू तथा मनिहारी से जुड़ा कीमती सामान पूरी तरह नष्ट हो गया है। इस हादसे से पीड़ित व्यवसायी की जीवन भर की जमा पूंजी स्वाहा हो गई है।

घटना की सूचना मिलते ही चास अग्निशमन विभाग का दमकल वाहन तत्काल मौके पर पहुंचा। अग्निशमन विभाग के प्रधान अग्नि चालक गिरिधर राम ने बताया कि विभाग को सुबह करीब छह बजे अग्निकांड की सूचना प्राप्त हुई थी। जब टीम घटनास्थल पर पहुंची, तो दुकान के अंदर से आग की तेज लपटें उठ रही थीं और पूरे क्षेत्र में घना धुआं फैला हुआ था।

दमकल कर्मियों ने साहस और तत्परता का परिचय देते हुए करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते आग बुझ जाने से आसपास स्थित अन्य दुकानों और रिहायशी घरों तक लपटें नहीं फैल सकीं, अन्यथा एक बड़ा हादसा हो सकता था। प्रधान अग्नि चालक के अनुसार, आग लगने के वास्तविक कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि प्रथम दृष्टया बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगने की प्रबल आशंका जताई जा रही है। प्रशासन और अग्निशमन विभाग की ओर से घटना के सही कारणों की जांच की जा रही है।

कैलकुलेटर से भी तेज चलता है विराट और विराज का दिमाग, महज 12 साल की उम्र में बनाए कई विश्व रिकॉर्ड

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गणित और सामान्य ज्ञान की जटिल गुत्थियों को पलक झपकते ही सुलझाकर देश-दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाले जुड़वां बाल प्रतिभाओं विराट माकेन और विराज माकेन ने सोमवार को बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा से उनके समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार मुलाकात की। महज 12 वर्ष की अल्पायु में अपनी विलक्षण गणितीय कौशल और अद्भुत स्मरण शक्ति से पूरे देश को अचंभित करने वाले दोनों भाइयों ने उपायुक्त को अपने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कीर्तिमानों की विस्तृत जानकारी दी। मुलाकात के दौरान जब दोनों भाइयों ने अपनी उपलब्धियों का ब्योरा साझा किया, तो उपायुक्त भी उनकी असाधारण प्रतिभा से बेहद प्रभावित नजर आए। उल्लेखनीय है कि विराट और विराज माकेन का नाम देश के प्रतिष्ठित लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2024 में दर्ज हो चुका है। इसके अतिरिक्त गणित एवं सामान्य ज्ञान की विभिन्न श्रेणियों में दोनों जुड़वां भाइयों के नाम अलग-अलग 36-36 विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं, जो किसी भी बाल प्रतिभा के लिए एक दुर्लभ उपलब्धि है।

कक्षा तीन में ही एनसीईआरटी के लाइव शो में बिखेरा था जलवा- दोनों भाइयों की इस अद्वितीय प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर भी भरपूर



- जुड़वां बाल प्रतिभाओं ने बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा से की मुलाकात
- लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है दोनों भाइयों का नाम

सम्मान मिला है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली तथा प्रधानमंत्री ई-विद्या चैनल की ओर से उन्हें 'मैथमेटिक्स जीनियस ऑफ इंडिया' की प्रतिष्ठित उपाधि से नवाजा जा चुका है। जब दोनों भाई महज कक्षा तीन में अध्ययनरत थे, तभी 11 अगस्त 2022 को उन्हें एनसीईआरटी के दिल्ली स्थित स्टूडियो में प्रधानमंत्री ई-विद्या चैनल के विशेष कार्यक्रम में लाइव शामिल होने का गौरव प्राप्त हुआ था। विराट और विराज के गणितीय कौशल की रफ्तार किसी सुपर कंप्यूटर से कम नहीं है। उनकी प्रमुख विशेषताओं में एक से लेकर एक हजार तक के पहाड़े फर्राटेदार सुनाना, निर्धारित सेकंड के भीतर कठिन पहाड़ों का उल्टे क्रम में सटीक उच्चारण करना, एक से पांच सौ तक की संख्याओं के वर्ग और घन (स्क्वायर और क्यूब) मौखिक रूप से निकालना तथा बड़ी से बड़ी संख्याओं का त्वरित गुणा करना शामिल है। अपनी इसी विलक्षण प्रतिभा के दम पर दोनों नन्हे जीनियस प्रतिष्ठित इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट (आईएसआई), कोलकाता में भी अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किए जा चुके हैं, जहां उन्होंने छह सौ से अधिक विद्यार्थियों को गणित की बारीकियों से रूबरू कराया।

जिले के बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत हैं विराट और विराज: उपायुक्त- उपायुक्त अजय नाथ झा ने दोनों जुड़वां भाइयों की उपलब्धियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उपायुक्त ने कहा कि इतनी कम उम्र में इस स्तर की असाधारण प्रतिभा और विश्व कीर्तिमान स्थापित करना न केवल परिवार और संस्थान के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह जिले और राज्य के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी एक बड़ा प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन, लगन और कठिन परिश्रम के बल पर किसी भी प्रतिभा को वैश्विक ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। बता दें कि उक्त दोनों भाइयों की प्रारंभिक शिक्षा और मुख्य निवास का स्थान रांची है।

रॉक्सी क्लब ने गरगा नदी पर बनाया कच्चा पुल, सेवा में जुटे सदस्य



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: सेक्टर-12 डी स्थित रॉक्सी क्लब की ओर से दशकों से चली आ रही परंपरा के तहत इस वर्ष भी छठ महापर्व धूमधाम और सेवा भाव के साथ मनाया गया। क्लब के सदस्यों ने श्रमदान कर सेक्टर-12 स्थित गरगा नदी में कच्चे पुल का निर्माण किया, जिससे छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को नदी पार करने में काफी सहूलियत हुई। महापर्व के दौरान पूरे घाट की साफ-सफाई कर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई थी। क्लब की ओर से विशेष सेवा शिविर लगाकर व्रतियों के बीच फल, दूध व चाय का वितरण करने के साथ-साथ निःशुल्क मेडिकल कैंप भी लगाया गया। भीड़ नियंत्रण, वाहन पार्किंग, खोया-पाया सूचना केंद्र तथा बुजुर्गों व बच्चों की सहायता के लिए क्लब के स्वयंसेवक मुस्तैद रहे। अध्यक्ष दिलीप कुमार ने कहा कि सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास से यह आयोजन सफल होता है। आयोजन को सफल बनाने में महासचिव अरुण कुमार, कोषाध्यक्ष रूपेश करमाली, संगठन कार्य मंत्री विकास कुमार, राहुल कुमार जेरी, निक्का कुमार, सबलू सिंह, सुभाष सिंह, नन्हे कुमार, अभिषेक कुमार, रितेश कुमार, रंजन कुमार, मनोज कुमार और अतुल कुमार सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

व्रतियों और श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर रहीं संस्थाएं, खूब लगे शिविर



राष्ट्रीय मुख्यधारा

छठ के दौरान इस बार भी विगत वर्षों की भांति जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए थे। हेल्पिंग हैंड्स, सूर्यमंदिर छठ घाट पूजा समिति, नवयुवक दल समिति, नवयुवक बजरंग दल अखाड़ा, श्रीश्री सार्वजनिक छठ पूजा समिति नवयुवक एवं दुकानदार संघ, फ्रेंड्स क्लब आदि संस्थाओं सहित अन्य संगठनों की ओर से भी जगह-जगह सेवा कैंप का आयोजन किया गया। उन शिविरों में व्रतियों के फल, दूध, नारियल, अगरबत्ती व अन्य पूजन सामग्रियों के साथ-साथ दूध, चाय आदि की व्यवस्था भी की गई थी। इसी कड़ी में श्रीश्री बाबा अद्भुतनाथ छठ पूजा सहयोग समिति (सेक्टर-9, बड़ा खटाल) की ओर से कूलिंग पौंड नंबर-2 स्थित छठ घाट का उद्घाटन राजद जिलाध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव ने फीता काटकर घाट का शुभारंभ किया और छठ व्रतियों की सेवा को सबसे बड़ा पुण्य बताया। समिति के अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि व्रतियों की सुविधा के लिए हर वर्ष यहां सेवा व सहयोग शिविर लगाया जाता है। इसे सफल बनाने में परशुराम यादव, संतोष गिरि, जुदागी राय, संजय राय, ललन यादव, सुरेश यादव, जितेंद्र नारायण यादव, मनोज शिंदे और राजेश कुमार सहित समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

बोकारो थर्मल में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ छठ, कोनार नदी के घाटों पर उमड़े भक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल: बोकारो थर्मल स्थित कोनार नदी के विभिन्न घाटों पर सोमवार की सुबह उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा, निष्ठा और उल्लास के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इससे पूर्व रविवार की शाम को व्रतियों और श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की थी। पर्व के दौरान बोकारो थर्मल के लोहा पुल, लहरिया टांड़, ओवरब्रिज के नीचे और बैराज के पास बनाए गए सभी छठ घाटों पर हजारों की संख्या में व्रतियों और श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।



महापर्व को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए डीवीसी प्रबंधन की ओर से घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, चाय और महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की विशेष व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही, ओवरब्रिज के नीचे वाले घाट पर स्थानीय मुखिया और प्रियदर्शिनी क्लब छठ पूजा समिति के सहयोग से काफी बेहतर और भव्य इंतजाम किए गए थे। वहीं, सोनी श्रृंगार स्टोर तथा लायंस क्लब की शाखा की ओर से भी छठ व्रतियों की सुविधा के लिए दातून, चाय, अर्घ्य के वास्ते दूध और पूजन सामग्री जैसी आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत हुई।

सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। इंस्पेक्टर रोहित कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अनि भागीरथ शर्मा, मनोज कुमार सिंह, दीपक कुमार पासवान, गार्दी बानरा, पंकज कुमार भारद्वाज और रॉकी बाबा अपनी पुलिस टीम के साथ घाटों पर डटे रहे। इसके अलावा, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में सीआईएसएफ के जवान और रेस्क्यू टीम के सदस्य भी लगातार तैनात रहे। उत्सव की पूरी व्यवस्था और देखरेख की निरंतर निगरानी के लिए डीवीसी के एचओपी मधुकर श्रीवास्तव, जीएम एचआर एए कुजूर, संदीप भगत, डॉ. एसके झा, उमेर सिद्दीकी, शिव कुमार ओझा, दीना नाथ शर्मा और भैरव महतो समेत कई अन्य वरीय अधिकारी घाटों पर मौजूद रहकर हर गतिविधि का जायजा लेते नजर आए।

संक्षिप्त समाचार

आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो.सुकुमार मिश्रा को एनपीएससी एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड

पावर इंजीनियरिंग में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रो. सिवाजी चक्रवर्ती के साथ संयुक्त रूप से मिलेगा सम्मान

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



धनबादः आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा को प्रतिष्ठित नेशनल पावर सिस्टम्स कॉन्फ्रेंस (एनपीएससी) एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड 2026 के लिए चुना गया है। पावर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें प्रो. सिवाजी चक्रवर्ती के साथ संयुक्त रूप से यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। अवार्ड कमेटी ने दोनों के नामों पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई है, जिसे एनपीएससी की स्टीयरिंग कमेटी ने भी मंजूरी दी है। 12 दिसंबर को आईआईटी पटना में आयोजित 24वें नेशनल पावर सिस्टम्स कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह में दोनों शिक्षाविदों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और सांकेतिक नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। सम्मेलन का आयोजन 12 से 14 दिसंबर तक आईआईटी पटना और ईस्टर्न रीजनल लोड डिस्पैच सेंटर (ईआरएलडीसी), ग्रिड-इंडिया की ओर से किया जा रहा है। इसका विषय 'टुवर्ड्स अ रेजिलिएंट एंड सस्टेनेबल एनर्जी एंड ट्रांसपोर्टेशन इकोसिस्टम' है। पावर सिस्टम, पावर क्वालिटी, स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजी और रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में प्रो. मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। तीन दशकों से अधिक के अकादमिक एवं शोध अनुभव के कारण उनकी पहचान देश के अग्रणी विशेषज्ञों में है। वर्ष 2026 में प्रो. मिश्रा को कई प्रतिष्ठित सम्मानों के लिए चुना गया है। इससे पहले 15 सितंबर को उन्हें ओडिशा इंजीनियर्स फोरम की ओर से विश्वेश्वरैया अवार्ड 2026 प्रदान किया गया था। वहीं, 22 नवंबर को नई दिल्ली में पद्म विभूषण डॉ. मुरली मनोहर जोशी लीजेंडरी टीचर्स अवार्ड 2026 से सम्मानित किया जाएगा। नवंबर 2024 में उन्हें आईईईई पावर एंड एनर्जी सोसाइटी के बेंगलुरु चैप्टर का हिंगोरानी अवार्ड मिला था। वर्ष 2025 में उन्हें आईईईई और एशिया-पैसिफिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एसोसिएशन का फेलो भी चुना गया था। एनपीएससी एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड को प्रो. मिश्रा की अकादमिक उत्कृष्टता और इंजीनियरिंग अनुसंधान में उनके दीर्घकालीन योगदान की महत्वपूर्ण पहचान माना जा रहा है। इससे आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की प्रतिष्ठा भी और मजबूत होगी।

रेलवे लाइन के समीप संदिग्ध परिस्थितियों में मिला अधिवक्ता आदित्य केसरी का शव

हीरापुर प्रोफेसर कॉलोनी के रहने वाले थे, विनोद नगर में रेलवे ट्रैक के पास मिला शव; अधिवक्ता जगत में शोक

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



धनबादः धनबाद थाना क्षेत्र के हीरापुर प्रोफेसर कॉलोनी निवासी अधिवक्ता आदित्य केसरी का शव रविवार सुबह विनोद नगर स्थित रेलवे लाइन के समीप संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि आदित्य केसरी ट्रेन की चपेट में आ गए होंगे। हालांकि, उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। सूचना मिलने पर आरपीएफ और धनबाद थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे। आदित्य केसरी प्रतिष्ठित अधिवक्ता परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता भी वकालत के पेशे से जुड़े थे, जिनका पूर्व में निधन हो चुका है। उनके बड़े भाई धनबाद के जाने-माने अधिवक्ताओं में शामिल हैं, जबकि उनकी पत्नी भी पिछले डेढ़ वर्षों से वकालत कर रही हैं। घटना की खबर से अधिवक्ता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

छठ पूजा के दौरान बंद घर में लाखों की चोरी, 46 हजार नकद समेत छह लाख के जेवरात ले उड़े चोर

बरवाअड्डा के फुफुआडीह हाजरा टोला की घटना, संध्या अर्घ्य देने भाई के घर गए थे गृहस्वामी



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन **धनबादः** छठ महापर्व के दौरान चोरों ने एक बंद आवास को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी कर ली। घटना बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के फुफुआडीह हाजरा टोला की है। यहां चंदन साव के घर का ताला तोड़कर चोरों ने 46 हजार रुपये नकद समेत छह लाख रुपये से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब तीन बजे चंदन साव घर में ताला लगाकर संध्या अर्घ्य देने अपने भाई के घर जोड़ापीपल गए थे। इसी दौरान चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाया। चोरों ने पहले मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और फिर अंदर के दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। इसके बाद गोदरेज की अलमारी में रखे 46 हजार रुपये नकद और छह लाख रुपये से अधिक के सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। शाम को घर लौटने पर चंदन साव ने मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखा। अंदर जाने पर घर का सामान बिखरा मिला और अलमारी से नकदी व आभूषण गायब थे। इसके बाद उन्होंने बरवाअड्डा पुलिस को घटना की सूचना दी। छठ महापर्व के दौरान हुई चोरी की इस घटना से इलाके के लोगों में चिंता है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गृहस्वामी ने पुलिस से चोरी गए सामान की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

डुमरी में मुख्य सचिव अशोक कुमार ने सपरिवार मनाया छठ



डुमरीः लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ को मनाने के लिए मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अशोक कुमार सपरिवार डुमरी पहुंचे। डुमरी आगमन पर एसडीएम राजेंद्र प्रसाद गुप्ता और सीओ शशिभूषण वर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार और डुमरी थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार सदलबल उपस्थित थे। श्री कुमार ने जमुनिया नदी छठ घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य और उदयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस अवसर पर उनके बड़े भाई परमेश्वर बरनवाल सहित परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे।

वेतन, बोनस और एचपीसी दर की मांग को लेकर आउटसोर्सिंग मजदूरों ने किया चक्का जाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

कतरास (धनबाद): गोविंदपुर एरिया-3 अंतर्गत महेशपुर कोलियरी में संचालित श्री इंफ्रा आउटसोर्सिंग कंपनी के कथित मनमाने रवैये के खिलाफ रविवार को मजदूरों का आक्रोश फूट पड़ा। वेतन भुगतान में अनियमितता, बोनस नहीं मिलने और एचपीसी (उच्चाधिकार प्राप्त समिति) की निर्धारित मजदूरी दर का पालन नहीं किए जाने से नाराज कंपनी के ड्राइवर, ऑपरेटर और हेल्परों ने सुबह करीब साढ़े नौ बजे काम का पूर्ण बहिष्कार करते हुए चक्का जाम कर दिया। आक्रोशित मजदूरों ने कंपनी परिसर में प्रदर्शन कर प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके कारण करीब दो घंटे तक आउटसोर्सिंग का कामकाज पूरी तरह ठप रहा। आंदोलनरत मजदूरों का आरोप है कि कंपनी पिछले एक वर्ष से उनका आर्थिक शोषण कर रही है। उन्हें न तो समय पर वेतन दिया जाता है और न ही निर्धारित राशि का पूरा भुगतान होता है। बिना किसी उचित कारण के हाजिरी काटकर वेतन में कटौती करना कंपनी की आदत बन गई है। मजदूरों ने कहा कि इस संबंध में कई बार प्रबंधन से शिकायत की गई, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे रंजीत ग्याली ने बताया कि दुर्गापूजा के दौरान कंपनी ने दो दिवसीय राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर छुट्टी दी थी, लेकिन वेतन भुगतान के समय एक दिन की हाजिरी काट ली गई। इसी तरह दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर मजदूरों ने ड्यूटी की, लेकिन इसके बावजूद उन्हें उस दिन का भुगतान नहीं किया गया। मजदूरों की मांग है कि राष्ट्रीय अवकाश के दिन या तो सवेतन छुट्टी दी जाए अथवा



काम कराने की स्थिति में डबल हाजिरी का भुगतान किया जाए। मजदूरों ने बोनस भुगतान में भी वादाखिलाफी का आरोप लगाया। उनका कहना है कि प्रबंधन ने दुर्गापूजा बोनस दीपावली के अवसर पर देने का आश्वासन दिया था, लेकिन दुर्गापूजा और दीपावली बीतने के बाद छठ पर्व के दौरान भी बोनस का भुगतान नहीं किया गया। बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक बोनस की राशि नहीं मिली है। मजदूरों ने सबसे गंभीर मुद्दा एचपीसी के निर्धारित मानदंडों के उल्लंघन को बताया। उनका कहना है कि आठ घंटे की जोखिमपूर्ण ड्यूटी करने के बावजूद उन्हें एचपीसी द्वारा निर्धारित दर से काफी कम दैनिक मजदूरी दी जा रही है। इस अनियमितता के खिलाफ पिछले एक वर्ष से आवाज उठाई जा रही है, लेकिन प्रबंधन ने अब तक कोई ठोस पहल नहीं की। इसके अलावा हाजिरी में गड़बड़ी कर मजदूरों के वेतन में कटौती किए जाने का भी आरोप लगाया गया। आंदोलनरत कर्मियों ने यह भी कहा कि हेवी ब्लास्टिंग अथवा अन्य कारणों से बाहरी तत्वों या स्थानीय लोगों द्वारा प्रदर्शन कर जबरन कंपनी का काम बंद करा दिया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में काम बंद रहने का आर्थिक नुकसान भी मजदूरों के वेतन से कटौती कर पूरा किया जाता है, जबकि इस मामले में मजदूरों की कोई भूमिका नहीं होती। मजदूरों ने स्पष्ट कहा कि जब तक प्रबंधन उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करता, तब तक चक्का जाम जारी रहेगा और उत्पादन कार्य ठप रहेगा। इधर, करीब दो घंटे तक चले आंदोलन के बाद सुबह साढ़े ग्यारह बजे कंपनी प्रबंधन ने हस्तक्षेप किया। प्रबंधन ने सभी आंदोलनरत मजदूरों को वार्ता के लिए बुलाया और उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल करते हुए समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद मजदूरों ने आंदोलन समाप्त कर काम पर लौटने का निर्णय लिया। उनके काम पर लौटने के साथ ही आउटसोर्सिंग का कार्य पुनः शुरू हो गया। प्रदर्शन में अजय मोदी, रमेश साव, शंभू महतो, शंभू कुमार गोप, लखन चौहान, टिंकू ग्याली, कन्हाई बाउरी, संजोक चौहान, प्रभु चौहान, बिनोद रजक, मनोज कुमार, चंदन चौहान, मनोरंजन पाण्डेय, रंजीत रजक, ननका पासी, संतोष यादव, कुल महतो, विजय चौहान, गौतम अनिरुद्ध सिंह समेत बड़ी संख्या में मजदूर शामिल थे।

- **दो घंटे तक ठप रहा कामकाज, प्रबंधन के आश्वासन पर काम पर लौटे कर्मी**

झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर सभी पंचायतों में आवास योजना के तहत कराया गया 'गृह प्रवेश कार्यक्रम'



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबादः झारखंड राज्य स्थापना दिवस (15 नवंबर 2026) के पावन अवसर पर धनबाद जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी प्रखंडों की विभिन्न पंचायतों में आवास योजना के अंतर्गत नवनिर्मित आवासों के लाभुकों के लिए विशेष 'गृह प्रवेश कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंचायत स्तर पर आयोजित समारोहों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों , प्रखंड समन्वयकों तथा बड़ी संख्या में आवास योजना के लाभुकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ फीता काटकर व नारियल फोड़कर लाभुकों को उनके नए पक्के मकानों में गृह प्रवेश कराया। साथ ही, लाभुकों को आवास की प्रतीकात्मक चाबी और प्रशस्ति पत्र भी सौंपे गए। समारोह को संबोधित करते हुए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस के ऐतिहासिक दिन पर जरूरतमंद परिवारों को अपना पक्का आवास मिलना उनके जीवन में सम्मान, सुरक्षा और खुशहाली की नई शुरुआत है। प्रशासन का लक्ष्य है कि योजना के तहत शेष पात्र लाभुकों का आवास निर्माण कार्य भी शीघ्र पूर्ण कर उन्हें लाभान्वित किया जाए। अपने सपनों का पक्का घर पाकर लाभुकों एवं उनके परिजनों में खासा उत्साह देखा गया। लाभुकों ने इस सौगात के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी हुए सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार झारखंड राज्य स्थापना दिवस एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के पावन अवसर पर रविवार को धनबाद जिले के विभिन्न प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों में गरिमामयी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रखंड विकास पदाधिकारियों , अंचलाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा कार्यालय कर्मियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित पदाधिकारियों और वक्ताओं ने धरती आबा के अदम्य साहस, संघर्ष और झारखंड के निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया। इस विशेष अवसर पर अलग झारखंड राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिले के झारखंड आंदोलनकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। प्रखंड एवं अंचल प्रशासन की ओर से सभी आंदोलनकारियों को शॉल, स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके त्याग और समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। समारोह को संबोधित करते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के लंबे संघर्ष और बलिदान के परिणामस्वरूप ही आज हमें यह राज्य प्राप्त हुआ है। राज्य के सर्वांगीण विकास और भगवान बिरसा मुंडा के सपनों का झारखंड बनाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के दौरान माननीय जनप्रतिनिधि समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, समाजसेवी और कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबादः लोक आस्था, श्रद्धा, पवित्रता और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही संपन्न हो गया। इस अवसर पर पूरे कोयलांचल में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। अहले सुबह से ही धनबाद, झरिया, कतरास, सिंदरी, निरसा, गोविंदपुर, बरवाअड्डा, बलियापुर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर होते ही छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। चारों ओर छठी मैया के पारंपरिक गीतों, शंखध्वनि और भगवान सूर्य के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। छठ व्रतियों ने नदी, तालाब और विभिन्न जलाशयों में उतरकर पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ उदीयमान सूर्यदेव को दूध और पवित्र जल से



अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान व्रतियों ने भगवान भास्कर एवं छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाली और समाज के कल्याण की कामना की। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने छठी मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार के सदस्यों और समाज के लोगों के बीच प्रसाद वितरित किया।

- **कोयलांचल के विभिन्न छठ घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, छठी मैया के गीतों से भक्तिमय हुआ वातावरण**

इससे पूर्व रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित करने के बाद सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। छठ घाटों पर रंग-बिरंगे परिधानों में सजे व्रती और उनके परिजन पूजा की पारंपरिक सामग्रियों से सजे दउरा और सूप लेकर पहुंचे थे। घाटों पर केले के घौद, नारियल, ठेकुआ, कसार, मौसमी फल और अन्य पूजन सामग्रियों से सजे सूप और दउरा छठ की पारंपरिक संस्कृति और लोक आस्था की छटा बिखेर रहे थे। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत के अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने पारण कर व्रत का समापन किया। घरों में भी पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण किया गया। छठ घाटों पर श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। कई स्थानों पर सामाजिक संगठनों और स्थानीय समितियों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। इस प्रकार चार दिनों तक चले नहाय-खाय, खरना, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ कोयलांचल में छठ महापर्व का उल्लासपूर्ण समापन हुआ। श्रद्धा, संयम, स्वच्छता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देने वाला यह महापर्व एक बार फिर लोगों के मन में भक्ति, विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर गया।

अनुवा अकादमी में 'वाइड कैनवास' कला शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



धनबादः छठ पूजा एवं 26वें झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर अनुवा अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स, बैंक मोड़ की ओर से एक दिवसीय विशेष कला शिविर 'वाइड कैनवास' का आयोजन किया गया। ISO 9001:2015 प्रमाणित यह अकादमी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण कला शिक्षा के साथ रचनात्मक मंच प्रदान कर रही है। शिविर में कक्षा एक से पांच तक के 15 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी कल्पनाओं को 15 आकर्षक कलाकृतियों के रूप में कैनवास पर उकेरा। बच्चों ने वाटर कलर और एक्रेलिक रंगों के माध्यम से छठ पूजा में सूर्यदेव को अर्घ्य देने के दृश्य तथा झारखंड की संस्कृति एवं स्थापना दिवस को जीवंत रूप दिया। इस अवसर पर अकादमी के निदेशक डॉ. विक्टर घोष ने 'जय झारखंड, जय जोहार' थीम पर विशेष चित्र बनाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। अध्यक्ष श्रीमती अनुवा घोष ने कहा कि कला बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। वहीं, संस्थापक एवं निदेशक डॉ. विक्टर घोष ने कहा कि 'वाइड कैनवास' बच्चों की रचनात्मक सोच को विस्तार देने का मंच है। कला के माध्यम से महापर्व और झारखंड के गौरव को प्रस्तुत करना बच्चों में संस्कार और सांस्कृतिक चेतना विकसित करता है। शिविर में बच्चों ने भी अपनी संस्कृति पर चित्र बनाने का अनुभव साझा करते हुए खुशी जताई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

18 नवंबर को सभी मतदान केंद्रों पर लगेगा 'एक और अवसर कैंप'

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबादः झारखंड विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) 2026 के तहत मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं समावेशी बनाने के उद्देश्य से 18 नवंबर को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर 'एक और अवसर कैंप' का आयोजन किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आयोजित यह शिविर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इस कैंप में तीन श्रेणियों के पात्र भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का अवसर मिलेगा। इनमें ASDD सूची में चिह्नित पात्र नागरिक, दूसरी बार नोटिस मिलने के बावजूद उपस्थित नहीं हो पाने वाले नागरिक तथा एक अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके वैसे युवा शामिल हैं, जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुआ है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह

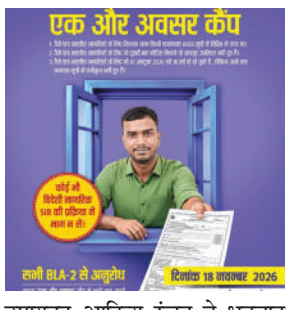

उपायुक्त आदित्य रंजन ने धनबाद जिले के सभी राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (BLA-2) से कैंप में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की अपील की है। उन्होंने एजेंटों से अपने मतदान केंद्र क्षेत्र में एक अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं की सूची संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, ताकि उनका मतदाता के रूप में पंजीकरण सुनिश्चित किया जा सके। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस प्रक्रिया में कोई भी विदेशी नागरिक भाग नहीं ले सकता। आयोग का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो। जिला प्रशासन ने सभी पात्र नागरिकों से 18 नवंबर को अपने नजदीकी मतदान केंद्र पहुंचकर इस विशेष अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। मतदाता सूची से संबंधित जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950, टोल फ्री नंबर 18003311950 तथा आधिकारिक वेबसाइट ceo.jharkhand.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

- **पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मिलेगा मौका, सुबह 11 से शाम 4 बजे तक चलेगा शिविर**

बकाया वेतन भुगतान नहीं होने पर ऊर्जा मित्र संघ करेगा अर्धनग्न प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



धनबादः झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ ने बकाया वेतन भुगतान और गलत बिजली बिलिंग के विरोध में आंदोलन का ऐलान किया है। सोमवार को आमंत्रण ग्रीन्स, धैया स्थित प्रधान कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में संघ के संस्थापक सह प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुशवाहा ने बताया कि ऊर्जा मित्रों का छह से सात माह का वेतन बकाया है। वहीं, कुछ कर्मियों को 23 से 24 माह से वेतन नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिलिंग एजेंसी फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड टेबल रीडिंग के नाम पर ऊर्जा मित्रों की बिलिंग आईडी का दुरुपयोग कर गलत बिजली बिल जारी कर रही है। इससे उपभोक्ताओं और ऊर्जा मित्रों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। कई स्थानों पर कहासुनी के साथ मारपीट की घटनाएं भी सामने आई हैं। संघ ने झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (JBVNL) और संबंधित बिलिंग एजेंसी को समस्याओं के समाधान के लिए 17 नवंबर तक का अंतिम अल्टीमेटम दिया है। मांगें पूरी नहीं होने पर 18 नवंबर को अर्धनग्न प्रदर्शन किया जाएगा। संघ ने प्रस्तावित आंदोलन के कारण आम लोगों को होने वाली असुविधा के लिए खेद जताया है। प्रेस वार्ता में महासचिव मनोवर खान, रोहित साव, सलीम अंसारी, अशरफ अली अंसारी सहित अन्य ऊर्जा मित्र उपस्थित थे।

- **17 नवंबर तक का अल्टीमेटम, 18 नवंबर से आंदोलन की चेतावनी**

संक्षिप्त समाचार

विधायक भूषण बाड़ा मामले में जनजातीय आयोग ने लिया संज्ञान, सात दिन में मांगी रिपोर्ट



रांची। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ नाबालिग से कथित दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज होने के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 338क के तहत मामले की जांच करने का निर्णय लेते हुए झारखंड के मुख्य सचिव, रांची के उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी किया है। आयोग ने तीनों अधिकारियों से नोटिस प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर आरोपों और अब तक की गई कार्रवाई पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने पर आयोग दीवानी न्यायालय की शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है। ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से या प्रतिनिधि के माध्यम से आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन भी जारी किया जा सकता है।

गिरी तालाब छठ घाट पर पंडाल गेट का विधिवत उद्घाटन, व्रतियों के बीच फल का वितरण



कुजू। छठ महापर्व के पावन अवसर पर रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या चार स्थित दिगवार गिरी तालाब छठ घाट पर बने पंडाल गेट का विधिवत उद्घाटन किया गया। वार्ड पार्षद अरुण कुशवाहा, सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी एवं पूर्व वार्ड पार्षद कुलदीप कुशवाहा ने संयुक्त रूप से पूजा-अर्चना कर फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान छठ पूजा समिति के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति में छठ महापर्व धूमधाम और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।इस अवसर पर छठ पूजा समिति की ओर से व्रतियों के बीच सेब, केला, नारियल, संतरा, गाजर, मूली, कटारी, हल्दी सहित विभिन्न पूजन सामग्री एवं फलों का वितरण किया गया। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग किया।मौके पर दिवाकर गिरी, रमाशंकर कुशवाहा, विजय गिरी, द्वारका प्रसाद भंडारी, जगदीश महतो, दशरथ महतो, धनु महतो, रवि कुशवाहा, परमेश्वर सिंह, अजय कुशवाहा, अमरेश गिरी, जयद्रथ, राहुल गिरी, मुकेश कुशवाहा, दिलीप कुशवाहा, पंकज कुशवाहा, संजीव कुशवाहा, प्रभाकर कुशवाहा, शंकर कुशवाहा, वीरेंद्र मेहता, लाल कुशवाहा, आकाश कुशवाहा एवं विनोद प्रसाद सहित कई लोग उपस्थित थे।

भाजपा ने बिरसा चौक पर मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए, जनजातीय समाज के स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प



कुजू। भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ नगर परिषद इकाई की ओर से रविवार को फोरलेन स्थित पैंकी बिरसा चौक पर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष संजय साह ने की। संचालन महामंत्री मंजू देवी तथा धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष रंजीत प्रसाद साह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री राजू चतुर्वेदी उपस्थित थे।

मौके पर सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, तपस्या और बलिदान युगों-युगों तक राष्ट्र की चेतना को आलोकित करता रहेगा। उनके आदर्शों को केवल स्मरण करना ना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारना भी जरूरी है। जनजातीय समाज के स्वाभिमान, अधिकार, शिक्षा, समृद्धि और विकास के संकल्प को एकजुट होकर आगे बढ़ाना ही धरती आबा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कार्यक्रम में पूर्व नगर परिषद प्रत्याशी प्रिया करमाली, वार्ड पार्षद संदीप प्रसाद साह, जिला मंत्री सुनील प्रसाद साह, विनोद प्रसाद, युवा नेता रवि कुशवाहा, प्रमोद यादव, अनिल यादव, रामसहाय बेदिया, रेखा बेदिया, कमलेश बेदिया, उमेश प्रसाद साहू, हरिचरण गिरी, दुर्योधन यादव, राजेश प्रजापति, रामचल मुंडा, पवन मुंडा, अजय कुशवाहा, राहुल गिरी, सुबोध प्रसाद साह एवं लाल कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस विधायक पर दुष्कर्म के आरोप और मीडिया संस्थान पर छापेमारी से उपजा विवाद



रांची : कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर एक आदिवासी नाबालिग के साथ दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगने के बाद राज्य की राजनीति और मीडिया जगत में हड़कंप मच गया है। इस मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब झारखंड पुलिस की एक टीम ने, अरगोड़ा पुलिस के सहयोग से, हरमू स्थित एक स्थानीय मीडिया चैनल के दफ्तर पर रविवार शाम छापेमारी की। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान वहां मौजूद कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जिनमें माइक आईडी से लेकर ट्राईपॉड तक शामिल थे, जब्त कर लिए गए। पुलिस की इस छापेमारी की खबर मिलते ही पूर्व सांसद दीपक प्रकाश सहित भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और पुलिस की कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस मूल मामले के आरोपी विधायक के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, खबर उजागर करने वाले पत्रकार को प्रताड़ित कर रही है। भाजपा ने इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला बताया और मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की। इस घटना के विरोध में सोमवार को रांची प्रेस क्लब में विभिन्न पत्रकार संगठनों की एक आपात बैठक हुई। बैठक में मौजूद पत्रकारों ने पुलिस की इस कार्रवाई की तीखी निंदा की और इसे मीडिया को डराने-धमकाने का प्रयास बताया। पत्रकार संगठनों का एक शिष्टमंडल जल्द ही पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से मिलकर इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपने की योजना बना रहा है, जिसमें प्रेस की सुरक्षा और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। उधर, सिमडेगा विधानसभा सीट से दूसरी बार विधायक चुने गए भूषण बाड़ा ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इन्हें झूठा और भ्रामक बताया है। उनका कहना है कि यह उन्हें बदनाम करने की एक राजनीतिक साजिश है। इस बीच, सिमडेगा के पतराटांड़ थाने में एक नया मामला दर्ज किया गया है, जिसमें एक डिजिटल कंटेंट क्रिएटर सहित दो लोगों पर पीड़िता का अपहरण करने और उसे विधायक के खिलाफ झूठा बयान देने के लिए मजबूर करने का आरोप लगा है। यह शिकायत लड़की के दादा ने दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों लोगों ने तीन दिन पहले उनकी पोती का अपहरण किया और उस पर विधायक के खिलाफ दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाने के लिए दबाव डाला। पुलिस अब इस पहलू की भी जांच कर रही है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ देने के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ सम्पन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा



गोला | प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लोक आस्था का महा पर्व छठ शुक्रवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ देने के साथ धूमधाम से संपन्न हो गया। इस अवसर पर गोला, मगनपुर, चोकाद, बेटुलकला, संग्रामपुर, सोसो कलां, कुम्हरदगा, पूरबडीह, सुतरी, रकुवा, बन्दा चाड़ी, हुप्पु, तोयर, बरियातु, साड़म, नावाडीह, सरगडीह, बरलंगा, उपरबरगा, हेमतपुर सोसोखुर्द, महलीडीह, जांगी आदि गांवों के विभिन्न छठ घाटों में डीजे के धुन एवं छठ मया की लोकसंगीत एवं विद्युत साजसज्जा आकर्षण का केन्द्र रहा। प्रखंड प्रशासन, स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों द्वारा विभिन्न छठ घाटों की अच्छी तरह से साफसफाई कराई गई थी। ताकि छठ व्रतियों के साथ साथ आनेवाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना ना करना पड़े। विद्युत साज सजावट भारतीय साउंड के संचालक संजय रवानी द्वारा किया गया था। जिससे गोला रजरप्पा चौक, गोमती नदी जगमगा उठा। रजरप्पा चौक गोमती नदी छठ घाट में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सूर्यदेव पूजा समिति के सदस्यों के द्वारा रजरप्पा चौक गौमती नदी छठ घाट में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सूर्यदेव पूजा समिति द्वारा भगवान सूर्य की पूजा अर्चना की गई। छठव्रतियों ओर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए थाना प्रभारी अभिषेक कुमार द्वारा चाय की व्यवस्था की गई थी। मौके पर जनार्दन पाठक, सुशील कुमार बुधिया उर्फ मुन्ना सेठ, शंकर अग्रवाल,जितेंद्र साहू, विजय अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल सहित सूर्यदेव पूजा समिति के अध्यक्ष संतोष सोनी, सचिव अनुप ओझा, सांसद प्रतिनिधि सह समिति कोषाध्यक्ष सूरज वर्मा, युवा आजसू जिला प्रभारी एवं समिति सह सचिव विशु रजवार, बजरंग रवानी, निहार रंजन, ओमप्रकाश कुमार, उज्ज्वल चक्रवर्ती, उपाध्यक्ष प्रीत नायक सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।ल।छठ व्रतियों के बीच स्टॉल लगा कर फल, दूध तथा माला का वितरण भी कई समाजसेवियों द्वारा किया गया।वही विधि व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए बीडीओ संध्या वर्मा, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सदल बल सभी घाटों में मौजूद थे।

एससी-एसटी-ओबीसी काउंसिल ने मनाई भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती



राष्ट्रीय मुख्यधारा

- कार्यक्रम में उनके संघर्ष और विचारों को किया याद, बताए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

कुजू। एससी-एसटी-ओबीसी इंप्लाइज कोऑर्डिनेशन काउंसिल के क्षेत्रीय कार्यालय कुजू में शनिवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीसीएल के वरीय अधिकारी (मानव संसाधन) सतीश कुमार केसरी उपस्थित थे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में कोल इंडिया ओबीसी काउंसिल के अध्यक्ष राजकुमार महतो शामिल हुए।इस अवसर पर अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचार और संघर्ष आज भी समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने उनके बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।ौके पर सीसीएल के कार्यकारी अध्यक्ष सह कुजू क्षेत्रीय सचिव संजय कुमार, क्षेत्रीय अध्यक्ष मिश्रलाल मुंडा, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष सह तोपा कोलियरी शाखा अध्यक्ष बिगन राम, पुंडी परियोजना शाखा सचिव प्रकाश कुमार, बापी मांझी, दीपक कुमार एवं महेंद्र मुंडा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डुमरी में उदयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ का समापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा



डुमरी: लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन सोमवार को उदयमान भगवान भास्कर को अर्घ्यदान के साथ हो गया। 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद व्रतियों ने पारण के दिन अल्पाहार ग्रहण किया। रविवार की संध्या को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया था। प्रखंड के सभी छठ घाटों पर स्थानीय छठ पूजा समितियों की ओर से साफ-सफाई, प्रकाश, साज-सज्जा और साउंड की व्यवस्था की गई थी। पर्व में किसी प्रकार का व्यवधान न हो, इसके लिए डुमरी थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार और एसआई गोपाल कृष्ण सदलबल बेसिक स्कूल समीप एनएच-19 पर व्रतियों व श्रद्धालुओं को सुरक्षित सड़क पार कराने में सक्रिय रहे। वहीं निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार सदलबल अपने थाना क्षेत्र में सक्रिय रहे। उदयमान सूर्य को अर्घ्यदान के बाद सुहागिन महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर कुशल काया और सम्पन्नता की कामना की। इस दौरान व्रतियों व महिलाओं ने दुर्गा मंदिर, शिव मंदिर, पार्वती मंदिर, सूर्य मंदिर एवं शनि मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। अरगाघाट के बुढ़िया नदी छठ घाट, पम्पू तालाब छठ घाट, डुमरी के हेठटोला छठ घाट, अतकी के केन्दुवाडीह छठ घाट सहित डोमाबारा, लक्ष्मणटुंडा, चैनपुर, रोशनाटुंडा, पोरदाग, कुलगो, भरखर, निमियाघाट, नगरी, पडरियाटांड़, ताम्बागुडियों, तेलखारा, चंदनाडीह, जीतकुंडी, घावाटांड़ आदि विभिन्न घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने उदयमान सूर्य को अर्घ्य देकर अपने व अपने परिवार की समृद्धि, खुशहाली व आरोग्यता की कामना की। घाटों पर व्रतियों के साथ बुजुर्गों और बच्चों में काफी उमंग व उत्साह देखा गया। ध्वनि विस्तारक यंत्रों से बजने वाले छठ गीतों और महिलाओं द्वारा गाए जाने वाले लोकगीतों से पूरा क्षेत्र छठमय हो गया था। श्रद्धालुओं ने पारण के दिन व्रतियों के घरों में जाकर छठ का प्रसाद ग्रहण किया। इधर पारसनाथ रेलवे स्टेशन प्रांगण में नवभारत संघ द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सूर्यदेव की रथ पर सवार आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई थी। विभिन्न छठ घाटों पर सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा फल-दूध का वितरण भी किया गया।

सक्सेसप्लस कोचिंग क्लास में जनजातीय गौरव दिवस एवं झारखंड स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा



- भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और आदर्शों को किया गया याद, विद्यार्थियों को राज्य के विकास में योगदान देने के लिए किया प्रेरित

रामगढ़। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत के तत्वावधान में रांची रोड स्थित सक्सेसप्लस+ कोचिंग क्लास में शनिवार को जनजातीय गौरव दिवस एवं झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, मां सरस्वती एवं भगवान बिरसा मुंडा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष, बलिदान और ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा का संघर्ष जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और जनजातीय स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर झारखंड की स्थापना के ऐतिहासिक महत्व, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं एवं गौरवशाली विरासत पर भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी के माध्यम से राज्य एवं राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत के युवा कार्यकर्ता नितेश कुमार मोदी, शिक्षिका सुमन सोनी, अनिरुद्ध प्रताप जायसवाल, ममता कुमारी, पीयूष मिश्रा, प्रियांशी कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

छठ घाट पर सेवा की मिसाल बने जगेश्वर रजवार, श्रद्धालुओं के बीच बांटी चाय-बिस्कुट और पेयजल

राष्ट्रीय मुख्यधारा



- कई वर्षों से निजी खर्च पर कराते हैं घाट की साफ-सफाई, छठ के दिन श्रद्धालुओं की सेवा के लिए खुद रहते हैं मुस्तैद

गोला : लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर गोला प्रखंड के हेमतपुर गांव स्थित गोमती नदी छठ घाट पर समाजसेवा और समर्पण की अनूठी मिसाल देखने को मिली। छठ घाट पर अर्घ्य देने पहुंचे छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं एवं अन्य लोगों की सुविधा के लिए पूर्व वार्ड सदस्य सह समाजसेवी जगेश्वर रजवार की ओर से चाय, बिस्कुट एवं पेयजल की व्यवस्था की गई। सेवा भाव के साथ श्रद्धालुओं के बीच इन सामग्रियों का वितरण किया गया। इस नेक पहल में मानकी महथा ने भी सक्रिय सहयोग दिया। गौरतलब है कि जगेश्वर रजवार पिछले कई वर्षों से छठ महापर्व के दौरान लगातार सेवा कार्य करते आ रहे हैं। उनकी पहल केवल पूजा के दिन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पर्व से पहले ही घाट और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों की साफ-सफाई अपने निजी खर्च से करवाते हैं। इसके लिए ट्रैक्टर की व्यवस्था करने के साथ स्वयं भी ग्रामीणों के साथ श्रमदान करते हैं। वहीं छठ के दिन घाट पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और जलपान की व्यवस्था कर उनकी सेवा में जुटे रहते हैं। जगेश्वर रजवार ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता और सेवा का प्रतीक है। घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिले और किसी को परेशानी न हो, इसी उद्देश्य से हर वर्ष अपनी क्षमता के अनुसार सेवा का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। इस सेवा कार्य में शंभू बेदिया, खिरोधर करमाली,रजनीश आनंद, सतपाल कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने भी सहयोग दिया। जगेश्वर रजवार की यह निरंतर पहल बताती है कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए बड़े संसाधनों से अधिक जरूरी सेवा का संकल्प और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता है।

टैंकर-टोटो की भीषण टक्कर में सात लोग गंभीर, एक साल की बच्ची सुरक्षित

राष्ट्रीय मुख्यधारा



बरहेट । साहिबगंज-गोविंदपुर हाईवे पर बरहेट-बोरियो मुख्य मार्ग स्थित हरचंदपुर मोड़ के समीप रविवार को टैंकर और टोटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में टोटो सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि टोटो के परखच्चे उड़ गए। वहीं, टोटो में सवार एक साल की बच्ची पूरी तरह सुरक्षित बच गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट पहुंचाया गया। यहां चिकित्सक डॉ. संतोष टुडू ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।हादसे में ये लोग हुए घायल घायलों में अजय ठाकुर (45), जीरवाबाड़ी; मतला बेसरा (18), हाथमारी; मालु बेसरा (27), बोरबान; बड़का टुडू (40), बोरबान; सोनी मरांडी (25), हाथमारी; विमला देवी (40), जीरवाबाड़ी तथा चुर्का बेसरा (40), हाथमारी शामिल हैं। मां के साथ सवार एक साल की बच्ची सुरक्षित भीषण हादसे के बीच राहत की बात यह रही कि टोटो में अपनी मां के साथ सवार एक साल की बच्ची को खरोंच तक नहीं आई। दुर्घटना के बाद बच्ची को पूरी तरह सुरक्षित देखकर स्थानीय लोग भी हैरान रह गए।घटना की जानकारी मिलने पर प्रखंड प्रमुख बरनार्ड मरांडी, उप प्रमुख रूपक साह एवं समाजसेवी गुंजन सिंघानिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और परिजनों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। इधर, हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि टैंकर को बोरियो क्षेत्र में पकड़ लिया गया है। बरहेट पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिरसा के विचारों से गूंजा बोकारो, जल-जंगल-जमीन की रक्षा का लिया संकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधारा



- बोकारो में 51 वर्षों से जारी परंपरा के तहत मनी धरती आबा की 151वीं जयंती, प्रशासनिक और बीएसएल के शीर्ष अधिकारियों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

बोकारो। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं झारखंड स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर रविवार को भगवान बिरसा मुंडा जयंती समारोह समिति की ओर से नयामोड़ बिरसा चौक स्थित बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल पर श्रद्धा, स्वाभिमान और एकजुटता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दियुरी गंगाधर पूर्ति एवं पाहन चामू उरांव ने पारंपरिक रीति-रिवाज से पूजा-अर्चना कर किया। अध्यक्षता समिति अध्यक्ष योगो पूर्ती तथा संचालन रेंगो बिरुआ ने किया। उपायुक्त अजय नाथ झा एवं एसपी नाथू सिंह मीणा ने समारोह का उद्घाटन किया। झामुमो जिलाध्यक्ष रतन लाल मांझी, महानगर अध्यक्ष मंटू यादव, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, चास एसडीओ प्रांजल ढांडा, एएसपी वेदांत शंकर, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, एसी सुनील चंद्र, सीआरपीएफ 26वीं बटालियन के उप कमांडेंट अरविंद कुमार सहित अनेक अधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उपायुक्त ने कहा कि धरती आबा ने प्रकृति, अपनी मिट्टी और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचार और संघर्ष आज भी पूरे देश के आदिवासी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वहीं, कार्यक्रम के मुख्य अथिति बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन, विशिष्ट अतिथि अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बी. बी. करुणामय, अधिशासी निदेशक (परियोजना) अनीष सेनगुप्ता, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) अजय कुमार, संचार प्रमुख मणिकांत धान सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी। निदेशक प्रभारी श्री रंजन ने कहा कि बिरसा मुंडा के बताए रास्ते पर चलकर ही देश को मजबूत बनाया जा सकता है। समापन समारोह में मरांग बुरु बचाओ मोर्चा के महासचिव सह झामुमो केंद्रीय सदस्य हीरालाल मांझी, जिला अध्यक्ष रतन लाल मांझी, जिला परिषद सदस्य सुनीता टुडू, बेहतर झारखंड के विवेक सिंह, शंभू कुमार एवं शांति सोरेन सहित सामाजिक प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से विभिन्न गांवों, सरना स्थलों, देशाउली और जाहेर थानों के मांझी हड़ाम, नायके, पाहन एवं दियुरी को सम्मान देकर पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। इससे पूर्व राजकुमार गोराई के नेतृत्व में संकल्प सभा में लोगों ने जल-जंगल-जमीन की रक्षा, भाषा-संस्कृति के संरक्षण और सीएनटी-एसपीटी अधिनियम को सख्ती से लागू कराने का संकल्प लिया। मौके पर विभिन्न क्षेत्रों के सांस्कृतिक दलों ने पारंपरिक नृत्य-संगीत प्रस्तुत कर समारोह को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में महेश मुंडा, संजय गांगराई, संजु सामता, चंदू सिंह मुंडा, अधिवक्ता रंजीत गिरी, मनोज हेंब्रम, काली मांझी, माणिक मुंडा, दिवेश टुडू, मनीषा मुंडा, दिनेश बेसरा, रूपलाल मांझी, रामदयाल सिंह, गोपाल कृष्णा संडील, भोला संडील, झरीलाल पात्रा एवं संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।



Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक



महिलाओं को हक देने में राजनीति कैसी?

महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा आखिर कब पूरा होगा? यह सवाल एक बार फिर इसलिए उठ खड़ा हुआ है, क्योंकि केंद्र सरकार महिला आरक्षण कानून को लागू करने और लोकसभा सीटों के परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में है। अप्रैल में जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा पाने के कारण सरकार की कोशिश नाकाम रही थी। अब बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच सरकार को विधेयक पारित होने की उम्मीद है। लेकिन यह केवल सरकार के बहुमत और विपक्ष की रणनीति की परीक्षा नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब प्रतिनिधित्व देने और राज्यों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए अपने राजनीतिक हितों से ऊपर उठ पाएंगे?

मामला केवल संसद की सीटें बढ़ाने या महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने तक सीमित नहीं है। इसका असर देश की राजनीति, राज्यों के प्रतिनिधित्व और लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर पड़ेगा। इसलिए इसे राजनीतिक फायदे और नुकसान के नजरिये से देखने के बजाय देश की जरूरतों के हिसाब से समझना चाहिए। महिला आरक्षण कानून संसद से 2023 में पारित हो चुका है। उस समय इसे नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया था। जनगणना में देरी के कारण इसके लागू होने का रास्ता भी लंबा हो गया। अब अगर 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं को आरक्षण देना है तो सरकार को कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया समय रहते पूरी करनी होगी। कानून में संशोधन की जरूरत है तो संसद में उस पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

महिला आरक्षण का समर्थन लगभग सभी राजनीतिक दल करते रहे हैं। लेकिन समर्थन का असली अर्थ तभी सामने आएगा, जब इसे लागू करने की बारी आएगी। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ने से राजनीति में नए लोगों को अवसर मिलेगा। अभी महिलाओं की भागीदारी उनकी आबादी के अनुपात में काफी कम है। पंचायतों और स्थानीय निकायों में आरक्षण के अनुभव ने दिखाया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं सार्वजनिक जीवन में अपनी भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि केवल सीटें आरक्षित कर देना पर्याप्त नहीं होगा। राजनीतिक दलों को महिलाओं को वास्तविक नेतृत्व का अवसर देना होगा, न कि उन्हें किसी पुरुष नेता के विकल्प के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए।

दूसरी ओर परिसीमन का सवाल भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। देश की आबादी बढ़ी है और मौजूदा लोकसभा सीटों पर प्रतिनिधित्व का दबाव लगातार बढ़ रहा है। एक सांसद के लिए अपने पूरे क्षेत्र की समस्याओं तक पहुंचना और लोगों से नियमित संपर्क रखना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में सीटों की संख्या बढ़ाने की जरूरत पर चर्चा होनी चाहिए। लेकिन परिसीमन केवल आबादी के आंकड़ों के आधार पर करने से कुछ राज्यों में प्रतिनिधित्व का संतुलन बदल सकता है।

खासकर दक्षिण भारत के राज्यों की चिंता को समझना जरूरी है। इन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के प्रयासों में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है। उनकी आशंका है कि आबादी के अनुपात में सीटें बढ़ने पर संसद में उनका राजनीतिक प्रभाव कम हो सकता है। इसे महज राजनीतिक विरोध कहकर खारिज करना ठीक नहीं होगा। संघीय व्यवस्था में हर राज्य को यह भरोसा होना चाहिए कि राष्ट्रीय फैसलों में उसकी आवाज का महत्व बना रहेगा। सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में समान अनुपात से बढ़ोतरी और राज्यों के बीच मौजूदा प्रतिनिधित्व का संतुलन बनाए रखने का प्रस्ताव इस चिंता को कम करने का एक रास्ता हो सकता है। लेकिन केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं है। सरकार को स्पष्ट करना होगा कि सीटों का निर्धारण किस आधार पर होगा और राज्यों के बीच संतुलन कैसे बना रहेगा। इन सवालों का जवाब विधेयक में साफ तौर पर होना चाहिए।

विपक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह केवल सरकार के प्रस्ताव का विरोध करने तक सीमित न रहे। अगर किसी प्रावधान पर आपत्ति है तो उसका ठोस विकल्प सामने रखे। सरकार को भी विधेयक पारित कराने की जल्दबाजी में व्यापक सहमति बनाने की जरूरत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। संविधान से जुड़े ऐसे फैसले केवल बहुमत के आंकड़े से नहीं, बल्कि भरोसे और संवाद से मजबूत होते हैं।

महिला आरक्षण और परिसीमन दोनों देश के लोकतंत्र से जुड़े बड़े मुद्दे हैं। इन्हें चुनावी लाभ या राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय बनाने से समाधान नहीं निकलेगा। संसद में पर्याप्त सीटें हों, राज्यों का प्रतिनिधित्व संतुलित रहे और महिलाओं को राजनीति में वास्तविक भागीदारी मिले—इन तीनों लक्ष्यों को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। सरकार और विपक्ष दोनों को समझना चाहिए कि यह किसी एक दल की उपलब्धि का सवाल नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी और लोकतांत्रिक व्यवस्था के भविष्य से जुड़ा फैसला है

बच्चों क़े भविष्य की नींव बचपन में ही रखी जा सकती है

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर हम मनीषी जीव के अनेक रूप देखते हैं, कोई सड़क पर भीख मांग रहा है तो कोई विश्व का सबसे अमीर है !कोई स्वास्थ्यता से डैमेज होकर दिव्यांग है तो कोई विश्व कासबसे स्वस्थ व्यक्ति !कोई बच्चा फुटपाथ पर जीवन जी रहा है तो कोई महलों में है। हालांकि इस स्थिति को किस्मत का खेल भी हम मानते हैं परंतु इस बात से हम इनकार नहीं कर सकते कि अगर एक माली या किसान जमीन में कोई बीज बोकर उसका सतर्कता से ध्यान रखना है,अंकुरित होकर पौधा होने तक उसका पूरा ध्यान रखना है तो अधिकतम संभावना उसके फलदार वृक्ष बनकर आजीवन स्वस्थ उत्पादकता बनी रहती है, जिसकी नीव उसे अंकुरित बीज की देखभाल करने से पड़ी! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र चाहूंगा कि ठीक उसी तरह अगर हम अपने बच्चों क़े स्वास्थय, जीवन शैली, स्वस्थ्य विकास, गुणवत्ता सुधार पर उनके बचपन से ही गंभीरता व सतर्कता से ध्यान देंगे तो उनमें गुण ही अंकुरित होते जाएंगे उनके स्वास्थ्य व स्वस्थ्य विकास के फल उनके जीवन पर्यंत मिलेंगे, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ बच्चों में स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्ता सुधार स्वस्थ्य विकास रूपी बीज बोकर उन्हें जीवन पर्यंत स्वस्थ व फलदार वृक्ष रूपी गुणवान बनाएं। साथियों बात अगर हम बच्चों के स्वास्थ्य की करें तो,परिवार और उनकी मदद करने के लिए कड़ी मेहनत करने वालों के प्रति अपना समर्थन दिखाते हैं परिवार की आय बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख कारक है। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक बच्चों के उपचार के लिए कोई समर्पित सुविधा नहीं थी। उनका इलाज घर पर ही किया जाता था और अगर परिवारों के लिए यह विकल्प नहीहोता था , उस समय बच्चों के स्वास्थ्य की समझ को परिभाषित नहीं किया गया था और अक्सर परित्यक्त और अनाथ बच्चों को शिशु आश्रय गृहों में छोड़ दिया जाता था। अब समय के विकास के साथ बच्चों के स्वास्थ्य और गुणवत्ता पर ध्यान देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे की करें तो,पिछले दशकों मंक 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का जीवित रहना वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे का मुख्य केंद्र रहा है। परिणाम स्वरूप, 1990 और 2019 के बीच वैश्विक बाल मृत्यु दर में 60 प्रतिशत की कमी आई। 2020 में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में होने वाली 5.2 मिलियन मौतों में से कई मौतें कमज़ोर आबादी में केंद्रित थीं, विशेष रूप से उप सहारा अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में !इस बात के प्रमाण के आधार पर कि आजीवन स्वास्थ्य, उत्पादकता और कल्याण की नींव बचपन में ही रखी जाती है, स्वास्थ्य क्षेत्र की यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है कि बच्चे न केवल जीवित रहें, बल्कि फलते-फूलते रहें। सतत विकास लक्ष्यों में छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट लक्ष्य शामिल हैं,जो मानव पूंजी उत्पन्न करता है जो हर बच्चे का अधिकार है, और न्यायसंगत और सतत प्रगति के लिए आवश्यक है। एक सुरक्षित, स्वस्थ और सुरक्षात्मक वातावरण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि सभी बच्चे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें और विकसित हो सकें। बता दें 12-14 नवंबर 2024 को मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य और पोषण के लिए रणनीतिक और तकनीकी सलाहकार समूह के विशेषज्ञों की 10 वीं बैठक का एजेंडा विश्व बैंक द्वारा तैयार कर लिया गया है।बचपन की बीमारियों का प्रबंधन गुणवत्तापूर्ण, बाल-केंद्रित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के कार्यान्वयन का समर्थन करके,डब्लू एचओ देशों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में काम करने में मदद करता है।उसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चे अपना 10 वां जन्मदिन अच्छे स्वास्थ्य में मना सकें।स्वास्थ्य सुविधाओं में लाए गए बच्चे अक्सर एक समय में एक से अधिक स्थितियों से पीड़ित होते हैं, और पर्याप्त देखभाल प्रदान करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। कम संसाधन वाले देशों में प्रथम स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं में, रेडियोलॉजी और प्रयोगशाला सेवाओं जैसे नैदानिक समर्थन न्यूनतम या न के बराबर होते हैं, और दवाएँ और उपकरण अक्सर दुर्लभ होते हैं।इन सीमाओं के बावजूद उच्च-गुणवत्ता वाली देखभाल सुनिश्चित करने के लिए,डब्लूएचओ बचपन की बीमारी के एकीकृत प्रबंधन के निरंतर कार्यान्वयन को बढ़ावा देता है। निमोनिया, दस्त,मलेरिया खसरा और कुपोषण। इसके तीन घटक हैं: स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के केस प्रबंधन कौशल में सुधार, समग्र स्वास्थ्य प्रणालियों में सुधार, और परिवार और सामुदायिक प्रथाओं में सुधार।प्रसार वाले क्षेत्रों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इसे 10 वर्ष तक के बच्चों तक विस्तारित करने के लिए चर्चा चल रही है। साथियों बात अगर हम बच्चों के पालन पोषण की करें तो जिस तरह से माता, पिता और अन्य देखभालकर्ता शुरुआती वर्षों में बच्चों का पालन-पोषण और समर्थन करते हैं, वह स्वस्थ विकास और वृद्धि के लिए सबसे निर्णायक कारकों में से एक है जिसमें स्वास्थ्य, उत्पादकता और सामाजिक सामंजस्य के लिए आजीवन और अंतर-पीढ़ीगत लाभ हैं।बेहतर तरीके से बढ़ने और विकसित होने के लिए, बच्चों को पोषण संबंधी देखभाल प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। इसका मतलब है कि वे पर्याप्त पोषण और अच्छेस्वास्थ्य का आनंद लें, सुरक्षित और संरक्षित महसूस करें, और जन्म से ही सीखने के अवसर प्राप्त करें। बीमारी के दौरान विशेष स्तनपान, टीकाकरण और समय पर देखभाल सभी बच्चे के स्वस्थ विकास और वृद्धि में योगदान करते हैं। स्वच्छ हवा, पानी और स्वच्छता, और खेलने और मनोरंजन के लिए सुरक्षित स्थान भी छोटे बच्चों के लिए तलाशने और सीखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।जब देखभाल करने वालों को उनके देखभाल के तरीकों, परिवार, समुदाय और स्वास्थ्य सेवाओं में समर्थन मिलता है, तो उन्हें लाभ होता है। दूसरों की देखभाल करने के लिए उन्हें खुद को अच्छा महसूस करने की आवश्यकता होती है और इसलिए, देखभाल करने वाले के मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करना उन सेवाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो बच्चों के स्वस्थ विकास और विकास का समर्थन करती हैं। साथियों बात अगर हम भारत मैं प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की करें तो बच्चों सहित युवाओं का शरीर स्वस्थ तभी होगा जब उसे जरूरी मात्रा में पौष्टिक तत्व मिलते रहेंगे, लेकिन आज के दौर में लगभग सभी उम्र के लोगों में अनहेल्दी फूड हैबिट्स काफी ज्यादा बढ़ गई है।शरीर के लिए पोषण की जरूरत के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा हर साल राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है।जिस तरह इंजन को चलने के लिए पेट्रोल की जरूरत होती है, वैसे ही हमारे शरीर को कार्य करने के लिए आहार की जरूरत होती है,लेकिन शरीर स्वस्थ व निरोगी रहे, हर आयु में उसका विकास सतत रहे तथा शरीर के सभी तंत्र व प्रणालियां सही तरह से कार्य करें, इसके लिए बहुत जरूरी है शरीर को जरूरी मात्रा में पोषण मिलता रहे। लेकिन अलग-अलग कारणों से बहुत बड़ी संख्या में लोग विशेषकर बच्चे जरूरी मात्रा में पोषण ग्रहण नहीं कर पाते हैं और कुपोषण का शिकार हो जाते हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बच्चों के भविष्य की नींव बचपन में ही रखी जा सकती है।



देश का उद्धार विलासियों द्वारा नहीं हो सकता। उसके लिए सच्चा त्यागी होना आवश्यक है।
- प्रेमचंद

विश्वास वह पक्षी है जो प्रभात के पूर्व अंधकार में ही प्रकाश का अनुभव करता है और गाने लगता है। - रवींद्रनाथ ठाकुर



शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि (यह तिथि अगले दिन यानी 18 नवंबर की सुबह लगभग 06:05 बजे तक रहेगी, इसके बाद नवमी तिथि शुरू होगी) अभिजित मुहूर्तः सुबह 11:44 से दोपहर 12:27 तक (यह किसी भी नए या शुभ कार्य की शुरुआत के लिए सबसे उत्तम समय माना जाता है)।

आज जन्म लिए बालक का फल...

मुख्य रूप से मकर राशि में रहेंगे और दोपहर के बाद (लगभग 03:28 बजे के बाद) कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। इसलिए दिन के समय जन्म लेने वाले बच्चों की राशि मकर और शाम/रात के समय जन्म लेने वाले बच्चों की राशि कुंभ होगी।

मेष राशिः आज दिन महत्वपूर्ण है, नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, अधिकारी से तालमेल रखें।

वृषभ राशिः दिन सकारात्मक परिणाम ला सकता है, रुके काम पूरे होने की संभावना है।

मिथुन राशिः दिन उतार-चढ़ाव वाला है, आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतें।

कर्क राशिः रिश्तों के लिए महत्वपूर्ण है, जीवनसाथी से बातचीत होगी, सुखद रहेगा।

सिंह राशिः कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा मिल सकती है, विवाद सुलझाएं और खर्चों को नियंत्रित रखें।

कन्या राशिः दिन रचनात्मक कार्यों के लिए अच्छा है, विद्यार्थियों को प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

तुला राशिः ध्यान परिवार और निजी मामलों पर रहेगा, योजनाओं पर विचार करें।

वृश्चिक राशिः प्रयासों के लिहाज से दिन अच्छा है, नई जिम्मेदारियां और सहयोग मिलेगा।

धनु राशिः आर्थिक और व्यावसायिक मामले सकारात्मक रहेंगे, आय बढ़ाने के अवसर मिलेंगे।

मकर राशिः मामलों में सक्रिय रहेंगे, जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और काम की सराहना होगी।

कुंभ राशिः संभलकर आगे बढ़ें, अतिरिक्त प्रयास करें और अनावश्यक खर्चों से बचें।

मीन राशिः आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से दिन अच्छा है, नए स्रोत मिलेंगे।

नागरिक की स्वतंत्रता पर पहरा अब पुलिस की मनमानी नहीं चलेगी, सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम फैसला

कांतिलाल मांडोत

- हिरासत के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा में सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण संदेश

कानून का शासन किसी भी लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी ताकत होता है। इसकी सार्थकता तभी है जब कानून बनाने वाले ही नहीं, बल्कि कानून लागू करने वाली संस्थाएं भी उसके दायरे में रहकर काम करें। किसी व्यक्ति पर संदेह होना, उसके विरुद्ध शिकायत मिलना अथवा किसी अपराध में संलिप्तता की आशंका होना पुलिस को यह अधिकार नहीं देता कि वह अपनी इच्छा से उसकी स्वतंत्रता छीन ले। अपराध की जांच करना पुलिस का कर्तव्य है, लेकिन जांच की आड़ में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी महत्वपूर्ण सिद्धांत को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले के माध्यम से और स्पष्ट कर दिया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि किसी व्यक्ति को वास्तविक रूप से हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य है। इस अवधि की गणना पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की औपचारिक कार्रवाई पूरी करने के समय से नहीं, बल्कि व्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित किए जाने के वास्तविक समय से होगी। अर्थात किसी व्यक्ति को पूछताछ के नाम पर थाने में रोककर बाद में गिरफ्तारी दिखाने की प्रक्रिया को संवैधानिक सुरक्षा से बचने का रास्ता नहीं बनाया जा सकता। निर्धारित समय में मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं करने पर हिरासत अवैध होगी और संबंधित व्यक्ति की रिहाई आवश्यक होगी।

इस निर्णय का सबसे बड़ा महत्व यह है कि न्यायालय ने नागरिक स्वतंत्रता को केवल कागजी अधिकार मानने के बजाय उसकी व्यावहारिक सुरक्षा पर जोर दिया है। संविधान का अनुच्छेद 22(2) स्पष्ट करता है कि गिरफ्तार व्यक्ति को यात्रा के आवश्यक समय को छोड़कर 24 घंटे के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करना होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हिरासत और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच अंतर बताकर इस संवैधानिक प्रावधान को निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ का यह दृष्टिकोण पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही बढ़ाने वाला है।

भारतीय समाज में लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि पुलिस के सामने आम नागरिक की आवाज कमजोर पड़ जाती है। किसी व्यक्ति को संदेह के आधार पर थाने बुलाया गया तो परिवार के सदस्य भी यह पूछने से डरते थे कि उसे किस कारण रोका गया है और कब छोड़ा जाएगा। कई बार पूछताछ की प्रक्रिया लंबी खिंच जाती थी और औपचारिक गिरफ्तारी बाद में दर्ज की जाती थी। ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति और उसके परिवार को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। कानून की जानकारी का अभाव भी इस समस्या को बढ़ाता था। अनेक लोग पुलिस की कार्रवाई को ही अंतिम मानकर अपने अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठा पाते थे। लेकिन बदलते समय के साथ नागरिकों की सोच और जागरूकता में भी बदलाव आया है। आज शिक्षा, संचार माध्यमों और कानूनी जानकारी की उपलब्धता ने आम व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाया है। अब नागरिक यह जानना चाहता है कि पुलिस किस कानूनी आधार पर उसे रोक रही है, हिरासत का समय कब से माना जाएगा और उसे न्यायालय के सामने कब प्रस्तुत किया जाएगा। यह जागरूकता किसी सरकारी संस्था के प्रति विरोध नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही की मांग है। पुलिस अधिकारी को भी यह समझना होगा कि वर्दी का सम्मान तभी बढ़ता है जब उसका इस्तेमाल कानून और जनसेवा के अनुरूप हो।

सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला पुलिस और जांच एजेंसियों के काम में अनुशासन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जांच की आवश्यकता और नागरिक की स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखना न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी है। अपराध की गंभीरता चाहे कितनी भी हो, जांच एजेंसियों को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना ही होगा। किसी व्यक्ति को केवल इसलिए अनिश्चित समय तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता कि उससे पूछताछ की जानी है। यदि आगे की जांच के लिए हिरासत आवश्यक है तो संबंधित एजेंसी को निर्धारित समय में मजिस्ट्रेट के सामने अपना पक्ष रखना होगा। न्यायिक अधिकारी तथ्यों और कानून के आधार पर निर्णय करेंगे। इस व्यवस्था में मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। अब न्यायिक अधिकारी को यह देखना होगा कि व्यक्ति को वास्तव में कब हिरासत में लिया गया था और उसे न्यायालय में प्रस्तुत करने में संवैधानिक समय सीमा का पालन हुआ या नहीं। केवल पुलिस द्वारा दर्ज की गई गिरफ्तारी की तारीख और समय को अंतिम आधार मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। हिरासत की वास्तविक परिस्थितियों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी और किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को अनावश्यक रूप से सीमित करने की संभावना कम होगी। यह समझना भी जरूरी है कि इस फैसले का अर्थ अपराधियों को संरक्षण देना नहीं है। कानून के विरुद्ध काम करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। समाज की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का महत्वपूर्ण दायित्व है। लेकिन लोकतंत्र में पुलिस की शक्ति असीमित नहीं हो सकती। अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। जिस प्रकार नागरिक से कानून का पालन अपेक्षित है, उसी प्रकार पुलिस और प्रशासन से भी कानून के प्रत्येक प्रावधान का पालन अपेक्षित है। न्याय का सिद्धांत यही है कि दोषी को सजा मिले और निर्दोष के अधिकार सुरक्षित रहें।

आज आवश्यकता है कि नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और पुलिस प्रशासन भी इस निर्णय की भावना को अपनी कार्यशैली में अपनाए। किसी व्यक्ति को हिरासत में लेने की स्थिति में उसके परिजनों को नियमानुसार जानकारी मिले, हिरासत का समय स्पष्ट रहे और निर्धारित अवधि में न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो। वकीलों और कानूनी सहायता से जुड़े लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें। सर्वोच्च न्यायालय का यह संदेश स्पष्ट है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। पुलिस की शक्ति कानून से मिलती है और उसी कानून की मर्यादा में उसका उपयोग होना चाहिए। नागरिक की स्वतंत्रता किसी अधिकारी की इच्छा पर निर्भर नहीं हो सकती। 24 घंटे की संवैधानिक सीमा का पालन केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतंत्र में व्यक्ति के सम्मान, सुरक्षा और न्याय का आधार है। जागरूक नागरिक और जवाबदेह प्रशासन ही मजबूत लोकतंत्र की पहचान हैं।

(L 103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324,89559 50335 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

कार्तिक नही, फाल्गुन में श्रीराम के अयोध्या पहुंचने पर मनी थी पहली दीपावली!

डॉ. हिदायत अहमद खान

दुनियां के प्रमुख शक्तिशाली देशों में तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रमों ने विकासशील देशों के लिए चेतावनी देने का काम किया है। एक तरफ जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यावधि चुनाव में करारी हार को लेकर चर्चाएं आम हैं वहीं दूसरी तरफ इजरायल में नेतन्याहू को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने से साफ संदेश दुनिया को मिला है कि आमजनता हिंसा और युद्ध में विश्वास नहीं करती है। इससे पहले बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों की सरकारों को तो युवाओं ने ही आंदोलन के जरिये बाहर का रास्ता दिखा दिया था। मतलब साफ है सभी देशों के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के साथ ही देश में सुख-शांतिपूर्ण वाला विकास चाहिए। भौगोलिक सीमाओं से परे सभी शांति चाहते हैं, लेकिन राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं ऐसा करने में बैरियर्स बनती हैं। भारत और पाकिस्तान का ही उदाहरण ले लें। दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव और उसके परिणामस्वरूप पैदा हुई आर्थिक मुश्किलों की दो तस्वीरें इन दिनों सामने हैं। पाकिस्तान की ओर से अपना हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण एयर इंडिया के परिचालन पर पड़ रहे असर का हवाला देते हुए कंपनी के सीईओ टेवोल्डे नुकसान का हिसाब गिना रहे हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान में पाक-भारत बिजनेस काउंसिल के चेयरमैन नूर मोहम्मद कसूरी भारत के साथ व्यापार बंद होने से अपने देश को हुए करीब 40 अरब डॉलर के नुकसान का दावा करते हुए कारोबार बहाल करने की भावुक अपील कर रहे हैं। इन दोनों बयानों के बीच एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि आखिर दोनों देशों के बीच तनाव की कीमत कब तक आम लोगों, कारोबारियों और अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ेगी? एयर इंडिया के सीईओ का कहना है कि पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के कारण कंपनी को अपने उड़ान मार्गों और नेटवर्क की योजना बदलनी पड़ रही है। उनके मुताबिक, इस समस्या से कंपनी के प्रतिस्पर्धी विमानन समूह प्रभावित नहीं हैं।

रिश्तों की मर्यादा भूला इंसान तो मानवता भी हुई शर्मसार

कांतिलाल मांडोत

घरेलू कलह ने लिया खूनी रूप सात जिंदगियां उजाड़कर रिश्तों का ही नहीं इंसानियत का भी हुआ कत्ल

यह घटना सामान्य नही है।क्योंकि इतने लोगो की हत्या करना गलत है।काउंसलिंग से भी बचाव हो सकता है। बेंगलूरु में सामने आया एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड केवल अपराध की घटना नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों के पतन का भयावह उदाहरण है। जिस परिवार में कभी हंसी-खुशी, अपनापन और रिश्तों की गर्माहट रही होगी, उसी परिवार के सात लोगों की हत्या कर दी गई। आरोप है कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी सहित उसके मायके के छह अन्य सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना ने पूरे समाज को सोचने पर विवश कर दिया है कि आखिर इंसान के भीतर संवेदनाएं इतनी कैसे मर सकती हैं कि वह अपने ही परिवार के लोगों की जान लेने पर उतारू हो जाए। जिस घर में रिश्तों का सम्मान होना चाहिए था, वहां नफरत और हिंसा ने ऐसा रूप धारण कर लिया कि सात जिंदगियां हमेशा के लिए समाप्त हो गईं।

पुलिस के अनुसार बेंगलूरु के भाष्यम सर्कल के पास रहने वाले कैब चालक इंदुशेखर की शादी करीब बीस वर्ष पहले सुनीता से हुई थी। वैवाहिक जीवन में सुनीता का अपने मायके के लोगों से नजदीकी संबंध था। उसके भाई शिवकुमार और शंकर भी बहन का साथ देते थे। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। सुनीता का बार-बार मायके चले जाना भी दोनों के बीच तनाव का कारण बनता था। समय के साथ यह पारिवारिक विवाद गहराता गया और आरोप है कि इंदुशेखर के मन में पत्नी तथा उसके मायके के लोगों को रास्ते से हटाने जैसी खतरनाक सोच पैदा हो गई। बताया गया है कि इस भयावह घटनाक्रम में सबसे पहले सुनीता की हत्या की गई। इसके बाद उसकी मां रूपावती, दोनों भाइयों शिवकुमार और शंकर, उनकी पत्नियों नलिनी और दिव्या तथा सात वर्षीय मासूम पुनीत को भी मौत के घाट उतार दिया गया। हत्या के लिए सिलबट्टे का इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है। आरोप है कि हत्यारे ने शवों को अलग-अलग स्थानों पर फेंककर अपराध के सबूत मिटाने का प्रयास किया। एक सिलबट्टा, पंद्रह दिनों का घटनाक्रम और सात हत्याएं इस पूरे मामले को और भी भयावह बना देती हैं।

इस घटना का खुलासा तब हुआ जब नलिनी की मां ने श्रीरामपुरा पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की और इंदुशेखर से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसके बयानों में बार-बार बदलाव होने से पुलिस का संदेह गहराता गया। इसके बाद पुलिस ने उसके घर की तलाशी ली और महत्वपूर्ण सुराग जुटाए। जांच में हत्या में इस्तेमाल किया गया सिलबट्टा और शवों को ठिकाने लगाने में प्रयुक्त कार भी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। हालांकि पूरे घटनाक्रम और प्रत्येक हत्या की परिस्थितियों का निर्धारण जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही होगा।

इस हत्याकांड का सबसे दुखद पहलू सात वर्ष के मासूम पुनीत की मौत है। उस बच्चे का क्या दोष था, जिसने अभी जीवन को ठीक से समझना भी शुरू नहीं किया था। उसके सामने भविष्य की लंबी राह थी। बचपन में खेलने, पढ़ने और परिवार के स्नेह में बड़ा होने की उम्र में उसे ऐसी हिंसा का शिकार होना पड़ा। जिस घर में बच्चे को सुरक्षा, संस्कार और प्यार मिलना चाहिए, उसी परिवार में उसका जीवन समाप्त हो गया। यह घटना हर संवेदनशील व्यक्ति के मन में पीड़ा और अनेक सवाल पैदा करती है। परिवार में मतभेद होना कोई असामान्य बात नहीं है। पति-पत्नी के बीच विचारों का अंतर, आर्थिक परेशानियां, पारिवारिक हस्तक्षेप और आपसी अपेक्षाएं कभी-कभी विवाद का कारण बन जाती हैं। लेकिन किसी भी विवाद का समाधान हिंसा या प्रतिशोध नहीं हो सकता। रिश्तों में तनाव पैदा होने पर बातचीत, समझदारी और आपसी सम्मान से रास्ता निकालना आवश्यक है। यदि परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर होती दिखाई दें तो परिवार के बुजुर्गों, सामाजिक मध्यस्थों अथवा प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की सहायता ली जानी चाहिए। किसी भी व्यक्ति को यह अधिकार नहीं है कि वह अपने गुस्से और अहंकार की सजा दूसरे लोगों को दे। आज समाज में पारिवारिक संबंधों के भीतर बढ़ती असहिष्णुता और संवादहीनता पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट रहे हैं। आपसी विश्वास

संक्षिप्त समाचार

छठ के बाद लौटने वालों के लिए रेलवे का इंतजाम, दिल्ली, मुंबई, 1 दिसंबर तक होगा परिचालन

हाजीपुर। हाजीपुर में छठ महापर्व के बाद बिहार से दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने कई स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। ये ट्रेनें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पुणे, अहमदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़, अमृतसर और सूरत समेत प्रमुख शहरों के लिए चलेंगी। कुछ ट्रेनों का परिचालन रोजाना, जबकि कुछ का साप्ताहिक या निर्धारित तारीखों पर होगा। रेलवे की यह व्यवस्था 1 दिसंबर तक जारी रहेगी। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने और उनकी यात्रा आसान बनाने के लिए अलग-अलग रूटों पर विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। बरौनी से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 02563 और दरभंगा से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 02569 क्लोन स्पेशल 30 नवंबर तक रोज चलेगी। पटना से आनंद विहार के लिए ट्रेन नंबर 03293 का परिचालन 21 नवंबर तक प्रतिदिन होगा।



पाटलिपुत्र से आनंद विहार के लिए ट्रेन नंबर 04095 और सुपौल से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 04071 स्पेशल ट्रेन 30 नवंबर तक रोज चलेगी। पटना से नई दिल्ली के लिए वंदे भारत स्पेशल ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं। रेलवे ने मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इन ट्रेनों से छठ के बाद कामकाज और अन्य जरूरतों के लिए दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। हाजीपुर-बरौनी-खगड़िया-कटिहार रेलखंड से कानपुर-गुवाहाटी, गुवाहाटी-कानपुर, नारंगी-गोरखपुर, डिब्रूगढ़-गोरखपुर और पूर्णिया-फिरोजपुर स्पेशल ट्रेनें गुजरेंगी। हाजीपुर-बरौनी-किऊल-झाझा रेलखंड पर कोलकाता, गोरखपुर और आसनसोल समेत कई शहरों के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके अलावा रक्सौल-नरकटियागंज, पटना-इसलामपुर, राघोपुर-देवघर और बक्सर-डीडीयू रूट पर भी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले संबंधित ट्रेन की तारीख, समय और ठहराव की जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। इसके लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या पूछताछ सेवा का सहारा लिया जा सकता है।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत, परिवार के इकलौते कमाने वाले थे, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा



हाजीपुर। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र के बोआरिया में सड़क हादसे में 45 वर्षीय मजदूर संजय शर्मा की मौत हो गई। वे पटेढ़ी बेलसर थाना क्षेत्र के जारंग रामपुर गांव के रहने वाले थे। हादसे की सूचना मिलते ही सराय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर ले गई। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। संजय शर्मा मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी कमाई से ही घर का खर्च चलता था। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल हादसे के कारणों और परिस्थितियों की जानकारी सामने नहीं आई है।

जमीन पर रास्ता बनाने के विवाद में फायरिंग, सीने में गोली लगने से 19 वर्षीय युवती घायल

हाजीपुर। हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र के बिशनपुर वाला धारी में रविवार को जमीन पर रास्ता बनाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान फायरिंग में 19 वर्षीय युवती संगम कुमारी घायल हो गई। उसके सीने में गोली लगी है। परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार किया। घायल संगम कुमारी स्थानीय निवासी महेश राय की बेटी है। महेश राय ने बताया कि मंदिर के पास उनकी जमीन है। आरोप है कि कुछ लोग वहां जबरन रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे थे। इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। महेश राय के अनुसार, विवाद के दौरान 4 से 5 राउंड गोलियां चलीं। इस दौरान उनकी बेटी संगम कुमारी को गोली लग गई। उन्होंने अनुज राय, कुंदन कुमार समेत कई लोगों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए सदर थाने में लिखित शिकायत दी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जानकारी ली। सदर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने घायल युवती को अस्पताल पहुंचाया है। दोनों पक्षों की शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



गेस्ट हाउस संचालक समेत 2 पर हत्या का आरोप, कमरे में मिली थी जमीन कारोबारी की लाश

पटना। पटना में श्रीराम गेस्ट हाउस में 12 नवंबर को एक युवक की लाश मिली थी। पुलिस मान के चल रही थी कि ये सुसाइड का मामला है, पर 16 नवंबर को मृतक रवि कुमार सिंह की पत्नी डॉली कुमारी ने हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पत्नी के अनुसार रवि मध्य प्रदेश में जमीन का कारोबार करते थे। इसी सिलसिले में रवि 15 लाख रुपए लेकर पटना आए थे। डॉली ने आरोप लगाया है कि रवि का परिचित राजा तिवारी और होटल संचालकों ने मिलकर उसके पति की हत्या की है। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। घटना जक्कनपुर थाना से महज 300 मीटर दूर की है। होटल कर्मी राजा कुमार के मुताबिक, 10 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे 2 लोग कमरा लेने पहुंचे थे। उन्हें 500 रुपए रोज के हिसाब से कमरा दिया गया था। रवि के साथ आए दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम सुरेश वर्मा बताया था। उस समय उसका मोबाइल डिस्चार्ज था, इसलिए वह अपनी आईडी नहीं दे पाया था।



फर्श पर पड़ा था रवि का शवः राजा कुमार ने बताया कि 12 नवंबर की सुबह करीब 7:30 बजे वह कमरे का किराया लेने ऊपर गया। दरवाजा बंद था। दरवाजा खोलकर अंदर गया तो देखा फर्श पर रवि का शव पड़ा था। उसके गले में गमछा था। इसके बाद उसने होटल मालिक को सूचना दी। मालिक के कहने पर पुलिस को जानकारी दी गई। फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

होटल में नहीं लगे थे सीसीटीवी कैमरे, संचालक भी फरारः होटल की व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। श्रीराम गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे, जबकि पुलिस की ओर से होटल संचालकों को समय-समय पर कैमरे लगाने की हिदायत दी जाती है। घटना के बाद से होटल संचालक भी फरार बताए जा रहे हैं। रवि के साथ एक और आदमी ठहरा था, वो कौन है और कहां गया, इसके बारे में भी पता नहीं चला है।

तेज रफ्तार बाइक ने बच्ची को मारी टक्कर, ऑटो के कुचलने से मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

एजेंसी, पटना

पटना के मनेर में छठ महापर्व के समापन के बाद लोग अपने घर लौट रहे थे, तभी दरवेशपुर पेट्रोल पंप के समीप सोमवार को हुए सड़क हादसे में 12 वर्षीय अंशु कुमारी की मौत हो गई। बच्ची सड़क पार कर दूध लेने जा रही थी, तभी तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर से वह सड़क पर गिर गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ऑटो ने उसे कुचल दिया और कुछ दूर तक घसीट दिया। गंभीर हालत में उसे पटना ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। अंशु दरवेशपुर निवासी गोविंदा महतो की बेटी थी। इस हादसे के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और सड़क पर आगजनी कर आवागमन बाधित कर दिया। पुलिस अधिकारी की घटों समझाइश के बाद भी लोग नहीं माने। हालांकि, बाद में लोग शांत हो गए, जिसके बाद हाइवे पर आवागमन फिर से शुरू कराया गया।

बाइक की टक्कर के बाद ऑटो ने कुचलाः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अंशु सड़क पार कर रही थी, तभी शेरपुर निवासी ऋषभ कुमार की बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद पीछे से आ रहे ऑटो ने बच्ची को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बाइक और चालक को पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल अंशु को मनेर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। हालांकि, एंबुलेंस से पटना ले जाने के दौरान ही उसने दम तोड़ दिया।



डायल 112 की टीम पर ग्रामीणों ने लगाए आरोपः हादसे के बाद बाइक को लेकर ग्रामीणों और डायल 112 की टीम के बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने बाइक को अपने कब्जे में रखा था, लेकिन पुलिसकर्मी उसे छोड़ने का दबाव बना रहे थे। बाइक नहीं छोड़ने पर केस करने की बात कहे जाने से ग्रामीण नाराज हो गए। विरोध बढ़ने पर डायल 112 की टीम के मौके से चले जाने का भी आरोप लगाया गया। अस्पताल में बच्ची को अज्ञात बताकर ले जाने की बात पर भी ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। उनका सवाल था कि हादसे के बाद सहयोग करने के बजाय बाइक छोड़ने के लिए दबाव क्यों बनाया गया।

शव रखकर सड़क जाम, टायर जलाकर किया प्रदर्शनः अंशु की मौत की खबर मिलते ही दरवेशपुर गांव में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने शव को मनेर-दानापुर मुख्य मार्ग पर रखकर जाम कर दिया। इस दौरान टायर जलाकर आगजनी की गई और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारी मौके पर एसपी को बुलाने और उनके सामने डायल 112 की टीम से पूरे मामले में जवाब लेने की मांग कर रहे थे। इसके साथ ही बच्ची की मौत के मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की गई। सूचना मिलने पर मनेर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया। काफी देर तक चले समझाने-बुझाने के बाद जाम समाप्त कराया गया। एसआइ अफसर अली शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया में जुटे थे। पुलिस ने बाइक चालक ऋषभ कुमार को हिरासत में ले लिया।

दो घंटे से अधिक बाधित रहा आवागमनः सड़क जाम के कारण मनेर-दानापुर मुख्य मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। दो घंटे से अधिक समय तक आवागमन बाधित रहने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। छठ महापर्व के बाद घर लौट रहे यात्री भी जाम में फंसे रहे।

छठ के दिन घर में पसरा मातमः बताया जाता है कि हादसे के समय अंशु के पिता गोविंदा महतो छठ व्रत कर रहे थे। पर्व के समापन के दिन बेटी की मौत की खबर ने परिवार को झकझोर दिया। जिस घर में छठ की खुशियां थीं, वहां देखते ही देखते मातम पसर गया। मां और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। अंशु की मौत से पूरे दरवेशपुर गांव में शोक की लहर है।

ई-रिक्शा गड्ढे में पलटा, चालक की मौत बाढ़-शहरी-सरमेरा सड़क पर हादसा

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़-शहरी-सरमेरा सड़क पर एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में चालक की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा में सवार दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना पुल के पास हुई। मृतक की पहचान सम्यागढ़ थाना क्षेत्र के शोभाठीका गांव निवासी संदीप चौहान (करीब 30 वर्ष) के रूप में हुई है। हादसे में गंभीर रूप से घायल संदीप को इलाज के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।



▪ अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में तोड़ा दम, दो लोग घायल

नियंत्रण खोने या दूसरे वाहन की टक्कर की आशंकाः ई-रिक्शा कैसे पलटा, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। आशंका जताई जा रही है कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया या किसी दूसरे वाहन ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में घायल दो अन्य सवारों को हल्की चोटें आई हैं। उनका इलाज पास के निजी अस्पताल में कराया जा रहा है।

पुलिस ने ई-रिक्शा जब्त किया, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शवः घटना की सूचना मिलते ही भदौर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ई-रिक्शा को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

छठ पूजा विवाद, पीके ने राज ठाकरे को बताया 'लंपट'

एजेंसी, पटना

मुंबई में छठ पूजा को लेकर शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब बिहार और महाराष्ट्र की सियासत तक पहुंच गया है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे की छठ पूजा को लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने उनकी तुलना 'बरसाती मेंढक' से की। वहीं, जन सुराज प्रमुख और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर (पीके) ने इस मुद्दे को लेकर मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'आप लोगों को ऐसे 'लंपट' लोगों को कोई अहमियत या मंच नहीं देना चाहिए।' अब शिवसेना (UBT) नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने रोहिणी आचार्य के बयान पर पलटवार किया है। किशोरी पेडनेकर ने रोहिणी पर निशाना साधते हुए कहा, "लालू-भालू की लड़की कुछ भी बात कर रही है। आ जाओ मुंबई, दिखा देते हैं।" उन्होंने कहा कि अगर रोहिणी को उद्धव ठाकरे या राज ठाकरे से बात करनी है तो उन्हें मुंबई आकर बात करनी चाहिए।



छठ पूजा का कभी विरोध नहीं किया - किशोरी पेडनेकरः किशोरी पेडनेकर ने स्पष्ट किया कि शिवसेना (UBT) हिंदू त्योहारों के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी छठ पूजा का विरोध नहीं किया। उनकी आपत्ति केवल छठ पूजा के नाम पर होने वाली राजनीति को लेकर है। उन्होंने कहा, 'मुंबई में उत्तर भारतीय समुदाय लंबे समय से छठ पूजा करता आ रहा है और यह शहर के लिए कोई नई परंपरा नहीं है।'

पुराने वार्ड का उदाहरण दियाः पेडनेकर ने अपने पुराने चुनावी क्षेत्र वार्ड नंबर 199 का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 2017 में यहां बिहार और उत्तर प्रदेश के 900 से अधिक परिवार रहते थे। उनके मुताबिक, उस समय भी धोबी घाट के पास बने तालाबों में छठ पूजा होती थी। पूजा के दौरान रोशनी, संगीत और अन्य व्यवस्थाएं भी की जाती थीं। श्रद्धालु तालाबों के किनारे दीप जलाकर पूजा-अर्चना करते थे।

▪ रोहिणी आचार्य के बयान पर किशोरी बोलीं- 'लालू-भालू की लड़की कुछ भी बात कर रही'

रोहिणी ने राज ठाकरे को बताया था 'बरसाती मेंढक'ः इस विवाद की शुरुआत राज ठाकरे की छठ पूजा को लेकर टिप्पणी के बाद हुई। रोहिणी आचार्य ने राज ठाकरे की तुलना 'बरसाती मेंढक' से करते हुए कहा था कि जैसे मानसून आते ही मेंढक बाहर निकलते हैं, उसी तरह छठ पर्व नजदीक आते ही राज ठाकरे बयानबाजी शुरू कर देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज ठाकरे मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। रोहिणी ने कहा था कि महाराष्ट्र भी भारत का हिस्सा है और देश के किसी भी नागरिक को अपनी आस्था के अनुसार किसी भी राज्य में पर्व मनाने, रहने और चुनाव लड़ने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने छठ को लेकर की गई टिप्पणी को बिहारवासियों की धार्मिक भावनाओं से जोड़ते हुए राज ठाकरे पर निशाना साधा था।

प्रशांत किशोर ने राज ठाकरे को बताया 'लंपट'ः MNS प्रमुख राज ठाकरे के X पोस्ट कर मुंबई के रेलवे स्टेशनों में बजाए जा रहे छठ और भोजपुरी गानों को 'महाराष्ट्र की संस्कृति पर हमला बताया था। साथ ही रेलवे स्टेशनों पर बज रहे भोजपुरी गाने बंद करवा दिया था। इस पर जन सुराज चीफ और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर ने राज ठाकरे को खूब खरी-खरी सुनाई। प्रशांत किशोर ने मीडिया से कहा, "जब कोई उन पर ध्यान नहीं देता, तो वे UP और बिहार के लोगों के बारे में कुछ टिप्पणी करके मीडिया में जगह बना लेते हैं। आप लोगों को ऐसे 'लंपट' लोगों को कोई अहमियत या मंच नहीं देना चाहिए।

छठ पूजा के लिए घाट गए शिक्षक के घर चोरी, पटना में घर का दरवाजा-अलमारी तोड़ा

20 लाख के जेवर-नकदी पार, सुबह परिवार लौटा तो उड़े होश

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारीशरीफ में छठ पूजा के दौरान घर बंद छोड़कर घाट जाना एक शिक्षक परिवार को महंगा पड़ गया। चोरों ने सोमवार सुबह चक बैरिया स्थित शिक्षक के घर को निशाना बनाकर करीब 20 लाख रुपए के जेवर और नकदी चोरी कर ली। वारदात के समय शिक्षक अपने परिवार के साथ अर्घ्य देने सूरज मंदिर के तालाब गए थे। करीब दो घंटे बाद जब परिवार लौटा तो घर के दरवाजों के ताले टूटे मिले और कमरों का सामान बिखरा पड़ा था।



सुबह 5 बजे घाट गए, 7 बजे लौटे तो टूटे मिले तालेः सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि वे सोमवार सुबह करीब 5 बजे परिवार के साथ चक बैरिया स्थित सूरज मंदिर के तालाब पर छठ का अर्घ्य देने गए थे। इसी दौरान चोरों ने बंद घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया।

सोने की अंगूठियां, चेन और गहने चोरी किएः चोरों ने घर के दरवाजों के ताले तोड़कर कमरों की तलाशी ली। इसके बाद गोदरेज अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखी सोने की अंगूठियां, चेन और अन्य आभूषण निकाल लिए। ड्रेसिंग में रखे जेवर और नकदी भी चोर अपने साथ ले गए। सुबह करीब 7 बजे पूजा से लौटने पर परिवार ने घर के कई दरवाजों के ताले टूटे देखे। कमरों में सामान बिखरा था और गोदरेज अलमारी खुली हुई थी। जांच करने पर जेवर और नकदी गायब मिले।

सूचना पर पहुंची पुलिस, आसपास के लोगों से पूछताछः घटना के बाद पीड़ित परिवार ने गोपालपुर थाने को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस चोरों की पहचान और गिरोह का पता लगाने में जुटी है। छठ पूजा के दौरान सुबह-सुबह हुई इस चोरी से इलाके के लोगों में दहशत है।

छठ का प्रसाद बनाते समय लगी आग, 8 लोग झुलसे

एजेंसी, पटना

पटना में रविवार की रात छठ पूजा का प्रसाद बनाते समय घर में आग लग गई। गैस लीक होने से हादसा हुआ और आग की लपटें घर के दूसरे कमरों तक पहुंच गई। जहां कपड़े जलकर राख हो गए। एक फ्रिज भी जल गया। अगलगी में परिवार के 8 लोग झुलस गए हैं। इनमें 3 बच्चे, 3 महिलाएं और 2 पुरुष हैं। महिलाओं की स्थिति गंभीर है। जिन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच ले जाया गया है। परिवार ने सुबह का अर्घ्य भी नहीं दिया। घटना परसा बाजार थाना क्षेत्र के खैराटाली गांव की है। घायलों की पहचान रूबी देवी (43), रेशमी देवी (40), सीमा देवी (35), सूरज कुमार केसरी (38), मनीष केसरी (32), गुड़िया रानी (1), प्रियांशु कुमार (8) और प्रियांशु कुमार (10) के रूप में हुई है। परिवार के विमल कुमार ने बताया कि घर में जहां छठ पूजा की तैयारियां चल रही थीं, वहीं हादसे के बाद चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल हो गया। परिवार की महिलाएं मां रीता देवी और बहन सोनी देवी छठ व्रत कर रही थीं, लेकिन घर के कई सदस्यों के झुलसने और अस्पताल में भर्ती होने के कारण छठ पूजा पूरा नहीं कर पाए। घायल विमल कुमार ने बताया कि आग लगने के बाद परिवार के लोग एक-दूसरे को बचाने की कोशिश कर रहे थे। कमरे में मामी रूबी देवी, भाभी रेशमी देवी और सीमा देवी, भाई सूरज कुमार केसरी और मनीष केसरी, भतीजी गुड़िया रानी और भतीजा प्रियांशु मौजूद थे।



बिहार में बढ़ने लगी ठंड, सुबह-शाम गिरेगा तापमान

एजेंसी, पटना

बिहार में नवंबर के दूसरे हफ्ते की शुरुआत के साथ ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट से हल्की ठंड महसूस होने लगी है। हालांकि, दिन में धूप निकलने से मौसम सामान्य बना हुआ है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, सोमवार को प्रदेश के जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। किसी भी जिले के लिए बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है।



सुबह हल्का कोहरा छाए रहने की संभावनाः राज्य के ज्यादातर हिस्सों में सुबह हल्का से मध्यम कोहरा या धुंध छाई रह सकती है। दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ होगा और धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी होगी। आज प्रदेश में अधिकतम तापमान करीब 30 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 से 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। हालांकि, अलग-अलग जिलों में तापमान का अंतर बना रहेगा।

राजधानी पटना में सुबह हल्का कोहरा और धुंध रहने के बाद आसमान साफ रहने का अनुमान है।

21 नवंबर को पीएम करेंगे शिलान्यास-उद्घाटन, चिराग ने परखी तैयारियां, कहा-युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 नवंबर को वैशाली जिले के राजापाकर में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार को केंद्रीय मंत्री और हाजीपुर सांसद चिराग पासवान कार्यक्रम स्थल पहुंचे और तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर मंच निर्माण, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल और लोगों की सुविधाओं पर चर्चा की। चिराग ने सभी तैयारियां तय समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। बैठक में चिराग पासवान ने अधिकारियों से कार्यक्रम में आने वाले लोगों की सुविधा और आसान आवागमन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने पर जोर दिया। बैठक के बाद उन्होंने कार्यक्रम स्थल के अलग-अलग हिस्सों का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति देखी। पत्रकारों से बातचीत में चिराग पासवान ने कहा कि 21 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के राजापाकर में होना क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को डबल इंजन की सरकार एक-एक कर पूरा कर रही है। इन वादों को पूरा करने की शुरुआत उनके संसदीय क्षेत्र से हो रही है।



इलेक्ट्रॉनिक सिटी से बढ़ेंगी निवेश की संभावनाएंः चिराग ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत का लक्ष्य दिया है और इसके लिए विकसित बिहार जरूरी है। बिहार में कनेक्टिविटी, बिजली और पानी की व्यवस्था बेहतर होने से बड़े उद्योगों और कंपनियों के निवेश के लिए अनुकूल माहौल बन रहा है। राजापाकर को विकास की नई संभावनाओं के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। यहां इलेक्ट्रॉनिक सिटी को बढ़ावा देने के साथ फूड प्रोसेसिंग से जुड़े क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) की स्थापना को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि फिलहाल देश में निफ्टेम के दो संस्थान हैं। एक हरियाणा के कुंडली और दूसरा तमिलनाडु के तंजावुर में है। तीसरे संस्थान की घोषणा पिछले बजट में की गई थी। बिहार में फूड प्रोसेसिंग क्लस्टर के लिए बड़ी कंपनियों और प्रोसेसिंग ब्रांड्स के साथ एमओयू भी हुए हैं। चिराग पासवान ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सिटी और फूड प्रोसेसिंग से जुड़ी परियोजनाएं क्षेत्र की प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने और आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मददगार होंगी। इनसे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के हाथों 21 नवंबर को होने वाले शिलान्यास और उद्घाटन बिहार के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

संक्षिप्त समाचार

परिषदीय विद्यालयों की अर्धवार्षिक परीक्षाएं 17 से

गोरखपुर , एजेंसी। परिषदीय विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं 17 नवंबर से शुरू होंगी। सत्र 2026-27 की परीक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही शिक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अधिकांश विद्यालयों में परीक्षा के लिए उत्तर पुस्तिकाएं पहुंचा दी गई हैं। कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय, अलहदादपुर की सहायक अध्यापिका सूक्ष्म ओझा ने बताया कि इस बार प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाएं कई दिन पहले ही मिल गई हैं। इससे परीक्षा की तैयारी करने में आसानी हो रही है। वहीं, बनकटी माध्यमिक विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका शहनाज बानो ने बताया कि पहले प्रश्नपत्र परीक्षा से एक-दो दिन पहले मिलते थे, लेकिन इस बार काफी पहले उपलब्ध करा दिए गए हैं। विद्यालय ने उत्तर पुस्तिकाएं भी समय से प्राप्त कर ली हैं। इससे परीक्षा के आयोजन में सहूलियत होगी।

एमएमएमयूटी के पास हवा साफ गीडा-गोलघर में प्रदूषण बरकरार

गोरखपुर , एजेंसी। शहर की हवा की सेहत में कुछ सुधार हुआ है लेकिन सभी इलाकों में प्रदूषण का स्तर एक जैसा नहीं है। शनिवार को एमएमएमयूटी स्थित वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन पर (एक्यूआई) एयर क्वालिटी इंडेक्स घटकर 82 पर पहुंच गया। इस स्तर पर हवा की गुणवत्ता संतोषजनक मानी जाती है। वहीं, औद्योगिक क्षेत्र गीडा में एक्यूआई 278 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में है। गोलघर में भी एक्यूआई 191 रहने से हवा मध्यम श्रेणी में बनी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, एमएमएमयूटी क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जबकि गीडा में प्रदूषण का स्तर अब भी अधिक है। गोलघर में भी लोगों को प्रदूषण से राहत नहीं मिली है। सहायक वैज्ञानिक (पर्यावरण) सत्येंद्र नाथ यादव ने बताया कि दिवाली के बाद से शहर में एक्यूआई का स्तर बढ़ गया था। अब एमएमएमयूटी के आसपास प्रदूषण कम होने लगा है, लेकिन शहर के दूसरे इलाकों में स्थिति अभी सामान्य नहीं हुई है।

रेलवे कर्मियों के राशन कार्डों का होगा सत्यापन

गोरखपुर, एजेंसी। रेलवे बोर्ड के राशन कार्ड सरेंडर करने संबंधी निर्देश से पूर्वोत्तर रेलवे में भी हलचल है। बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे और उत्पादन इकाइयों को कर्मचारियों के नाम पर जारी राशन कार्डों का सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं। बोर्ड के अनुसार, देशभर में 1,82,283 रेलकर्मियों के नाम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत राशन कार्ड जारी हैं। रेलवे बोर्ड के उप निदेशक स्थापना (सामान्य) एसके राय ने 11 नवंबर को इस संबंध में पत्र जारी किया है। इसमें कर्मचारियों को एनएफएसए के तहत मिलने वाले लाभ और सब्सिडी का उपयोग नहीं करने तथा अपने नाम पर जारी राशन कार्ड स्वेच्छा से सरेंडर करने के लिए जागरूक करने को कहा गया है। साथ ही राशन कार्डों की नमूना जांच कर यह जानकारी जुटाने के निर्देश दिए गए हैं कि कितने कर्मचारी इस योजना का लाभ ले रहे हैं। योजना का लाभ नहीं लेने वाले कर्मचारियों से स्वघोषणा पत्र भी लिया जा सकता है।

वेलनेस केवल उपचार नहीं, जीवन जीने की कला है

कानपुर , एजेंसी। वेलनेस, आयुर्वेद, अध्यात्म और स्वस्थ जीवनशैली पर गहन मंथन के लिए कानपुर सुपर 100 व दिव्यांबर वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। शुभारंभ विधायक नीलिमा कटियार, वास्तुशास्त्री विमल झाझरिया ने किया। विधायक ने कहा कि कानपुर को स्वस्थ और संस्कारित शहर बनाने के लिए दिव्यांबर वेलनेस सेंटर एक मील का पत्थर साबित होगा। वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने कहा कि वेलनेस केवल उपचार नहीं, जीवन जीने की कला है। व्यक्ति के स्वयं स्वस्थ होने के साथ ही समाज को भी स्वस्थ करना असली वेलनेस है। वास्तुशास्त्री विमल झाझरिया ने कहा कि व्यक्ति को तन, मन और आत्मा तीनों स्तर पर स्वस्थ होने की जरूरत है। इस मौके पर डॉ. सिधांशु राय, पूर्व मंडलायुक्त अजयदीप सिंह, डॉ. नरेंद्र मोहन, आध्यात्मिक विशेषज्ञ रुद्रयोगी, डॉ. एसके मिश्रा, डॉ. अंकित, डॉ. अमरनाथ कश्यप, निर्मल झाझरिया, दिनेश वार्ष्णेय, अनीता त्यागी, रोमी चावला, अनिल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दूरस्थ शिक्षा की ऑनलाइन कक्षाएं एक माह से अटकीं

बरेली , एजेंसी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा के तहत ऑनलाइन कक्षाएं प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के एक माह से अधिक समय बाद भी शुरू नहीं हो पाई हैं। इससे 14 पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले चुके विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिंतित हैं।सेंटर ऑफ डिस्टेंस एंड ऑनलाइन लर्निंग एजुकेशन (सीओडीई) के तहत पांच अक्तूबर को प्रवेश पूरे हो चुके थे। इनमें बीए, बीकॉम, एमए, एमकॉम, एमएससी गणित, पीजीडीजेएमसी, एमबीए मार्केटिंग और एमएसडब्ल्यू जैसे 14 कोर्स संचालित हैं। ये सभी दूरस्थ शिक्षा कोर्स विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के अनुसार संचालित होते हैं। पाठ्यक्रम सेमेस्टर आधारित पद्धति पर हैं। इनकी परीक्षाएं छह माह के भीतर होनी हैं। इन पाठ्यक्रमों की फीस भी नियमित डिग्री कोर्स के समान ही है। एक माह बीत जाने के बाद भी ऑनलाइन कक्षाएं शुरू नहीं हो सकी हैं। विद्यार्थी अब तक कक्षाएं शुरू नहीं होने से परेशान हैं।सीओडीई के समन्वयक राकेश मौर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से सभी शिक्षकों और छात्रों के व्हाट्सएप समूह बना लिए गए हैं। शिक्षकों को समय-समय पर कक्षाएं लेने के लिए सूचित किया जा रहा है। बताया कि दिवाली की छुट्टियों के कारण कई शिक्षक सक्रिय नहीं रह पाए।

छठ पर्व संपन्न, सूर्य को अर्घ्य देकर खोला व्रत

लखनऊ, एजेंसी। सूर्य उपासना के साथ महापर्व छठ का समापन सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ हुआ। अवध के कई जिलों में पूजा स्थलों पर भोर से ही व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। महिलाओं ने जल में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और छठी मैया की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि व संतान की दीर्घायु की कामना की। इसके बाद पारंपरिक तरीके से 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण किया।

रविवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाएं सुबह की पूजा की तैयारी में जुट गई थीं। सोमवार तड़के चार बजे से ही महिलाएं परिवार के सदस्यों के साथ पूजन सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचने लगीं। सूप में गन्ना, केला, नारियल, ठेकुआ और अन्य फल सजाकर पूजा की। सूर्य की पहली किरण दिखाई देते ही महिलाओं ने जल और दूध से अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान घाटों पर छठ गीतों और जयकारों की गूंज रही।



अमेठी जिले गौरीगंज, संग्रामपुर, जायस, फुरसतगंज, मुसाफिरखाना, बाजारशुकुल और जगदीशपुर सहित विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा हुई। गौरीगंज के लोदी बाबा मंदिर के सामने स्थित पक्के तालाब घाट पर भी बड़ी संख्या में व्रती महिलाएं पहुंचीं। परिवार के पुरुष और बच्चे भी पूजा में शामिल हुए। महिलाओं ने एक-दूसरे को प्रसाद वितरित कर पर्व की शुभकामनाएं दीं।

पवित्रता और पारिवारिक एकता का प्रतीक है छठ : गौरीगंज की वंदना त्रिपाठी ने बताया कि छठ व्रत संतान की लंबी आयु और परिवार की सुख-शांति के लिए रखा जाता है। डॉ. अंतिमा मिश्र ने कहा कि 36 घंटे का निर्जला व्रत कठिन साधना का प्रतीक है। इसमें सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना की जाती है। कल्पना सिंह ने बताया कि यह पर्व परिवार के साथ समाज को भी जोड़ता है। पूजा स्थलों पर सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी तैनात रहे।

सोमवार सुबह अयोध्या के प्रसिद्ध गुप्तार घाट पर छठ महापर्व का विधिवत समापन हुआ। चार दिवसीय इस महापर्व के अंतिम दिन व्रती महिलाओं ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान पूरा घाट छठी मैया के पारंपरिक गीतों और जयकारों से गूंज उठा।

महापर्व के चौथे और अंतिम दिन भोर से ही श्रद्धालु अपने परिवारों के साथ घाट पर पहुंचने लगे थे। रविवार शाम से ही घाट पर चहल-पहल शुरू हो गई थी। कई परिवार शाम के अर्घ्य के बाद रात भर वहीं रुके थे। सोमवार सुबह करीब चार बजे से महिलाओं ने सूप, दौरा और पूजा सामग्री के साथ सरयू नदी में प्रवेश किया। ठंड के बावजूद भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। बच्चे, बुजुर्ग और पुरुष भी पूजा में बढ़-चढ़कर शामिल हुए। पूर्व दिशा में सूर्य की पहली किरण दिखते ही व्रती महिलाओं ने कमर तक पानी में खड़े होकर अर्घ्य दिया। उन्होंने परिवार की सुख-समृद्धि, बच्चों की लंबी उम्र और रोगों से मुक्ति की कामना की। सूर्योदय के समय सरयू नदी में सूरज की सुनहरी छटा और सैकड़ों दीयों की रोशनी मनमोहक थी। अर्घ्य के बाद व्रतियों ने एक-दूसरे को प्रसाद बांटा और अपना 36 घंटे का निर्जला व्रत तोड़ा। पारण के बाद उनके चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी।

गोरखनाथ मंदिर स्थित भी सरोवर पर श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है इस समय करीब 80त्न तक श्रद्धालु घाट पर पहुंच चुके हैं बाकी परिवार वाले भीम पहुंच रहे हैं। आधी रात के बाद से ही यहां मेले जैसा माहौल है। श्रद्धालु छठ माता की पूजा अर्चना के साथ-साथ बाबा गोरखनाथ के भी दर्शन पूजन कर रहे हैं।

वाराणसी में भी हुई पूजा : वरुणा पुल और शास्त्री घाट पर छठ पूजा की सुबह का नजारा। घाटों पर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस के जवान तैनात हैं। वहीं, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें भी मुस्तैद हैं।

प्रदेश में मौसम ने ली करवट, हल्की बारिश-बूंदाबांदी ने बढ़ाई सर्दी

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में नए विक्षोभ के असर से रविवार को मौसम बदला रहा। पश्चिमी यूपी के बरेली, बिजनौर, मेरठ, सहारनपुर में हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार से प्रदेश में ठंडी पछुआ हवाएं चलेंगी। साथ ही पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में सुबह के समय कोहरे का असर बढ़ेगा।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से यूपी में ठंडी पछुआ हवाएं चलेंगी। पछुआ के असर से 16 से 18 नवंबर के बीच तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट के आसार हैं।

रविवार को सुबह प्रदेश के कई जिलों में कोहरा छाया रहा। दिन चढ़ने के साथ धुंध छंट गई, लेकिन कुछ इलाकों में दृश्यता काफी कम रही। बरेली और कुशीनगर में घना कोहरा होने से दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। अयोध्या और आजमगढ़ में 50 मीटर दृश्यता दर्ज की गई।

राजधानी में हल्के कोहरे के साथ आज से बढ़ेगी ठंड : राजधानी के मौसम में बदलाव की आहट है। मौसम विभाग का कहना है कि नए विक्षोभ के असर से सोमवार से लखनऊ में हवा का रुख पछुआ हो जाएगा। पहाड़ों से आ रही इस ठंडी पछुआ के असर से आने वाले दो

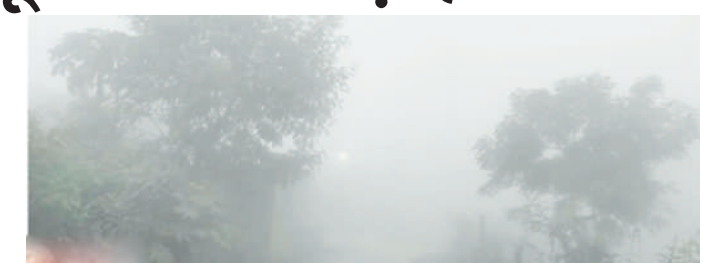

दिन में रात के पारे में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट के आसार हैं। वहीं सुबह के समय कोहरे और धुंध की संभावना जताई जा रही है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ में ठंडी पछुआ हवाएं चलेंगी। पछुआ के असर से 16 से 18 नवंबर के बीच रात के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के आसार हैं। रविवार को अधिकतम तापमान 0.8 डिग्री की बढ़त के साथ 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान भी 0.8 डिग्री की बढ़त के साथ 18.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

अमेठी में मौसम ने बदली करवट, कोहरे ने थामी वाहनों की रफ्तार : मौसम में बदलाव के साथ सोमवार सुबह जिले में सीजन का पहला कोहरा छाया। सुबह सड़कों पर निकले लोगों को सामने का रास्ता साफ दिखाई नहीं दिया। कई स्थानों पर दृश्यता 20 से 30 मीटर तक सिमट गई। इससे हाईवे और ग्रामीण मार्गों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। चालकों को हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ा। सुबह काम पर जाने वाले लोगों, स्कूली बच्चों और मालवाहक वाहनों के चालकों को भी परेशानी हुई।

कोहरे का असर सुबह की यातायात व्यवस्था पर साफ दिखाई दिया। अमेठी-सुल्तानपुर मार्ग, गौरीगंज-जायस मार्ग और लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चालक कम गति से चलते नजर आए। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक दिक्कत हुई। धुंध के कारण सामने से आने वाले वाहनों का पता देर से चल रहा था। सड़क किनारे खड़े वाहन और अचानक रास्ता पार करने वाले लोग भी चालकों के लिए परेशानी का कारण बने। कई वाहन चालकों ने जल्दबाजी के बजाय सावधानी से आगे बढ़ना बेहतर समझा। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों के बीच से गुजरने वाले संपर्क मार्गों पर भी धुंध का असर रहा।

एसएन बन रहा मिनी एम्स, फेफड़े-हृदय के हो सकेंगे प्रत्यारोपण

आगरा, एजेंसी। एसएन मेडिकल कॉलेज को मिनी एम्स की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। 2027 तक पांच परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी। यहां पर फेफड़े-हृदय के प्रत्यारोपण हो सकेंगे। ट्रामा सेंटर में भी अतिगंभीर मरीजों का उपचार मिल सकेगा। इससे मरीजों को दूसरे शहरों में इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा।

इंटीग्रेटेड प्लान के तहत लेडी लॉयल को मिलाकर एसएन को मिनी एम्स बनाया जा रहा है। निर्माण दो चरणों में होगा। बजट करीब 1200 करोड़ रुपये है। पहले चरण में करीब 500 करोड़ रुपये की परियोजनाएं हैं। इसमें पांच भवन हैं। क्रिटिकल केयर यूनिट बन गई है, यहां पर वक्ष एवं क्षय रोग विभाग का एडवांस सेंटर होगा। फेफड़ों का प्रत्यारोपण भी हो सकेगा, बाकी के चार भवनों का 80 फीसदी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। 2027 में ये सभी तैयार हो जाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में छह विभागों के लिए भवन बनेंगे।

प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि इंटीग्रेटेड प्लान के तहत एसएन में एम्स सरीखी चिकित्सकीय सेवाएं मिलेंगी। क्रिटिकल केयर यूनिट का भवन बन चुका है। इसमें जरूरी चिकित्सा उपकरण समेत अन्य की सुविधा की जाएगी। मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, स्पेशल वार्ड होंगे। योजना पूरी होने पर भविष्य में यहां किडनी के बाद हृदय-फेफड़ों समेत अन्य अंगों का प्रत्यारोपण हो सकेगा। - इंटीग्रेटेड प्लान के तहत एसएन में दो चरणों में 12 बहुमंजिला भवन बनेंगे। इसमें आधुनिक चिकित्सा उपकरण, वार्ड, पैथोलॉजी लैब समेत अन्य की सुविधा होगी। इन भवनों की एयर कनेक्टिविटी होगी, जिससे जरूरत पर मरीजों को आसानी से दूसरे विभाग स्थानांतरित किया जा सकेगा। -क्रिटिकल केयर एंड पलमोनरी मेडिसिन यूनिट 137 करोड़ से बनी है। इसमें 100 बिस्तर होंगे। टीबी, सांस, फेफड़े और छाती रोग के मरीजों का इलाज होगा। सर्जरी और मेडिसिन एलाइड में 200-200 बिस्तर होंगे। 125 करोड़ रुपये का बजट है। इसमें आईसीयू, स्पेशल वार्ड की सुविधा होगी। सर्जरी के लिए ओटी होंगी। ट्रामा एंड इमरजेंसी में 220 बिस्तर होंगे। ये 140 करोड़ से बन रही है। 40 बिस्तर की आईसीयू होगी।

अब नहीं गूंजती... कचरा वाला आया की आवाज

अलीगढ़ , एजेंसी। ब्लॉक क्षेत्र के गांवों में अब कचरा वाला आया की आवाज नहीं गूंजती है। कूड़ा गांवों की सड़कों पर फैला नजर आता है। कूड़ा उठाने के लिए खरीदे गए ई-रिक्शा जंग खा रहे हैं। बैटरी खराब हो गई हैं, अथवा गायब हो गई हैं। कंचन केंद्र बंद पड़े हुए हैं। अकराबाद ब्लॉक क्षेत्र में 65 ग्राम पंचायतें आती हैं। हर एक कंचन केंद्र के निर्माण में तीन से चार लाख रुपये की धनराशि खर्च हुई है। गांवों में तथा कूड़ा-कचरा उठाने के लिए 53 ई-रिक्शा खरीदे गए। प्रत्येक ई-रिक्शा की कीमत सवा से डेढ़ लाख रुपये तक रही है। इतना सरकारी धन खर्च होने के बावजूद भी गांव का कूड़ा कचरा कंचन केंद्र तक नहीं पहुंच पा रहा है। और जहां पहुंच रहा है वहां उसका निस्तारण नहीं हो रहा है।गांव टुआमई, ईरखिनी, मंडनपुर, दिनावली व सुहावली समेत अकराबाद कस्बा में साफ-सफाई की व्यवस्था बहुत ही खराब है। गांवों के अंदर और बाहर मुख्य मार्गों पर कूड़े के ढेर लगे हैं। कूड़ा उठाने के लिए खरीदे गए ई-रिक्शा खड़े-खड़े जंग खा रहे हैं। गांव की गली-मोहल्ले की नालियां कीचड़ से अटी पड़ी हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सफाई कर्मचारी मनमानी करते हैं। पंचायत के जिम्मेदार भी अनदेखी किए हुए हैं। जलभराव से मच्छर पैदा हो रहे हैं, जिनसे बीमारियां पनपने का खतरा बना हुआ है। गंदगी के ढेर और उसमें उठने वाली बदबू से लोग परेशान होते हैं।

फाइनल मतदाता सूची में फर्जी वोटर मिले तो नपेंगे अधिकारी, सूचना देने वालों को मिलेगा इनाम

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में एसएसआर के तहत अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद कहीं भी फर्जी मतदाता मिलने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। फर्जी मतदाताओं की सूचना देने वालों को इनाम भी मिलेगा। रकम दोषी अधिकारियों से वसूली जाएगी। इस बारे में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है।

प्रदेश में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान (एसएसआर) के तहत 17 नवंबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा और 4 जनवरी, 2027 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी।



सूत्रों के मुताबिक, मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और संबंधित एजेंसी को चेता दिया है कि फाइनल मतदाता सूची के बाद आयोग आम लोगों और राजनीतिक दलों से फर्जी मतदाताओं के नाम बताने को कहेगा। सूचना देने वालों के लिए इनाम की राशि घोषित की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, अंतिम मतदाता सूची में फर्जी या डुप्लीकेट वोटर मिलने पर बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, ईएआरओ, ईआरओ जिम्मेदार होंगे। ज्यादा खामियां मिलने पर जिला निर्वाचन अधिकारी की जिम्मेदारी भी तय होगी।

विस चुनाव की तैयारियों को लेकर किया मंथन

फरीदपुर। आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने अपनी संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। रविवार को प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी फ्यूचर यूनिवर्सिटी पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर विचार-विमर्श किया।कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि चुनाव से पहले विधानसभा स्तर पर लगातार बैठकें आयोजित कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। बैठक में केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाने की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भाजपा अपने विकास कार्यों और सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि विकास के मुद्दे पर पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करेगी।

पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए कानपुर की टीम चयनित

कानपुर , एजेंसी। उन्नाव में 27 से 29 नवंबर तक होने वाली नॉर्दर्न इंडिया व राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए रविवार को कानपुर की टीम का चयन किया गया। पावरलिफ्टिंग संघ की ओर से रविवार को विष्णुपुरी स्थित सेठ मोतीलाल खेड़िया सनातन धर्म इंटर कॉलेज में ट्रायल के आधार पर पुरुष और महिला वर्ग के खिलाड़ी चुने गए।

पुरुष वर्ग में माइकल डिसूजा, अनुग्रह मेसी, आरव सविता, आर्यन साहू, सुरेश जायसवाल, आकाश वर्मा, कुलदीप शर्मा, मयंक अग्निहोत्री, अभिषेक कुमार, उत्कर्ष साहू, यश सिंह, करण, आयुष्मान अग्निहोत्री, क्षितिज द्विवेदी, दिव्यांशु



सिंह, अनीश सिंह और विराट बाजपेई चयनित हुए। वहीं, महिला वर्ग में मानवी सिंह, तनिष्का गर्ग, डॉ. प्रियांशी द्विवेदी, संजना निषाद, पलक राजपूत, तनिष्का गुप्ता, काव्य यादव, रिद्धि, हार्मनी कनौजिया, छवि, रोशनी यादव, रितिका निषाद, महक पाल और अक्षिता त्रिपाठी को चुना गया। इस मौके पर प्रिंसिपल सुमन चंदोला, संघ के सचिव सौरभ गौर, नीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

रोपवे के तीन स्टेशन तैयार, गोदौलिया और गिरजाघर में काम बाकी; दिसंबर से सेवा शुरू होने की उम्मीद

वाराणसी, एजेंसी। कैंट-गोदौलिया रोपवे परियोजना के तहत कैंट, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। वहीं, गिरजाघर और गोदौलिया स्टेशन पर अभी काम बाकी है। 3.85 किलोमीटर लंबे रोपवे कॉरिडोर के तीन स्टेशन तैयार होने के बाद अब शेष कार्यों को पूरा करने पर जोर है। परियोजना का निर्माण पूरा होने और सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दिसंबर से यात्रियों के लिए रोपवे सेवा शुरू होने की उम्मीद है।

परियोजना के तहत कुल पांच स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें कैंट, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा स्टेशन का काम पूरा हो चुका है। गिरजाघर और गोदौलिया स्टेशन पर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। परियोजना की कुल लंबाई 3.85 किलोमीटर है। इसमें 29 टावर लगाए गए हैं और 148 गंडोला



केबिन के जरिये यात्रियों को सफर कराने की योजना है। दिसंबर से यात्रियों के लिए सेवा शुरू करने की उम्मीद जताई जा रही है।

रोपवे शुरू होने के बाद कैंट से गोदौलिया तक का सफर करीब 16 मिनट में पूरा होने की उम्मीद है। इससे शहर के व्यस्ततम मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने और पर्यटकों को आवागमन का एक वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। अब शहरवासियों को रोपवे के शेष कार्य पूरे होने और संचालन की आधिकारिक तारीख घोषित होने का इंतजार है।

दीवानी कचहरी के पास ही स्थापित हो किशोर न्याय बोर्ड

गोरखपुर , एजेंसी। चरगांवा में निर्माणाधीन किशोर न्याय बोर्ड को दीवानी कचहरी के नजदीक स्थापित करने की मांग उठी है। बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट के अध्यक्ष उमापति उपाध्याय और मंत्री अनुज अस्थाना ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर इस संबंध में मांगपत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि बोर्ड को दीवानी कचहरी से दूर स्थापित करने पर अधिवक्ताओं, वादकारियों और किशोरों के परिजनों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।मंत्री अनुज अस्थाना ने बताया कि किशोर न्याय बोर्ड में पैरवी करने वाले अधिवक्ताओं को दीवानी न्यायालय में भी विभिन्न मुकदमों में उपस्थित होना पड़ता है। ऐसे में दोनों स्थानों के बीच अधिक दूरी होने से एक ही दिन में अलग-अलग न्यायालयों में पैरवी करना मुश्किल होगा। इससे न केवल समय की बर्बादी होगी, बल्कि आवागमन पर अतिरिक्त खर्च भी बढ़ेगा। दूरदराज से आने वाले वादकारियों और किशोरों के परिजनों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि न्यायिक कार्यों की सुगमता, अधिवक्ताओं और वादकारियों की सुविधा तथा समय की बचत को देखते हुए किशोर न्याय बोर्ड की स्थापना दीवानी कचहरी के पास ही की जानी चाहिए। उन्होंने जिलाधिकारी से जनहित और न्यायहित में मांग पर विचार कर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

शिक्षक भर्ती, जूता कारीगर और सफाईकर्मी... अखिलेश यादव ने आगरा में किए तीन बड़े वादे

आगरा, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दलित सम्मेलन में आगरा के जूता उद्योग से जुड़े कारीगरों, संविदा सफाई कर्मचारियों और 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को साधते हुए कई चुनावी वादे भी किए। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर आठ घंटे से अधिक काम करने वाले जूता कारीगरों के लिए ओवरटाइम भुगतान और न्यूनतम वेतन सुनिश्चित किया जाएगा।



सपा अध्यक्ष ने कहा कि आगरा देश का सबसे बड़ा जूता निर्यातक केंद्र है लेकिन ठेकेदारी प्रथा के कारण कारीगरों का आर्थिक शोषण हो रहा है। उन्होंने 69 हजार शिक्षक भर्ती का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट का रुख पक्ष में होने के बावजूद अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिला, जिसे सपा सरकार बनने पर पूरा किया जाएगा।

साथ ही 2006 में मुलायम सिंह यादव द्वारा शुरू की गई संविदा सफाई कर्मचारियों की नीति का स्मरण कराते हुए उनका भविष्य सुरक्षित करने का भरोसा दिया। किसानों के मुद्दे पर उन्होंने आगरा, खंदौली और फिरोजाबाद क्षेत्र में आलू खरीद न होने और डीएपी की किल्लत पर सरकार को घेरा। तंज कसते हुए कहा कि डीएपी में भी पीडीए छिपा होने के कारण सरकार खाद उपलब्ध नहीं करा रही है।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

देश की आजादी के बाद आई सरकारों ने हमारे जनजातीय नायकों के योगदान को भुला दिया

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महान क्रांतिकारी और जननायक बिरसा मुंडा सहित अनेक जनजातीय नायकों ने देश की आजादी के लिए जनजातीय क्षेत्रों में अलख जगाई, लेकिन आजादी के बाद आई सरकारों ने हमारे जनजातीय महापुरुषों के योगदान को भुला दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को शहडोल जिले ब्यौहारी में आयोजित जनजातीय गौरव सप्ताह के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जननायक बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अपने संघर्ष से तत्कालीन ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी। वे जल, जंगल और जमीन के लिए अपने कार्यों के आधार पर पूज्यनीय हो गए। उन्होंने कहा कि वीर नायक भगवान बिरसा मुंडा ने देश और समाज के लिए अपना बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देशभर में बिरसा मुंडा



की जयंती राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। अब 15 नवंबर की तिथि राष्ट्रीय गौरव का दिन बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का किया अनावरणः इससे पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम का शुभारंभ धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण कर तथा आदि पूजा के साथ किया। उन्होंने शहडोल जिले को 357.71 करोड़ रुपये के 82 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 8.64 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए 10 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 349.07 करोड़ रुपये लागत के 72 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में देश के 8 से 10 राज्यों से कोल समाज के भाई-बहन बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, क्षेत्रीय सांसद डॉ. राजेश मिश्रा सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी से सिंगरौली तक फोर लेन सड़क बनाने, ब्यौहारी विधानसभा में 10 करोड़ रूपये लागत से 18 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क बनाने, हनुमान मंदिर तक सुगम आवागमन के लिए 13

- **जनजातीय गौरव सप्ताह अंतर्गत ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री, 357.71 करोड़ के 82 विकास कार्यों की दी सौगात**

करोड़ लागत से बनने वाली सड़क को मंजूर करने, मऊ से चरखारी तक नई सड़क बनाने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने शहडोल में डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडिटोरियम बनाने, संजय टाइगर रिजर्व के लिए नया प्रवेश द्वार बनाने, हाथियों के सर्वेक्षण के लिए विशेष टीम शहडोल भेजने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि शहडोल में नये इंडस्ट्रियल पार्क का जल्द ही भूमि-पूजन होगा। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने अब तक 85 हजार पदों पर भर्ती की है, आगे भी 2 लाख नए पदों पर नौकरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने धर्मांतरण के खिलाफ लड़ाई लड़ी और विजय हासिल की। उन्होंने देश-धर्म के लिए स्वयं को बलिदान कर दिया। अपना देश, अपना राज का उद्घोष करने वाले बिरसा मुंडा जनजातीय अस्मिता के महानायक थे। जननायक वीर बुदु भगत और मदारा महतो ने 1831 और 1832 में अद्वितीय लड़ाई लड़ी। उन्हें भी जनजातीय सप्ताह के कार्यक्रम में स्मरण कर रहे हैं। राज्य सरकार ने वीरांगना रानी दुर्गावती का स्मरण कर जबलपुर से इस सप्ताह का शुभारंभ किया था। इसके बाद धार में लगभग 1400 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना की सौगात दी गई। पिछले दिनों जनजातीय क्षेत्रों में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए लगभग 4000 करोड़ रुपए की सौगात मिली है।

अलवर में शुरू हुआ 'अलवर संपदा' वेब पोर्टल

एजेंसी, अलवर

जिले में विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन ने नई पहल की है। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में जिला प्रशासन के नवाचार 'अलवर संपदा' वेब पोर्टल का प्रशिक्षण कार्यक्रम रविवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। इस वेब पोर्टल के माध्यम से जिले में 10 लाख रुपये से अधिक लागत वाले विकास एवं इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सकेगी। साथ ही आमजन भी विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि जिला प्रशासन की इस पहल के तहत सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा 'अलवर संपदा' वेब पोर्टल तैयार किया गया है। इस पोर्टल पर जिले के सभी विभागों को 10 लाख रुपये से अधिक लागत वाले बजट घोषणाओं एवं अन्य विकास कार्यों का विवरण दर्ज करना होगा। इससे विकास कार्यों की नियमित निगरानी के साथ उनकी समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। पोर्टल के माध्यम से प्रशासन को कार्यों की वास्तविक स्थिति की



- **10 लाख से अधिक के विकास कार्यो की होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग**

जानकारी मिलेगी, वहीं आमजन भी विकास कार्यों की रियल टाइम प्रगति देख सकेंगे। प्रशिक्षण के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की एसीपी नीतू बसवाल ने अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को पोर्टल के संचालन और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर प्रत्येक विकास कार्य से संबंधित कार्य का नाम, स्थान, संबंधित विभाग, प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति की तिथि, कार्यादेश जारी होने की तिथि, कार्य पूर्ण होने की अनुमानित तिथि, संबंधित विभागीय अधिकारी का नाम, ठेकेदार का नाम, कार्यादेश राशि और कार्यकारी एजेंसी सहित अन्य आवश्यक जानकारियां दर्ज करनी होंगी। इन जानकारियों के आधार पर प्रशासन विकास कार्यों की प्रगति पर नजर रख सकेगा और कार्यों में होने वाली देरी एवं अन्य समस्याओं की पहचान कर सकेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता भूरी सिंह, डीओआईटी की एसीपी नीतू बसवाल, सीएमएचओ डॉ. योगेंद्र शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश गुप्ता, जेवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता जे.पी. बैरवा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अधीनस्थ कार्मिक उपस्थित रहे। 'अलवर संपदा' पोर्टल को जिले में विकास कार्यों की निगरानी, पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने की युद्ध में यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना

कीव। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा कि हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए। 'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पिकलबॉल खिलाड़ियों का मुकाबला भी देखा। इनमें से कई खिलाड़ी कृत्रिम अंगों का इस्तेमाल करते हैं। ये खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले 'इन्विक्टस गेम्स' में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी ने यूक्रेन के लोगों के धैर्य और मुश्किल हालात का सामना करने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध जल्द ही समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के बाकी देश आपका समर्थन करते रहेंगे।

चीन के इलेक्ट्रिक विमान सीई-25ए ने भरी पहली सफल उड़ान

बीजिंग। चीन ने इलेक्ट्रिक एविएशन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। चीन के सरकारी विमान निर्माता कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन ऑफ चाइना द्वारा विकसित इलेक्ट्रिक विमान सीई-25ए ने पहली बार पायलटों के साथ सफल परीक्षण उड़ान भरी है। शानदोंग प्रांत के बिनझोउ में हुए इस परीक्षण को भविष्य की ग्रीन एविएशन तकनीक की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। खास बात यह है कि यह विमान बिना पायलट के भी स्वायत्त रूप से उड़ान भरने में सक्षम है। 14 नवंबर को हुए इस परीक्षण के दौरान विमान



में दो पायलट और एक फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर मौजूद थे। परीक्षण का पूरा सत्र करीब 57 मिनट 46 सेकंड तक चला, जिसमें विमान ने 16 मिनट से अधिक समय तक हवा में उड़ान भरी और लगभग 60.4 किलोमीटर की दूरी तय की। इंजीनियरों के अनुसार, परीक्षण के दौरान विमान के सभी सिस्टम सामान्य तरीके से काम करते रहे और कोई असामान्य स्थिति सामने नहीं आई। इस सफल उड़ान से पहले, सीई-25ए ने बिना पायलट के 19 परीक्षण उड़ानें पूरी की थीं, जिसकी पहली स्वायत्त उड़ान 2 फरवरी को हुई थी। इन परीक्षणों के जरिए विमान की तकनीकी क्षमता और सुरक्षा प्रणालियों का गहन आकलन किया गया। सीई-25ए चीन का पहला इलेक्ट्रिक कमर्शियल विमान है, जिसे शहरों के बीच हवाई यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी अधिकतम टेकऑफ क्षमता 10 टन है और इसमें एक बार में 19 यात्री सफर कर सकते हैं। विमान की क्रूज स्पीड 300 किलोमीटर प्रति घंटा और अधिकतम क्रूज ऊंचाई 2,400 मीटर बताई गई है, जबकि यह एक बार में लगभग 400 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। इसमें इलेक्ट्रिक प्रोपेलर लगाए गए हैं। वहीं, एक अन्य घटनाक्रम में, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ताइवान को लेकर अपने देश का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि ताइवान की आजादी के लिए कोई गुंजाइश नहीं है और चीन का पूर्ण एकीकरण होकर रहेगा।

तमिलनाडु के मंत्री आधव अर्जुन और पत्नी डेजी मार्टिन ने 14 साल बाद अलग होने का लिया फैसला

चेन्नई। तमिलनाडु के लोक निर्माण एवं खेल मंत्री आधव अर्जुन और उनकी पत्नी डेजी मार्टिन ने 14 साल के वैवाहिक जीवन के बाद अलग होने का फैसला किया है। दोनों ने आपसी सहमति से अपने वैवाहिक संबंध समाप्त कर अलग-अलग रास्तों पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। डेजी मार्टिन ने सोमवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। डेजी ने अपने बयान में पिछले 14 वर्षों के साझा जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दौरान दोनों ने मित्र, जीवनसाथी और माता-पिता के रूप में कई महत्वपूर्ण पड़ाव साथ तय किए। आपसी प्रेम और समझ के साथ बिताए इन वर्षों के बाद अब दोनों ने सहमति से अलग होने का निर्णय लिया है। डेजी मार्टिन ने स्पष्ट किया कि वैवाहिक संबंध समाप्त होने के बावजूद बच्चों के प्रति दोनों की जिम्मेदारियां पहले की तरह बनी रहेंगी। उन्होंने कहा कि बच्चों की खुशी, बेहतर परवरिश और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए दोनों मिलकर काम करते रहेंगे। बच्चों का पालन-पोषण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। डेजी ने आधव अर्जुन के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि उनके मन में आधव अर्जुन के प्रति हमेशा सम्मान बना रहेगा और वह उनके भविष्य के लिए शांति एवं सफलता की कामना करती हैं। डेजी मार्टिन ने जीवन के इस निजी बदलाव के दौरान मीडिया और आम लोगों से संवेदनशीलता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस फैसले के मद्देनजर उनकी निजता का सम्मान किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि आधव अर्जुन तमिलनाडु के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं।

मणिकर्ण घाटी में टेंपो ट्रैवलर खाई में गिरी, 12 पर्यटक घायल

एजेंसी, कुल्लू

जिला कुल्लू की मणिकर्ण घाटी में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा पेश आया। सरसाड़ी के समीप पर्यटकों से भरी एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में 12 पर्यटक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार टेंपो ट्रैवलर भुंतर से मणिकर्ण की ओर जा रही थी। इसी दौरान सरसाड़ी के समीप चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिसके चलते वाहन सड़क से लुढ़ककर गहरी खाई में जा गिरा।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन की टीम ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और वाहन में सवार सभी घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों की टीम ने घायलों को प्राथमिक उपचार



दिया। घायलों में शुभ सुचिता जैना (29), सुराचिता जैना (55), रंजन जैना (67), मंजू रानी जैना (58), तापस कुमार जैना (31), रश्मी रंजन जैना (58), शरद दास (58), आठ वर्षीय शिवांशु शेखर, गायत्री (28) और दिव्यकांत प्रधान (32) शामिल हैं। इनमें अधिकांश पर्यटक ओडिशा के रहने वाले हैं, जबकि कुछ बेंगलुरु के निवासी बताए गए हैं। अन्य दो घायलों की पहचान संबंधी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। उधर, पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की छानबीन कर रही है।

प्रदेश के 24,141 अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय के लिए 41 करोड़ से रुपये से अधिक आवंटित

एजेंसी, लखनऊ

योगी सरकार परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ शिक्षण कार्य में योगदान दे रहे अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय भुगतान को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रदेश के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों के नवंबर माह के मानदेय के लिए 41 करोड़ 3 लाख 97 हजार रुपये की धनराशि का आवंटन किया गया है। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कार्यरत कुल 24,141 अंशकालिक अनुदेशकों को मानदेय भुगतान किया जाएगा।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा मोनिका रानी की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए



हैं। आवंटित धनराशि का उपयोग निर्धारित वित्तीय नियमों एवं शर्तों के अनुसार करते हुए संबंधित अनुदेशकों को मानदेय भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया है।

तीन श्रेणियों के 24,141 अनुदेशकों को मिलेगा मानदेयः प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इनमें कला शिक्षा के 8,414, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा के 9,574 तथा कार्यानुभव शिक्षा के 6,153 अनुदेशक शामिल हैं। इस प्रकार तीनों श्रेणियों में कुल 24,141

- **कला शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा तथा कार्यानुभव शिक्षा के अनुदेशकों को मिलेगा समयबद्ध मानदेय**

अनुदेशकों के नवंबर माह के मानदेय के लिए बजट निर्धारित किया गया है।

जनपदवार निर्धारित किया गया बजटः जारी विवरण में सभी 75 जनपदों- कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों की श्रेणीवार संख्या और उनके नवंबर माह के मानदेय के लिए निर्धारित धनराशि का उल्लेख किया गया है। इसमें आगरा, अलीगढ़, अंबेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, आजमगढ़, बरेली, गोरखपुर, कानपुर नगर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी सहित सभी जनपद शामिल हैं। जनपदवार कार्यरत अनुदेशकों की संख्या के आधार पर मानदेय की धनराशि निर्धारित की गई है।

वित्तीय नियमों के अनुरूप होगा भुगतानः आवंटित धनराशि का व्यय वित्तीय नियमों तथा 'फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड प्रोक्योरमेंट 2024' के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। संबंधित बिल एवं वाउचर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सुरक्षित रखे जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त विवरण और अभिलेख निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने होंगे। जिस मद में धनराशि आवंटित की गई है, उसी मद में उसका उपयोग किया जाएगा। धनराशि का किसी अन्य मद में स्थानांतरण अथवा निर्धारित आवंटन से अधिक व्यय अनुमन्य नहीं होगा। निर्देशों के अनुसार किसी भी स्थिति में दोहरे भुगतान की अनुमति नहीं होगी। यदि ऐसा मामला सामने आता है तो संबंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी इसकी जिम्मेदारी वहन करेंगे।

मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार सब स्टेशन से जनरेटिंग यूनिट का हुआ सिंक्रोनाइजेशन

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब किसी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन से जनरेटिंग यूनिट को नेशनल ग्रिड की फ्रीक्वेंसी के अनुरूप सिंक्रोनाइज किया गया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश की विद्युत पारेषण प्रणाली की आपातकालीन तैयारियों और ग्रिड की पुनर्बहाली क्षमता का परीक्षण करने के लिए मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने 132 केवी सब स्टेशन गोपालगंज (सिवनी) टी बी सी बी एवं पेंच हाइडल पावर हाउस की यूनिट-2 के समन्वय से ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया। यह मध्य प्रदेश क्षेत्र में भी अपनी तरह का पहला प्रयोग है। एमपी स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर



के मुख्य अभियंता राजेश गुप्ता ने बताया कि इस मॉकड्रिल के माध्यम से ब्लैकआउट जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में ट्रांसमिशन सिस्टम की सुरक्षित एवं क्रमबद्ध तरीके से पुनर्बहाली की प्रक्रिया का परीक्षण किया गया। अभ्यास के दौरान ग्रिड आइलैंडिंग, सिंक्रोनाइजेशन तथा वोल्टेज एवं फ्रीक्वेंसी नियंत्रण से जुड़ी तकनीकी प्रक्रियाओं का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

ऐसी हुई प्रक्रियाः मुख्य अभियंता गुप्ता के अनुसार, सामान्यतः ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल में जनरेटर छोर

- **132 केवी सब स्टेशन गोपालगंज और पेंच हाइडल पॉवर हाउस की यूनिट-2 के बीच ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल सफलतापूर्वक संपन्न**

से ही सिस्टम को सिंक्रोनाइज कर संबंधित सब स्टेशन में विद्युत आपूर्ति बहाल की जाती है, लेकिन इस बार एमपी ट्रांसको ने सब स्टेशन छोर से ही जनरेटिंग यूनिट को सिंक्रोनाइज करने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। इस प्रक्रिया के तहत पहले पेंच हाइडल पावर हाउस की यूनिट-2 को आइलैंडिंग किया गया। इसके बाद पूरी कार्ययोजना के अनुसार गोपालगंज सब स्टेशन में स्थापित बे कंट्रोल यूनिट के इंटरनल फीचर की सहायता से पेंच हाइडल यूनिट-2 की बस तक विद्युत आपूर्ति पहुंचाई गई। इसके पश्चात जनरेटिंग यूनिट का सिंक्रोनाइजेशन किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में सब स्टेशन स्तर से विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने और जनरेटिंग यूनिट को सिंक्रोनाइज करने की तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन हुआ।मुख्य अभियंता ने बताया कि ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल एक तकनीकी अभ्यास है, जिसमें यह परीक्षण किया जाता है कि यदि किसी कारणवश पूरा ग्रिड फेल हो जाए, तो बाहरी विद्युत आपूर्ति के बिना पावर हाउस को किस प्रकार चालू किया जा सकता है और चरणबद्ध तरीके से विद्युत प्रणाली को पुनः कैसे बहाल किया जा सकता है। इस अभ्यास से आपातकालीन परिस्थितियों में ग्रिड की पुनर्बहाली के लिए अपनाई जाने वाली तकनीकी प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जांच होती है। गुप्ता ने बताया कि मॉकड्रिल के दौरान 33 केवी के तीन फीडरों पर लगभग एक घंटे तक अस्थायी रूप से विद्युत व्यवधान रहा।

मुख्यमंत्री ने सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' का विमोचन किया

एजेंसी, धर्मशाला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को धर्मशाला में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुस्तक में सोनिया गांधी के जीवन के विभिन्न पहलुओं का संवेदनशील एवं सारगर्भित वर्णन है। उनके जीवन के संघर्षों और दृढ़ संकल्प से परिपूर्ण जीवन यात्रा को दर्शाया गया है। सुक्खू ने कहा कि इस पुस्तक में वर्णित किया गया है कि किस प्रकार सोनिया गांधी ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच स्वयं को ढाला और साहस, धैर्य एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विभिन्न कठिनाइयों पर जीत हासिल की। उनका जीवन संघर्ष, आत्मबल, मजबूत व्यक्तित्व और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तक पाठकों को सोनिया गांधी



के व्यक्तिगत अनुभवों और उनकी जीवन यात्रा को समझने का अवसर प्रदान करती है। यह कठिन परिस्थितियों का साहस और धैर्य के साथ सामना करने की महत्वपूर्ण सीख भी देती है। उन्होंने युवाओं से इस पुस्तक को पढ़ने का आग्रह करते हुए कहा कि जीवन के अनुभवों, संघर्षों और उनसे मिलने वाली सीख को समझना व्यक्ति के व्यक्तित्व और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की हिमाचल प्रदेश कांग्रेस मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल, सह-प्रभारी विदित चौधरी एवं चेतन चौहान, मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायकगण तथा अन्य गणमान्य थे।

दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध में गिरावट, छेड़छाड़ के मामले 63 प्रतिशत घटे

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध में पिछले एक दशक के दौरान उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2016 से 2025 के बीच छेड़छाड़ के मामलों में 63 प्रतिशत, महिला की लज्जा भंग करने के मामलों में 59 प्रतिशत और दुष्कर्म एवं बाल यौन अपराधों के मामलों में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से किए जा रहे प्रयासों के साथ अपराधों की जांच और अभियोजन में तेजी लाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्ष 2016 में महिला की लज्जा भंग करने के 4,165 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में घटकर 1,708 रह गए। इसी अवधि में दुष्कर्म और पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के मामले 2,155 से घटकर 1,608



और छेड़छाड़ के मामले 918 से कम होकर 337 रह गए।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 24 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में महिलाओं की सुरक्षा के लिए तीन महीने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती, आपातकालीन सहायता और अपराधों की जांच एवं सुनवाई में तेजी लाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। सार्वजनिक पार्कों और संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा के लिए छह हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं।

सेंट्रल सेक्रेटेरियट लाइब्रेरी की किताबों की शिफ्टिंग पर रोक, केंद्र को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली की 135 साल पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरियट लाइब्रेरी (सीएसएल) की किताबों को शिफ्ट करने के मामले में केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई और अगली सुनवाई तक किताबों को स्थानांतरित करने पर रोक लगा दी। उच्चतम न्यायालय ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत शास्त्री भवन स्थित इस ऐतिहासिक पुस्तकालय की 8.5 लाख से अधिक किताबों के लिए उचित इंतजाम नहीं किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस पी.वी. संजय कुमार की बेंच ने



किताबों के रखरखाव में लापरवाही पर कहा कि सरकार किताबों के प्रति थोड़ा सम्मान दिखाये। न्यायालय ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि केंद्र सरकार को इन ऐतिहासिक किताबों की जरूरत नहीं है तो इन्हें किसी ऐसे दूसरे देश को दे दिया जाए, जो इनकी कद्र और देखभाल कर सके।

केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने न्यायालय को भरोसा दिलाया कि अगली सुनवाई तक किताबों को कहीं और शिफ्ट कर दिया जाएगा, जिसे न्यायालय ने रिकॉर्ड पर लेते हुए मामले की अगली सुनवाई की तारीख मुकर्रर कर दी।

सुनवाई के दौरान करीब 2 लाख किताबों को अव्यवस्थित और खराब स्थिति में रखे जाने का मुद्दा भी उठा। सरकारी पक्ष ने दावा किया कि आरके पुरम में रखी किताबें तुलसी सदन पुस्तकालय से आई हैं, जिस पर न्यायालय ने एमिकस क्यूरी हरिप्रिया पद्मनाभन को किताबों पर लगे टैग की जांच करने का निर्देश दिया।

यह पुस्तकालय वर्तमान में शास्त्री भवन में स्थित है, जिसे नई सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत ध्वस्त किया जाना प्रस्तावित है। 29 सितंबर को छपी एक मीडिया रिपोर्ट में 1702 तक पुरानी इस विरासत के लिए नई योजना में उचित जगह न होने की बात सामने आने के बाद उच्चतम न्यायालय ने 4 अक्टूबर को इस पर स्वतः संज्ञान लिया था।

आईसीसी का दूसरी बार अध्यक्ष नियुक्त होने पर जय शाह को भारतीय क्रिकेट जगत ने दी बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष के रूप में जय शाह की लगातार दूसरी बार निर्विरोध नियुक्ति पर भारतीय क्रिकेट जगत से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई),बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास, भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली, केएल राहुल, मिताली राज, हरभजन सिंह और शिखर धवन सहित कई खिलाड़ियों ने शाह को नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी हैं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर शाह को बधाई दी। बोर्ड ने लिखा, "बाली में वैश्विक क्रिकेट संस्था की बोर्ड बैठकों के दौरान आईसीसी अध्यक्ष के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध पुनर्नियुक्त होने पर जय शाह को बधाई। हम कामना करते हैं कि आप अपने प्रयासों में लगातार सफलता हासिल करें और क्रिकेट को हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।" बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने शाह के नेतृत्व, दूरदृष्टि और क्रिकेट के विकास तथा वैश्विक पहचान बढ़ाने में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने लिखा, "अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में आपके योग्य पुनर्निर्वाचन पर हार्दिक बधाई, जय शाह भाई। आपका नेतृत्व, स्पष्ट दृष्टिकोण और क्रिकेट के प्रति अटूट प्रतिबद्धता प्रेरणादायक रही है। खेल के विकास और वैश्विक पहचान बढ़ाने में आपका योगदान वास्तव में प्रेरित करने वाला है।" मन्हास ने आगे लिखा, "व्यक्तिगत रूप से और बीसीसीआई की ओर से मुझे आपको हार्दिक बधाई, सम्मान और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए बेहद खुशी हो रही है। उम्मीद है कि आपका यह कार्यकाल और बड़ी उपलब्धियां लेकर आएगा और आप विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के नए अवसर तैयार करेंगे।" भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी शाह को बधाई देते हुए उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। उन्होंने लिखा, "जय शाह भाई, आईसीसी अध्यक्ष के रूप में एक और योग्य कार्यकाल के लिए बधाई। आपके नेतृत्व पर जताया गया भरोसा अपने आप में सब कुछ बयां करता है। उम्मीद है कि आप क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।" डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, "आईसीसी अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्त होने पर जय शाह को बधाई। यह क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण समय है, क्योंकि खेल नए अवसरों को अपनाने की तैयारी कर रहा है। इनमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 में क्रिकेट की वापसी भी शामिल है।" उन्होंने आगे कहा, "खेल के वैश्विक विकास को गति देने, इसके तंत्र को मजबूत करने और नए दर्शकों तक पहुंचाने में उनका नेतृत्व महत्वपूर्ण होगा। इस अहम जिम्मेदारी के लिए उन्हें लगातार सफलता की शुभकामनाएं।" भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने भी शाह को बधाई देते हुए लिखा, "बधाई हो, जय भाई। आपको क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों तक ले जाते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं।" भारत की पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज मिताली राज ने शाह की दूरदृष्टि और महिला क्रिकेट के विकास के लिए अवसर तैयार करने की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने लिखा, "आईसीसी अध्यक्ष के रूप में दोबारा नियुक्त होने पर बधाई, जय शाह सर। क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के आपके दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता के साथ-साथ महिला क्रिकेट के विकास के लिए सार्थक अवसर तैयार करने के आपके प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। क्रिकेट को उसके अगले अध्याय में ले जाने के लिए आपके नेतृत्व को शुभकामनाएं।" पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने लिखा, "आईसीसी अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई, जय शाह भाई। क्रिकेट को नए दर्शकों तक पहुंचाने और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आपको लगातार सफलता की शुभकामनाएं।

दोहा विश्व चैंपियनशिप में भारत ने रचा इतिहास, 2028 ओलंपिक के लिए पहले ही मुकाबले में मिले तीन कोटा

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय निशानेबाजों ने दोहा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 के लिए तीन कोटा स्थान हासिल किए हैं। इसके साथ ही भारत ने कम से कम पिछले पांच ओलंपिक चक्रों में अपनी सबसे शानदार शुरुआती ओलंपिक क्वालीफिकेशन उपलब्धि दर्ज की है। लंदन ओलंपिक-2012 से लेकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 तक के पांच लगातार ओलंपिक चक्रों में यह पहला अवसर है, जब भारतीय निशानेबाजों ने पहले ही क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में तीन कोटा हासिल किए हैं। खास बात यह है कि तीनों कोटा राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में विश्व चैंपियनशिप के पदक जीतकर मिले हैं। जयपाल मालवीय ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला। इसके बाद नीरज कुमार ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में कांस्य पदक हासिल किया, जबकि विवान कपूर ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत को तीसरा ओलंपिक कोटा दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, "ओलंपिक चक्र की शुरुआत में ही पहली विश्व चैंपियनशिप में तीन कोटा हासिल करना इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि राइफल, पिस्टल और शॉटगन तीनों स्पर्धाओं में पदक मिले हैं। आमतौर पर इस तरह की लय बनने में कुछ विश्व कप लग जाते हैं। ऐसे में इतनी जल्दी तीन कोटा हासिल होने से टीम पर दबाव काफी कम होगा और हमारे कोचिंग स्टाफ को लॉस एंजिलिस की तैयारी की योजना बनाने के लिए स्पष्ट दिशा मिलेगी।" दोहा में भारत का प्रदर्शन पिछले चार ओलंपिक चक्रों की शुरुआती क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं से बेहतर रहा। लंदन ओलंपिक-2012 से पहले 2010 में म्यूनिख विश्व चैंपियनशिप में भारत ने दो कोटा हासिल किए थे। रियो ओलंपिक-2016 से पहले 2014 की ग्रेनाडा विश्व चैंपियनशिप में एक कोटा मिला था। टोक्यो ओलंपिक-2020 से पहले 2018 की चांगवोन विश्व चैंपियनशिप में भारत को दो कोटा मिले थे। वहीं, पेरिस ओलंपिक-2024 से पहले 2022 में ओसिजेक शॉटगन विश्व चैंपियनशिप और काहिरा राइफल-पिस्टल विश्व चैंपियनशिप में भारत ने कुल दो कोटा हासिल किए थे। एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने दोहा में निशानेबाजों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, "विश्व चैंपियनशिप में ओलंपिक कोटा हासिल करना कभी आसान नहीं होता, क्योंकि दुनिया के सभी शीर्ष निशानेबाज एक ही प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं। जयपाल, नीरज और विवान ने बेहद कड़े फाइनल मुकाबलों में अपना संयम बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन से ये कोटा हासिल किए।

गंभीर बोले, गेंदबाज जिताते हैं सीरीज

एजेंसी, हैमिल्टन



भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड में एकदिवसीय सीरीज जीतने केा बाद गेंदबाजों की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार से गेंदबाजों ने कम स्कोर का भी बचाव करते हुए पांचवें एकदिवसीय में टीम को जीत दिलायी है उससे उनके महत्व का अंदाजा होता है। भारतीय गेंदबाजों ने पांचवें और अंतिम एकदिवसी में 210 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए मेजबान टीम को 187 रनों पर ही आउट कर भारतीय टीम को 22 रनों से जीत दिला दी थी। इससे टीम ने 3-1 से सीरीज जीती। इस जीत के बाद गंभीर ने सोशल मीडिया पर गेंदबाजों की अहमियत को रेखांकित करते हुए लिखा, गेंदबाज आपको सीरीज जिताते हैं। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी इस जीत को बड़ी उपलब्धि बताया, खासकर न्यूजीलैंड के लगातार बदलते मौसम और चुनौतीपूर्ण खेल हालातों को देखते हुए। उन्होंने कहा कि टीम ने टी-20 और एकदिवसीय दोनों सीरीज जीतकर अपनी क्षमता दिखायी है। अय्यर ने माना है कि अंतिम मैच में बल्लेबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा, फिर भी टीम को अपने पर विश्वास था कि वह किसी भी समय मैच का रुख पलट सकती है। उन्होंने पूरी सीरीज के दौरान गेंदबाजों की भूमिका की सराहना की। श्रेयस ने कहा, पूरी सीरीज देखें तो यह बल्लेबाजों की सीरीज नहीं थी। गेंदबाजों ने हर अवसर मौके पर जिम्मेदारी संभाली और अलग-अलग हालातों में टीम को जीत दिलाने का भरोसा दिखाया। उन्होंने टीम के खिलाड़ियों के रवैये और उनके चरित्र को टीम की सफलता के लिए आवश्यक बताया। वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पिच दो गति वाली थी, कुछ गेंदें तेजी से आ रही थीं जबकि कुछ धीमी थीं। सैंटनर ने माना कि भारतीय गेंदबाजों ने सही क्षेत्ररक्षण लगाकर बल्लेबाजों पर दबाव बनाया और पिच के उछाल का भी लाभ उठाया। मैच के हीरो रहे अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से टीम की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने चार गेंदों में 14 रन बनाने के बाद गेंदबाजी के दौरान 3 विकेट लिए।

सैफ चैंपियनशिप : पाकिस्तान के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भारत की नजरें ऐतिहासिक हैट्रिक पर

एजेंसी, ढाका



गत चैंपियन भारतीय फुटबॉल टीम मंगलवार को यहां राष्ट्रीय स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में उतरेगी। भारतीय टीम की नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने और अपना 10वां खिताब हासिल करने पर होंगी। भारत ने अब तक रिकॉर्ड नौ बार सैफ चैंपियनशिप का खिताब जीता है। टीम ने 1993, 1997, 1999, 2005, 2009, 2011, 2015, 2021 और 2023 में यह उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, भारतीय टीम अब तक लगातार तीन संस्करणों में खिताब नहीं जीत सकी है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की वेबसाइट के अनुसार, भारत ने 15 संस्करणों में से 14 में शीर्ष दो में जगह बनाई है। केवल 2003 में टीम फाइनल तक नहीं पहुंच सकी थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान पहली बार सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। टीम इससे पहले चार बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जिसमें पिछला मौका 2018 में आया था। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने मेजबान बांग्लादेश को 1-0 से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब्दुल समद ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल किया। भारतीय टीम के मुख्य कोच नौशाद मूसा ने फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सामूहिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, "अब तक टीम का सफर देखकर मैं बहुत खुश हूं। एक और फाइनल में पहुंचना खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास का नतीजा है। इस दौरान हमें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों ने अपने चरित्र, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा करने की मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय दिया। हर मुकाबला सीखने और सुधार करने का अवसर रहा है और अब हमें एक और महत्वपूर्ण कदम उठाना है।"

इंग्लैंड ने स्पेन को उसी के घर में 3-2 से हराया, 43 मैचों से चला आ रहा अजेय अभियान थमा

एजेंसी, मैड्रिड



इंग्लैंड ने रविवार को नेशंस लीग मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए यूरो और विश्व कप विजेता स्पेन को उसी के घरेलू मैदान पर 3-2 से हरा दिया। इस हार के साथ ही स्पेन का लगातार 43 मैचों से चला आ रहा अजेय अभियान समाप्त हो गया। टीम को मार्च 2024 में कोलंबिया के खिलाफ 0-1 की हार के बाद पहली बार शिकस्त झेलनी पड़ी है। इंग्लैंड ने स्पेन के खिलाफ पूरे मुकाबले में आक्रामक दबाव बनाए रखा। विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी इंग्लिश टीम की तेज प्रेसिंग के सामने स्पेनिश खिलाड़ी लगातार परेशानी में नजर आए। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल किया। यह इंग्लैंड के लिए उनका 93वां गोल रहा। इसके अलावा डिफेंडर एजरी कोंसा और बेन व्हाइट ने भी गोल दागे। स्पेन की ओर से मिकेल ओयारजाबल ने पेनल्टी पर गोल किया, जबकि निको विलियम्स ने दूसरा गोल किया। बार्सिलोना के स्टार खिलाड़ी लामिन यामल की इन दोनों गोलों में अहम भूमिका रही। मुकाबले के अंतिम चरण में स्पेन ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड ने कई शानदार बचाव कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। क्वार्टर फाइनल का ड्रॉ शुक्रवार को निकाला जाएगा।

मिर्रा आंद्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब, शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की चैंपियन बनीं

एजेंसी, इंडियन वेल्स



रूस की 19 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी मिर्रा आंद्रीवा ने अपने पहले ही प्रयास में डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीत लिया है। उन्होंने रविवार को खिताबी मुकाबले में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ आंद्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। आंद्रीवा ने एक घंटे 48 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। वह टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना चैंपियन बनीं। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर साल का समापन भी सुनिश्चित कर लिया। अब 2027 सत्र की शुरुआत में उनके पास विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनने का मौका होगा। आंद्रीवा ने 2026 का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ किया। उनके नाम इस सत्र में टूर स्तर पर 55 जीत और चार खिताब रहे। डब्ल्यूटीए फाइनल्स के अलावा उन्होंने एडिलेड, लिंज और फ्रेंच ओपन में भी खिताब जीते। पहले सेट में आंद्रीवा और स्वितोलिना के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती दौर में एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। इसके बाद आंद्रीवा ने फिर स्वितोलिना की सर्विस तोड़कर अपनी बढ़त 5-3 कर ली। हालांकि, वह 5-4 पर सेट अपने नाम नहीं कर सकीं। इसके बाद उन्होंने स्वितोलिना की सर्विस तीसरी बार तोड़ी और दूसरे प्रयास में सेट 7-5 से जीत लिया। दूसरे सेट में फ्रेंच ओपन चैंपियन आंद्रीवा ने अपनी लय बरकरार रखी। उन्होंने आखिरी दो गेम में केवल दो अंक गंवाए और 6-3 से सेट जीतकर खिताब पर कब्जा कर लिया। इस जीत के साथ उन्हें 33.7 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि भी मिली। आंद्रीवा ने ग्रुप चरण में भी स्वितोलिना को हराया था और फाइनल में एक बार फिर उन्हें शिकस्त दी। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने 2026 की पारिबास ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ भी शानदार जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में पहला सेट 1-4 से पिछड़ने के बाद आंद्रीवा ने लगातार 11 गेम जीतकर अपनी ताकत दिखाई थी। खिताब जीतने के बाद आंद्रीवा ने अपनी टीम के प्रति आभार जताते हुए कहा, "इस समूह का हिस्सा बनना शानदार महसूस हो रहा है। मैं अपनी टीम की बेहद आभारी हूं, जिसने मुझे मेरी सीमाओं तक पहुंचने के लिए लगातार प्रेरित किया। मेरा साथ देने और मुझे वे सभी चीजें करने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद, जो मुझे करनी चाहिए।" उन्होंने आगे कहा, "मैं अपनी टीम को धन्यवाद देना चाहती हूं, जो हर दिन मुझे बेहतर काम करने में मदद करती है, मुझे मेरी सीमाओं तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती है और जब मेरा कुछ भी करने का मन नहीं होता, तब भी मुझे जरूरी काम करने के लिए मजबूर करती है।" आंद्रीवा ने ट्रॉफी समारोह के दौरान खुद को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "आखिरी व्यक्ति, जिसे मैं धन्यवाद देना चाहती हूं, वह खुद मैं हूं।" डब्ल्यूटीए फाइनल्स में पदार्पण करते हुए सीधे सेटों में सभी मुकाबले जीतकर खिताब हासिल करना भी आंद्रीवा की उपलब्धि को खास बनाता है। इससे पहले 1972 में इस टूर्नामेंट के पहले संस्करण में क्रिस एवर्ट ने ऐसा किया था। सेरेना विलियम्स ने 2001 में भी अपने तीन मुकाबले सीधे सेटों में जीते थे और वॉकओवर के जरिए खिताब हासिल किया था।

राइजिंग स्टार एशिया कप के कारण वैभव सूर्यवंशी मुश्ताक अली ट्रॉफी से बाहर हुए

एजेंसी, मुम्बई



सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए बिहार के कप्तान बनाये गये वैभव सूर्यवंशी को एक ही मैच के बाद ही टीम से भी बाहर कर दिया गया। जिससे सभी हैरान हो गये हालांकि अब इसका कारण सामने आया है। पहले लग रहा था कि शुरुआती मैच में खराब प्रदर्शन के कारण वैभव को बाहर किया गया पर अब पता चला है कि आगामी राइजिंग स्टार एशिया कप के भारत ए टीम में उनको शामिल किया गया है। इसी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी के चलते उन्हें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से रिलीज किया गया है। यह फैसला उन्हें पर्याप्त समय देगा ताकि वे अपनी नई टीम के साथ तालमेल बिठा सकें और एक बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार कर सकें। भले ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका कार्यकाल संक्षिप्त रहा हो, लेकिन भारत ए टीम में चयन वैभव सूर्यवंशी के करियर के लिए एक बड़ा कदम है और यह उन्हें भविष्य में सीनियर भारतीय टीम के लिए दावेदारी पेश करने का मौका देगा। मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरुआती मैच में वैभव पहली पारी में केवल 18 रन बना पाये थे और टीम को हार का सामना करना पड़ा। वहीं टीम जब अपने दूसरे मैच में रेलवे के खिलाफ खेलने उतरी, तो कप्तानी युवा सूरज कश्यप को सौंप दी गई। वहीं वैभव को अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं मिली, जिसने कई सवाल खड़े कर दिए थे कि आखिर टीम प्रबंधन ने इतनी जल्दी कप्तान बदलने का फैसला क्यों किया।

वहीं अब यह स्पष्ट हो गया है कि वैभव का टीम से बाहर होना उनके खराब प्रदर्शन या टीम के फैसले का नतीजा नहीं था, बल्कि उन्हें एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है।

डब्लयूपीएल 2027 में ब्रेबोर्न की जगह वानखेड़े में खेले जाएंगे मुकाबले

एजेंसी, मुंबई



अगले साल 2027 में होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के मुकाबलों में एक बदलाव किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इस टूर्नामेंट में पहले ब्रेबोर्न स्टेडियम में मैच रखे गये थे जिन्हें अब वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। बीसीसीआई के अनुसार आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की तैयारियों के कारण ये फैसला लिया गया है हालांकि इस बदलाव से टूर्नामेंट के मुंबई चरण के कार्यक्रम या तारीखों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और सभी 11 मुकाबले पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक आयोजित होंगे।

बीसीसीआई ने अपने एक बयान में कहा कि मुंबई में होने वाले लीग मुकाबलों के साथ-साथ एलिमिनेटर और फाइनल भी अब वानखेड़े में ही खेले जाएंगे। यह पहली बार होगा जब वानखेड़े स्टेडियम डब्लयूपीएल मैचों की मेजबानी करेगा। इस वेन्यू परिवर्तन का मुख्य कारण आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 है, जिसकी मेजबानी ब्रेबोर्न स्टेडियम को 14 से 28 फरवरी तक करनी है। आईसीसी के नियमों के अनुसार, किसी भी बड़े टूर्नामेंट के शुरू होने से 15 दिन पहले मेजबान स्थलों पर विशेष नियंत्रण की आवश्यकता होती है। यह नियम पिचों को तैयार करने और आयोजन स्थल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित करता है। इसी कारण डब्लयूपीएल के मैचों को वानखेड़े में स्थानांतरित करने का फैसला लिया गया।

बीसीसीआई के फैसले के अनुसार, मुंबई चरण के तहत कुल 11 मुकाबले वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसमें लीग चरण के 12वें से 20वें मुकाबले के साथ-साथ अहम एलिमिनेटर और फाइनल मैच भी शामिल हैं। ये सभी मैच 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 के बीच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित होंगे। बीसीसीआई की डबल्यूपीएल समिति ने आईसीसी के अनुरोध के बाद इस महत्वपूर्ण बदलाव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी।

डबल्यूपीएल सत्र की शुरुआत 14 जनवरी को वडोदरा में होगी। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाएगा। वडोदरा में टूर्नामेंट के शुरुआती 11 मुकाबले 24 जनवरी तक आयोजित होंगे, जिसके बाद लीग मुकाबले मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे।

मुंबई की 14 वर्षीय घुड़सवार तारिणी लोढ़ा एफईआई ड्रेसाज विश्व चैलेंज में लेंगी हिस्सा

एजेंसी, मुंबई



मुंबई की 14 वर्षीय उभरती घुड़सवार खिलाड़ी तारिणी लोढ़ा एफईआई ड्रेसाज विश्व चैलेंज 2026 के दक्षिण क्षेत्र मुकाबले में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। यह प्रतियोगिता 16 से 20 नवंबर तक बेंगलुरु के सर्ज स्टेबल्स में आयोजित होगी। मुंबई के एमेच्योर राइडर्स क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए तारिणी राष्ट्रीय स्तर पर अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगी। ड्रेसाज में विशेषज्ञता रखने वाली तारिणी इससे पहले शो जंपिंग में भी हिस्सा ले चुकी हैं। उन्होंने कॉन्कोर्स सॉट नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। 10 वर्ष की उम्र में प्रतिस्पर्धी घुड़सवारी शुरू करने वाली तारिणी चेन्नई इक्विटेशन सेंटर में कोच इसाबेल हसलेडर और मुंबई के एमेच्योर राइडर्स क्लब में कोच बोबिन शेरिंग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेती हैं। वह सप्ताह में पांच दिन घुड़सवारी का अभ्यास करती हैं। इसके साथ ही फिटनेस और शारीरिक मजबूती के लिए भी नियमित प्रशिक्षण लेती हैं। तारिणी की अब तक की यात्रा में उनके घोड़े 'नॉक आउट' की अहम भूमिका रही है। दोनों ने 2025 में बेंगलुरु में आयोजित इक्वेस्ट्रियन प्रीमियर लीग में चिल्ड्रेन-1 ड्रेसाज स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। इस दौरान उन्होंने 65.841 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। दिसंबर 2025 में आयोजित जूनियर नेशनल इक्वेस्ट्रियन चैंपियनशिप में भी तारिणी और नॉक आउट ने शानदार प्रदर्शन किया। चिल्ड्रेन ग्रुप-1 ड्रेसाज टीम स्पर्धा में तारिणी ने व्यक्तिगत रूप से 70.154 प्रतिशत अंक हासिल किए। उनके प्रदर्शन की बदौलत उनकी टीम ने कुल 272.579 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। हाल ही में ड्रीम अलायंस-6 प्रतियोगिता में इस जोड़ी ने 69.137 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके बाद 71.85 प्रतिशत अंक के शानदार प्रदर्शन के साथ तारिणी ने इस वर्ष दिसंबर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता से पहले तारिणी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "मैं बेंगलुरु में एफईआई ड्रेसाज विश्व चैलेंज में हिस्सा लेने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं अपनी तकनीक, निरंतरता और प्रतिस्पर्धा के दौरान आत्मविश्वास बेहतर करने के लिए अपने कोच के साथ कड़ी मेहनत कर रही हूं। नॉक आउट के साथ मेरी साझेदारी मेरी यात्रा का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर घोड़े का अपना अलग व्यक्तित्व होता है और उसके साथ विश्वास तथा समझ विकसित करने में समय, धैर्य और काफी अभ्यास लगता है। नॉक आउट मेरी प्रगति का अहम हिस्सा रहा है और मैं उसके साथ मुकाबले में उतरने के लिए उत्सुक हूं।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक



कहीं घूमने का है प्लान, पर करनी है घर की सफाई? जानें फास्ट होम क्लीनिंग आइडिया

संडे को सफाई और घूमने के बीच बैलेंस बनाना काफी मुश्किल होता है, क्योंकि गंदगी और अव्यवस्था से मन अशांत रहता है। ऐसे में कहीं घर को बुरी हालत में छोड़कर बाहर घूमने जाने का मन नहीं करता है। अगर आपके साथ भी हर वीकेंड पर कुछ ऐसी ही स्थिति बनी रहती है, तो यहां से फास्ट होम क्लीनिंग का आइडिया ले सकते हैं।

संडे को सफाई और घूमने के बीच बैलेंस बनाना काफी मुश्किल होता है, लेकिन जल्दी-जल्दी क्लीनिंग करके आप समय से काम निपटा सकती हैं। साथ ही, अपने घूमने की प्लानिंग को भी सफल बना सकती हैं।, क्योंकि गंदगी और अव्यवस्था से मन अशांत रहता है। पूरे सप्ताह के बिजी शेड्युल में घर की साफ-सफाई कई दफा नजरंदाज हो जाती है और वीकेंड्स पर ही अच्छी तरह सफाई करने का मौका मिलता है। ऐसे में, घर को बिखरा हुआ छोड़कर कहीं बाहर घूमने जाने का मन नहीं करता है। अगर इस संडे आपका भी कहीं घूमने का प्लान है, लेकिन घर की सफाई बाकी है तो आप इन टिप्स को फॉलो करके आप घर की सफाई को जल्दी से निपटाकर अपने घूमने के प्लान को आराम से एंजॉय कर सकती हैं।

डेली डिक्लटरिंग से शुरुआत करें

सबसे पहले घर के उन हिस्सों को साफ करें, जो सबसे ज्यादा बिखरे हुए हैं।बेडरूम, लिविंग रूम और किचन से फालतू सामान हटाएं। डस्टबिन और वेस्ट बास्केट में गैरजरूरी चीजें डाल दें।

10 मिनट रूल अपनाएं

हर कमरे की सफाई के लिए सिर्फ 10 मिनट दें।वाइप करें, झाड़ू लगाएं और चीजों को सही जगह रखें। सफाई का सामान तैयार रखें। किचन क्लीनर, डस्टिंग क्लॉथ, वाइपर, ग्लास क्लीनर जैसी चीजें पहले ही निकालकर रखें। इससे बार-बार चीजें ढूंढने में समय नहीं लगेगा।

स्पॉट क्लीनिंग परदें ध्यान

पूरे घर की सफाई करने की बजाय, सिर्फ गंदे हिस्सों पर फोकस करें।फर्श, टेबल, डोर हैंडल और मिरर जैसी चीजें जल्दी साफ करें। सफाई करते समय वॉशिंग मशीन में कपड़े डाल दें और बर्तन धोने का काम भी साथ में करें। इससे समय की बचत होगी।

फर्श की सफाई स्मार्ट तरीके से करें

वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करें या झाड़ू और पोछा एक साथ लगाएं।फर्श को एक बार वाइप कर दें ताकि धूल और गंदगी हट जाए।सफाई के बाद घर में फ्रेशनर का इस्तेमाल करें। इससे सफाई का असर और बेहतर लगेगा।

परिवार की मदद लें

सभी को एक-एक काम सौंपें, जैसे कोई झाड़ू लगाए, तो कोई धूल साफ करे।टीमवर्क से काम जल्दी और आसानी से हो जाएगा।गहराई से सफाई करने के बजाय सिर्फ बेसिक क्लीनिंग पर फोकस करें। डीप क्लीनिंग के लिए किसी और दिन का चयन करें।



बच्चों के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने के लिए अपनाएं ये तरीके

यह बात तो हम सभी जानते हैं कि बच्चों को खेलना कितना पसंद आता है। अमूमन हम सभी बच्चों के खिलौनों और प्ले एरिया को क्लीन जरूर करते हैं, लेकिन इसके साथ-साथ उसे डिसइंफेक्ट करना बेहद जरूरी है। दरअसल, इन सभी खिलौनों व प्ले एरिया पर बच्चे की चिपचिपी उंगलियों से लेकर फूड पार्टिकल्स तक रह जाते हैं, जिससे वहां पर बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं। ऐसे में बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करना आपको एक टफ टास्क लग सकता होगा। हालांकि, अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो बेहद ही आसान तरीके से बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट कर सकती हैं। फिर चाहे वह बच्चे के खिलौने हों या फिर उनकी खेलने की छोटी सी मेज, इन सबको डिसइंफेक्ट करने का बेहद ही आसान तरीका है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बच्चे के प्ले एरिया को किस तरह डिसइंफेक्ट किया जाए-

पहले करें डिक्लटर

जब बात बच्चों के प्ले एरिया को डिइंफेक्ट करने की होती है तो इसकी शुरुआत हमेशा डिक्लटर करने से करें। आप बच्चे के सभी खिलौनों, किताबों और इधर-उधर पड़ी चीज़ों को हटाना शुरू करें। इससे प्ले एरिया को क्लीन करना अधिक आसान हो जाता है और यह सुनिश्चित होता है कि कोई छिपा हुआ कोना सफाई से छूट नहीं गया है।

बच्चों के लिए सुरक्षित डिसइंफेक्टेंट का करें इस्तेमाल

जब बात बच्चों के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने की हो तो आपको प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल थोड़ा समझदारी से करना चाहिए। ध्यान दें कि डिसइंफेक्टेंट किड्स सेफ हो। अगर आप चाहें तो एक भाग सफेद सिरका और 1 भाग पानी से घोल भी बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। अब आप डिसइंफेक्टेंट की मदद से बच्चे के खेलने की टेबल, कुर्सियां आदि को साफ करें। उन एरिया पर खासतौर से ध्यान दें जिन्हें अक्सर छुआ जाता है - जैसे कि खेलने की मेज या हैंडल के किनारे आदि।

खिलौनों को इस तरह करें साफ

बच्चे के खिलौनों को साफ करने के अलग-अलग तरीके अपनाएं। मसलन, प्लास्टिक और गैर-इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों को आप गर्म साबुन के पानी की बाल्टी में डालकर धोएं और हवा में सुखाएं। वहीं, सॉफ्ट टॉयज को ज्यादातर को वॉशिंग मशीन में डालकर क्लीन करें। अगर खिलौने इलेक्ट्रॉनिक हैं तो उसे नम कपड़े और डिसइंफेक्टेंट की मदद से पोंछें। ध्यान रहे कि आप उन्हें गीला न करें।

मैट और दीवारों की भी करें सफाई

यदि आपके बच्चे फोम या रबर प्ले मैट पर खेलते हैं, तो उन्हें भी डिसइंफेक्टेंट की मदद से क्लीन करें। खासतौर से, उन जगहों पर ज्यादा ध्यान दें, जहां पर गंदगी छिपी रहती है। इसी तरह, दीवारों, लाइट स्विच और आस-पास की खिड़कियों को डिसइंफेक्टेंट वाइप्स या माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछें।

वेंटिलेशन का भी रखें ध्यान

बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने के लिए उसे सिर्फ साफ करना ही काफी नहीं है, बल्कि आपको वेंटिलेशन का भी उतना ही ख्याल रखना चाहिए। एक बार जब आप प्ले एरिया को क्लीन व डिसइंफेक्ट कर लेते हैं तो उसे थोड़ी देर के लिए हवादार होने दें। इससे क्लीनिंग सॉल्यूशन जल्दी सूख जाते हैं और यह सुनिश्चित होता है कि कोई गंध नहीं रह जाती है।



बच्चों को बाहर घूमने या खेलने के लिए भेजने से पहले सिखाएं ये जरूरी सेफ्टी टिप्स

इस बात में कोई संदेह नहीं कि बच्चों को बाहर खेलने के लिए भेजना उनके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, लेकिन अगर आप भी अपने बच्चों को खेलने के लिए बाहर भेज रही हैं, तो कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों की अनदेखी करना बच्चे के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। इसके अतिरिक्त भी सुरक्षा की दृष्टि से कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

बहुत दूर न हो खेलने की जगह

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों के खेलने की जगह घर से बहुत दूर नहीं होनी चाहिए। कोशिश करें कि बच्चे ऐसी जगह खेलें, जहां से आप उन पर नजर रख सकें। बच्चे किन अन्य बच्चों के साथ खेलने जा रहे हैं, इसका भी पता रखें। बेहतर होगा कि बारी-बारी से किसी एक बच्चे के घर से कोई बड़ा भी उनके आसपास रहे।

मौसम का रखें ध्यान

सुरक्षा की बात करें, तो सबसे पहले आता है मौसम का ध्यान रखना। बच्चों को यह समझाकर रखें कि किस तरह के मौसम में बाहर नहीं जाना है और अगर पहले से बाहर खेलने के लिए निकले हैं, तो उन्हें तुरंत घर लौट आना है। जैसे, उन्हें बताकर रखें कि अगर घटाएं घिरने लगें और बारिश के आसार हों, तो तुरंत घर आ जाएं। बारिश में भीगना नुकसान कर सकता है। साथ ही बारिश में फिसलन के कारण खेलने पर चोट भी लग सकती है।

कीट-पतंगों का ध्यान रखें

बच्चे अगर पार्क में खेलते हैं तो वहां घास और पेड़-पौधों के कारण कीट-पतंगों का खतरा रहता है। इसलिए बच्चों को बग स्प्रे लगाकर भेजें। शाम के समय मच्छरों का प्रकोप बहुत होता है। इसलिए उनसे बचाव बहुत ज्यादा जरूरी है। साथ ही बच्चों को समझा दें कि ऐसी जगह नहीं जाना है, जहां घास बड़ी हो। वहां खतरनाक कीटों का खतरा ज्यादा रहता है।

आसपास रखें नजर

बच्चों को समझाएं कि उन्हें अपने आसपास की गतिविधियों को लेकर सतर्क रहना चाहिए। अगर कुछ अप्रत्याशित या अजीब लगे, तो तुरंत घर लौट आएं और बड़ों को बताएं। इसके अलावा उन्हें हमेशा ध्यान दिलाएं कि किसी भी अजनबी से बात नहीं करनी है। अजनबी के हाथ से कुछ खाना नहीं है। अजनबी से घुलना-मिलना घातक हो सकता है। अक्सर आपराधिक मानसिकता के लोग इसका लाभ उठाते हैं।

बाहर कुछ न खाएं

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि उन्हें यह समझाकर भेजें कि बाहर की चीजें नहीं खानी हैं। और सबसे खास बात, किसी भी पार्क आदि जैसी जगहों पर पेड़ों पर लगे अनजान किस्म के फलों को कतई न खाएं। साथ ही उन्हें इस बात की सख्त हिदायत दें कि उन्हें अपने साथ के बच्चों के संग ही रहना है। अकेले इधर-उधर न जाएं।

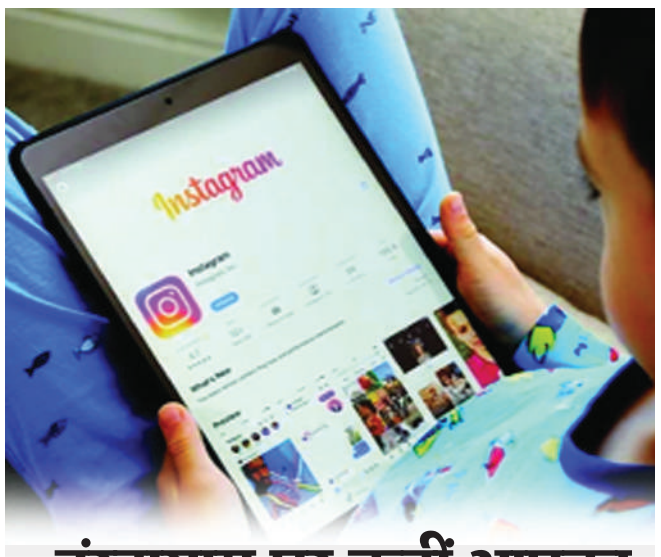

इंस्टाग्राम पर कहीं आपका बच्चा भी तो नहीं देख रहा उल्टे-सीधे कंटेंट? ऐसे छुड़ाएं आदत

सोशल मीडिया वैसे तो दुनिया में चल रही चीजों से अप टू डेटेड रहने के लिए बड़ा काम का प्लेटफॉर्म है, लेकिन इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि आप इंस्टाग्राम पर घंटों रील्स देख कर अपना समय बर्बाद करें। अक्सर ऐसा बच्चे और टीनएजर्स कर रहे हैं, जिस पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

कई बार ऐसा होता है कि रील्स स्क्रॉल करते हुए सामने कोई ऐसा कंटेंट आ जाते हैं, जो कि उन्हें नहीं देखना चाहिए। आज के समय में, टीनेज बच्चों को हैंडल करना माता-पिता के लिए काफी चैलेंजिंग हो गया है। खास कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मामले में बच्चे को बच्चे को समझाना और उन्हें इससे दूर रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। क्योंकि इस उम्र में उनकी फ्रीडम और प्राइवेसी दोनों ही अहम हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में उनकी आदतों में सुधार कैसे लाया जाए, आइए इस बारे में हम आपको बताते हैं।

बच्चों को ब्रेक लेने के लिए समझाएं

इंस्टाग्राम पर स्क्रॉल करते समय, बच्चे अक्सर अपना बहुत सारा समय बर्बाद कर देते हैं। इससे उन्हें दूर रखने के लिए आप बच्चे को ब्रेक लेने के लिए कह सकते हैं। समय के महत्व को बताएं और उन्हें मोबाइल से ब्रेक लेकर खेल-कूद पर थोड़ा ध्यान देने पर फोकस करवाएं। अगर आपका टीनएजर इंस्टाग्राम पर घंटों समय बर्बाद कर रहा है, तो यह फीचर उन्हें एक टाइम बाद ब्रेक लेने की याद दिलाएगा। अक्सर बच्चे पढ़ते-पढ़ते भी बीच में मोबाइल उठा लेते हैं, तो यह फीचर बच्चों को रीसेट और रीफोकस करने में मदद कर सकता है। इसमें यूजर को यह मैसेज मिलता है कि उन्होंने अपनी डेली लिमिट का स्क्रीन टाइम इस्तेमाल कर लिया है।

क्वाइट मोड

इंस्टाग्राम का क्वाइट मोड सीमाएं तय करने के मामले में एक बेहतरीन फीचर है। इससे आपके बच्चे की लगातार स्क्रीन देखने की आदत में सुधार आ सकती है। यह फीचर 12 घंटे तक के लिए नोटिफिकेशन म्यूट करने में मदद करता है, जिससे बच्चे इंस्टाग्राम स्क्रॉल करने की जगह पढ़ाई में अपना समय बिता सकते हैं। इसका ऑटो-रिप्लाई फीचर डीएम करने की कोशिश कर रहे लोगों को संदेश भेजता है कि पर्सन अभी क्वाइट मोड में है और उपलब्ध नहीं है।

नाइट नज

मोबाइल देखने की लत से रात की नींद की क्वालिटी को बहुत ज्यादा प्रभावित होती है। ऐसे में बच्चों को इंस्टाग्राम से दूर रखने के लिए इसका नाइट नज टूल भी है, जो आपकी इस परेशानी का हल आसानी से कर सकता है। इस फीचर के तहत यूजर को याद दिलाते हुए एक रिमाइंडर मैसेज भेजा जाता है कि रात हो रही है और सोने की तैयारी कर लेनी चाहिए। अगर आपका बच्चा रात 10.00 बजे से सुबह 7.00 बजे के बीच 10 मिनट से अधिक समय तक इंस्टाग्राम का उपयोग करता है, तो यह फीचर हर 10 मिनट में एक फ्रेंडली रिमाइंडर भेजता है।

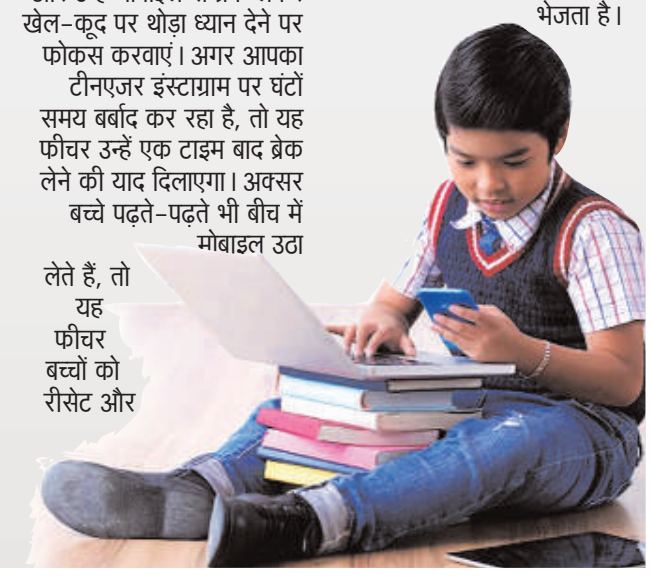



होम गार्डनिंग शुरू करने के 5 आसान टिप्स

अपने घर के अगल बगल हरियाली किसको पसंद नहीं होती है। हालांकि शहरों में हरियाली न होने के कारण ज्यादातर लोग खुद का गार्डन बनाना पसंद करते हैं। कई लोग अपने गार्डन में केवल फूल रखते हैं तो कई लोग अपने गार्डन में सब्जियों की खेती भी करते हैं। गार्डन छोटा हो या बड़ा आप चाहें तो आसानी से उसमें अपनी पसंदीदा चीज़ों को उगा सकती हैं।

उचित स्थान चुने

गार्डनिंग करने के लिए जरूरी है आपको सही जगह का चयन करना। अगर आपके पास गार्डन नहीं है तो आप अपनी बालकनी में भी गार्डनिंग कर सकते हैं। इसके लिए आपको मिट्टी के गमले ख़रीदने होंगे।

अच्छे बीज चुनें

गार्डनिंग आप कहीं भी क्यों न कर रहे हो आप को सही तरीके का बीज चाहिए होगा। बीज जितना अच्छा होगा उतनी जल्दी आपके पौधे में सब्जी और फूल प्राप्त होंगे। बीज खरीदते समय आपको खास ध्यान देना होगा।

कौन सा गमला होगा बेस्ट

अगर आप पौधों में सब्जियां फल उगाने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको मिट्टी का गमला ही खरीदना चाहिए। मिट्टी के गमले में पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। नहीं ऐसे में इन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना भी आसान होता है।

सही मिट्टी का चयन करें

पौधों की ग्रोथ के लिए मिट्टी का चयन करना काफी ज़्यादा ज़रूरी है। मिट्टी लेते समय ध्यान रखें कि मिट्टी ना तो ज्यादा हार्ड हो और ना ही ज्यादा चिपचिपा। पौधे लगाने के लिए मिट्टी निम्न प्रकार की होनी चाहिए। इससे पौधे अच्छे उठते हैं।

पौधे को समय पर पानी दें

पौधों की सही तरीके से ग्रोथ चाहते हैं तो आपको होम गार्डनिंग के दौरान भी पौधों को समय समय पर पानी देते रहना चाहिए। इससे आपके पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। अगर आप इन बातों को फ़ॉलो करते हैं तो आपका हूँ गार्डनिंग करने का सपना पूरा हो सकता है।



डिजिटल एंटरटेनमेंट में कदम रखने जा रहे हैं आमिर खान और फरहान अख्तर

फिल्मों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले आमिर खान और फरहान अख्तर अब डिजिटल एंटरटेनमेंट में भी नया कदम उठाने जा रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने मिलकर एक माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म शुरू करने की तैयारी की है. इस पर दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली कहानियां देखने को मिलेंगी.



इस प्लेटफॉर्म पर सिर्फ नई कहानियां ही नहीं दिखाई जाएंगी, बल्कि दोनों प्रोडक्शन हाउस के पास पहले से मौजूद कहानियों और फिल्मों से जुड़े कंटेंट का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके साथ ही कुछ कहानियां खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म के लिए तैयार की जाएंगी. यानी दर्शकों को पुराने कंटेंट के साथ कुछ नया देखने का मौका भी मिलेगा. इस वेंचर में कई जाने-माने डिजिटल और यूट्यूब क्रिएटर्स को जोड़ने की तैयारी है. इनके साथ खास समझौते किए जाएंगे, ताकि वे अपने कंटेंट और दर्शकों के साथ इस नए प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन सकें. इससे डिजिटल दुनिया में पहले से लोकप्रिय चेहरों को भी नई कहानियों के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा. इस प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी को भी साथ जोड़ा गया है. इसका मकसद है कि मोबाइल पर वीडियो देखने वाले ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें. हालांकि, अभी इस कंपनी का नाम सामने नहीं आया है.

क्या होता है माइक्रोड्रामा

माइक्रोड्रामा ऐसे छोटे वीडियो एपिसोड होते हैं, जिनमें कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है. आमतौर पर हर एपिसोड में कोई नया मोड़ या दिलचस्प बात देखने को मिलती है, जिससे दर्शक अगला हिस्सा देखने के लिए उत्सुक रहते हैं. इसे खास तौर पर मोबाइल पर देखने के हिसाब से बनाया जाता है.



रजनीकांत सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म 'जेलर 2' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, 'रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जेलर 2' में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।' फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, 'फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान



की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, 'हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।



जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और बरुण सोबती की तिकड़ी मचाएगी धमाल

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती जल्द ही अपनी नई सीरीज 'पुष्पक विमान' में एक साथ नजर आएंगे। सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी द्वारा बनाई और लिखी गई यह सीरीज क्राइम और कॉमेडी का मजेदार मेल लेकर आ रही है। तीनों कलाकारों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। सुदीप शर्मा अब तक अपनी गंभीर और इंटेंस कहानियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह 'पुष्पक विमान' के जरिए कॉमेडी के जॉनर में कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सीरीज कुछ अनोखे किरदारों की कहानी है, जिनकी जिंदगी में होने वाली घटनाएं धीरे-धीरे एक अलग ही मोड़ ले लेती हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सुदीप शर्मा ने बताया कि वह इस बार कुछ अलग करना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस तरह की कहानी और नए जॉनर के साथ प्रयोग करने के लिए नेटफ्लिक्स एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने भी इस सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'पुष्पक विमान' सुदीप शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स की अगली फ्रेंचाइजी होगी।

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ



अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की। चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, 'सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।' चित्रांगदा सिंह ने 'मातृभूमि' के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब से 'मातृभूमि' के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है।



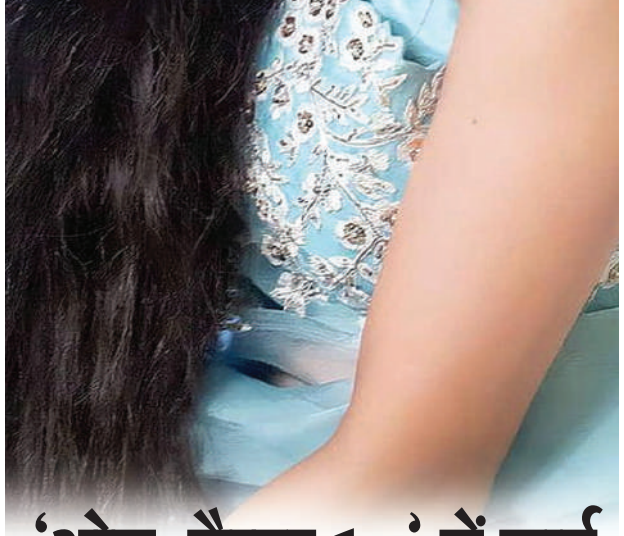

'ओमः चैप्टर 1...' में साई पल्लवी ने मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा किए

'ओमः चैप्टर 1 – उधिरमः द ब्लड वुड' के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च, जहां हजारों की तादाद में पहुंचे फैंस ने इस शाम को किसी बड़े फिल्मी जश्न में बदल दिया। धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर की मौजूदगी ने इस महफिल में चार चांद लगा दिए। फिल्म के इस खास जश्न में निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है। 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' वहीं साई पल्लवी ने अपने खास अंदाज में मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पिछली फिल्म में मैं मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहती रहती थी और अब मम्मूट्टी सर के साथ



काम कर रही हूं। पता नहीं, मैंने ही इसे मैनिफेस्ट कर लिया था!' मम्मूट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर साई बोलीं, 'वह 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन मैंने सेट पर उनसे ज्यादा एनर्जेटिक एक्टर नहीं देखा। वह बिल्कुल बच्चे जैसे हैं। कैमरा रोल होने से पहले ही वह ऐसे प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते रहते थे। उनके साथ काम करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।' निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने फिल्म और चेन्नई के साथ अपने खास जुड़ाव पर कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है।



लैटिन ग्रैमी में छाया दिलजीत और डैडी यांकी का जादू

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इसकी धूम देखने को मिल रही है। ग्लोबल म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पंजाबी संगीत का परचम लहराया है। इस बार उन्होंने प्यूर्टो रिको के मशहूर रेगेटन स्टार डैडी यांकी के साथ मिलकर ऐसा धमाल मचाया कि हर तरफ उनकी चर्चा होने लगी। दोनों का ग्लोबल क्रॉसओवर ट्रैक 'पोकिटो' लैटिन ग्रैमी 2026 के मंच पर भी छा गया। अब दिलजीत ने इस खास परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई परफॉर्मेंस की एक झलक शेयर की। वीडियो में दिलजीत अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते नजर आ रहे हैं, वहीं डैडी यांकी अपने स्पेनिश वर्स से समां बांधते दिखाई देते हैं। बाद में दोनों कलाकार एक साथ मंच पर परफॉर्म करते हैं। इस दौरान वहां मौजूद दर्शक भी दोनों की परफॉर्मेंस पर जमकर तालियां बजाते और उत्साह बढ़ाते नजर आए। वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'पंजाबी लैटिन ग्रैमी में पहुंच गए हैं! ओए, अब दुनिया के हर मंच पर पंजाबी बोली जाएगी। भगवान हम पर मेहर बनाए रखे। बड़े भाई डैडी यांकी को सलाम। दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रिया। लैटिन ग्रैमी का भी शुक्रिया, जिन्होंने हमें यहां मौका दिया।' फैंस को खूब पसंद आया दोनों का अंदाज दिलजीत और डैडी यांकी की इस परफॉर्मेंस का



वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे शानदार म्यूजिक फ्यूजन बता रहा है, तो किसी को दोनों का साथ आना साल का सबसे बेहतरीन क्रॉसओवर लग रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कमाल है।' वहीं दूसरे ने गाने की तारीफ करते हुए कहा, 'क्या गाना है, बहुत पसंद आया।' एक फैन ने लिखा, 'कितने शानदार रिदम का मेल है। मुझे पंजाबी म्यूजिक और प्यूर्टो रिकन्स दोनों पसंद हैं।' वहीं एक यूजर ने दोनों की जोड़ी को 'यांकी जट्ट' नाम दिया। एक अन्य फैन ने इसे साल का बेस्ट क्रॉसओवर बताया।

डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ काम करने पर कही ये बात

लैटिन ग्रैमी के रेड कार्पेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ अपने इस कोलैबोरेशन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं दिलजीत का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पंजाबी और रेगेटन संगीत एक-दूसरे के कजिन की तरह हैं। मुझे हमेशा से ऐसा महसूस होता रहा है। यह कोलैबोरेशन शानदार रहा। इस गाने को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। जब अलग-अलग संस्कृतियां मिलती हैं, तो संगीत का असली मतलब समझ आता है।'

क्या है 'पोकिटो' की खासियत

'पोकिटो' एक पंजाबी-स्पेनिश गाना है, जसमें दो अलग-अलग संगीत शैलियों का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। इसमें दिलजीत की पंजाबी आवाज और भांगड़ा का तड़का है, तो वहीं डैडी यांकी का सिग्नेचर रेगेटन अंदाज भी सुनने को मिलता है। गाने में बार-बार आने वाला स्पेनिश वाक्यांश 'पोकिटो आ पोकिटो' का मतलब 'थोड़ा-थोड़ा करके' होता है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो को स्टिल्ज ने डायरेक्ट किया है। वीडियो में पंजाबी परंपराओं और लैटिन अर्बन कल्चर की झलक को रंगीन अंदाज में दिखाया गया है। यह गाना डैडी यांकी के 15 ट्रैक वाले एल्बम 'ला पोस्टल' का हिस्सा है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुए इस गाने के जरिए दोनों कलाकारों ने संगीत के माध्यम से दो अलग-अलग संस्कृतियों को एक साथ लाने की कोशिश की है।